शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 175 | गुवाहाटी | मंगलवार, 17 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्य में 2022 की अपराध दर में अपेक्षाकृत कमी : डीजीपी पेज 3
अग्निपथ सशस्त्र बलों को भविष्य के लिए तैयार करने में गेम चेंजर ..... पेज 4
जनता की सुरक्षा में विफल हो रही भाजपा सरकार : सपा पेज 5
राजस्थान में चालीस आरएएस अधिकारियों का तबादला पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

धन का लालची श्रीविहीन हो जाता है।
– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

31 जनवरी से छह अप्रैल तक चलेगा राज्यसभा सत्र

नई दिल्ली। राज्यसभा का 259वां सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा और 6 अप्रैल को समाप्त होगा। राज्यसभा सचिवालय ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है राष्ट्रपति ने राज्यसभा सदस्यों को मंगलवार 31 जनवरी 2023 को नई दिल्ली में मिलने के लिए बुलाया है। कामकाज की अनिवार्यता को देखते हुए सत्र गुरुवार 6 अप्रैल 2023 को समाप्त होगा। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। इसी दिन लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण होगा। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इस सत्र में 27 बैठकें होंगी और बजट के कागजात की जांच के लिए एक महीने -शेष पृष्ठ दो पर

पतंगबाजी में 6 लोगों की मौत, 150 से अधिक घायल

नई दिल्ली। गुजरात में उत्तरायण त्योहार के दौरान पतंग उड़ाने के दौरान मांझे से गर्दन कटने से तीन बच्चों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कटने तथा ऊंचाई से गिरने से 176 लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन घटनाओं की जानकारी सप्ताहांत के दौरान मिली, जब लोग उत्सव के दौरान छतों पर पतंग उड़ाने के लिए बड़ी संख्या में बाहर निकले। अधिकारियों ने बताया कि कई मामलों में लोगों ने पतंग उड़ाने के लिए तेज -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शुरू

- नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव पर मंथन होगा
- पीएम मोदी ने 15 मिनट का किया रोड शो

नई दिल्ली। भाजपा ने 2023 में 9 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आज से भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक शुरू हो रही है। यह मंगलवार यानी 17 जनवरी तक चलेगी। मीटिंग शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद मार्ग से कन्वेंशन सेंटर तक करीब 15 मिनट रोड शो किया। इसके बाद वे कार्यकारिणी की बैठक में पहुंचे। कार्यकारिणी की बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सभी महासचिव, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी प्रदेशाध्यक्ष और बाकी पदाधिकारी भी शामिल हुए। इससे पहले भाजपा हेडक्वार्टर में सोमवार सुबह नड्डा ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जेपी नड्डा ने कहा कि 2023 हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हमें इस साल 9 राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव और 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में जीतना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद मार्ग से कन्वेंशन सेंटर तक करीब 15 मिनट रोड शो किया। इसके बाद वे कार्यकारिणी की बैठक में पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद मार्ग से कन्वेंशन सेंटर तक करीब 15 मिनट रोड शो किया। इसके बाद वे कार्यकारिणी की बैठक में पहुंचे। रोड शो के बाद कार्यकारिणी की बैठक शुरू हुई। इसमें 9 राज्यों के विधानसभा चुनाव की स्ट्रैटजी बनाई जाएगी। यह बैठक इसलिए भी अहम है, क्योंकि इसके महज हफ्तेभर बाद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल पूरा हो रहा है। हालांकि, लोकसभा चुनाव में करीब सालभर का ही वक्त बचा है, इसलिए ज्यादा संभावना इस बात की है कि नड्डा को 2024 तक का एक्सटेंशन दिया जा सकता है। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सभी महासचिव, भाजपा शासित राज्यों के सीएम, प्रदेशाध्यक्ष और बाकी पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, सभी महासचिव, भाजपा शासित राज्यों के सीएम, प्रदेशाध्यक्ष और बाकी पदाधिकारी भी मौजूद रहे। पार्टी अध्यक्ष का कार्यकाल बढ़ाए जाने की एक अहम वजह इसी साल के आखिर में होने वाले 9 विधानसभाओं के चुनाव भी हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर में भी मई-जून के बीच चुनाव कराए जाने के आसार हैं। अगर जेपी नड्डा के नाम पर किसी वजह से सहमति नहीं बनती है, तो भूपेंद्र यादव का नाम रेस में सबसे आगे है। वहीं, गुजरात भाजपा के अध्यक्ष सीआर पाटिल को केंद्र में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की पूरी संभावना है। तकनीकी तौर पर देखें, तो 2022 में भाजपा संगठन के चुनाव नहीं हो सके हैं, इसलिए जेपी नड्डा को ही लोकसभा चुनाव तक पद पर बने रहने को कहा जा सकता है। भाजपा के संविधान -शेष पृष्ठ दो पर

इंद्रप्रस्थ की फिर हुई खोज शुरू

नई दिल्ली (हिं.स.)। पांडवों की राजधानी इंद्रप्रस्थ से पर्दा उठाने के लिए पुराना किले में फिर से खुदाई शुरू हुई है। सोमवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने पुराने किले में फिर से खुदाई शुरू की है। आजादी के बाद से यह पांचवां प्रयास है, जब इस मामले से पर्दा उठाने के लिए खोदाई शुरू की गई है। इस प्रोजक्ट को एएसआइ के वरिष्ठ अधिकारी वसंत स्वर्णकार के नेतृत्व में किया जा रहा है। वसंत स्वर्णकार ने प्रो बीबी लाल के बाद दो बार पुराना किले में खोदाई करा चुके हैं। दरअसल, पुराने किले में चार बार की हुई खुदाई में वे चित्रित मृदभांड मिले हैं, जिन्हें महाभारत के समय से जोड़ कर -शेष पृष्ठ दो पर

24 घंटे में दो बार केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे पर हमला

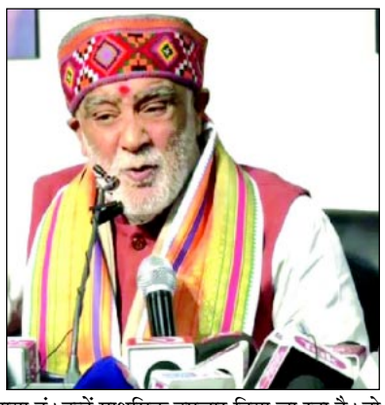

पटना/नई दिल्ली। बक्सर से पटना लौटते समय केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के काफिले की एक पुलिस की गाड़ी डुमरांव में दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गई। 4 पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है जिन्हें डुमरांव सदर अस्पताल पहुंचाया गया है। अश्विनी चौबे ने कहा कि डुमरांव अनुमंडल अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों को लेकर आया हूं। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। दो पुलिसकर्मी को अधिक चोटें आई है। प्राथमिक -शेष पृष्ठ दो पर

तिरुवनंतपुरम में जी-20 के हेल्थ वर्कफोर्स की तीन दिवसीय पहली बैठक

नई दिल्ली। भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान समूह के स्वास्थ्य कार्यसमूह की पहली बैठक 18 से 20 जनवरी तक तिरुवनंतपुरम में होनी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्य आपात स्थिति का पता लगाना, तैयारियों और प्रतिक्रिया, दवाओं के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना, डिजिटल स्वास्थ्य नवोन्मेष और समाधान, तीन ऐसी चीजें हैं जिन्हें जी20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राथमिकता दी जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्य आपात स्थिति के प्रति एहतियात, तैयारियां और प्रतिक्रिया *वन हेल्थ* का फोकस रहेगा और एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित होना एजेंडे में शीर्ष पर रहेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा दवाओं के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने पर ध्यान दिया जाएगा ताकि सभी तक सुरक्षित, प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और सस्ती दवाएं/उपकरण आदि पहुंच सकें। मंत्रालय ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

पश्चिम बंगाल के समुद्र में फंसे 600 श्रद्धालु

गंगासागर जा रहीं दो नाव लो टाइड की वजह से रेत में अटकीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पास समुद्र में करीब 600 श्रद्धालु फंसे हुए हैं। ये श्रद्धालु हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम गंगासागर में डुबकी लगाने जा रहे थे, लेकिन रविवार रात लो-टाइड और गहरे कोहरे के चलते उनकी नाव काकद्वीप के पास फंस गईं। सभी श्रद्धालुओं का रेस्क्यू किया जा रहा है। गंगासागर में कपिल मुनि का एक बहुत ही पुराना आश्रम है, जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मकर संक्रांति के मौके पर देशभर से स्नान करने के लिए यहां श्रद्धालु पहुंचते हैं। कुंभ के बाद देश का सबसे बड़ा मेला यहां लगता है जिसमें 15 से 20 लाख लोग शामिल होते हैं। कपिल मुनि आश्रम के पुजारी अजीत दास कहते हैं कि गंगासागर आना किसी व्यक्ति के लिए उसके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में हमारे प्रतिनिधि शामिल करें : केंद्रीय सरकार

कानून मंत्री की सीजेआई को चिट्ठी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को सलाह दी है कि कॉलेजियम में उसके प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। कानून मंत्री किरण रिजिजू ने सीजेआई को चिट्ठी लिखकर कहा है कि जजों की नियुक्ति की प्रक्रिया में सरकारी प्रतिनिधि शामिल करने से सिस्टम में पारदर्शिता आएगी और जनता के प्रति जवाबदेही भी तय होगी। किरण रिजिजू ने पिछले साल नवंबर में कहा था कि कॉलेजियम सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी है। उन्होंने कहा था कि हाईकोर्ट में भी जजों की नियुक्ति प्रक्रिया में संबंधित राज्य सरकार के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। लोकसभा उपाध्यक्ष भी कह चुके हैं कि सुप्रीम कोर्ट अक्सर विधायिका के कामकाज में दखलंदाजी करता है। इस मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह बेहद खतरनाक है। न्यायिक नियुक्तियों में सरकारी हस्तक्षेप बिल्कुल नहीं होना चाहिए। टाइम्स ऑफ इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कानून मंत्री के सुझाव को सुप्रीम कोर्ट मान ले, ऐसा मुश्किल है। सीजेआई चंद्रचूड़ की अगुआई वाले कॉलेजियम में 5 और सदस्य हैं। इनमें जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस एस अब्दुल नजीर, जस्टिस केएम जोसेफ, जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस संजीव खन्ना शामिल हैं। पहले इसमें सीजेआई के अलावा चार और जस्टिस थे। जिनमें कोई भी सीजेआई का उत्तराधिकारी नहीं था। इसीलिए बाद में जस्टिस संजीव खन्ना को छठवें में बर के तौर पर कॉलेजियम में शामिल किया गया, जो कि सीजेआई के उत्तराधिकारी हैं। कॉलेजियम इस सुझाव को सुप्रीम कोर्ट सरकार की नेशनल ज्यूडिशियल अपॉइंटमेंट कमीशन एक्ट लाने की सरकार की नई कोशिश के तौर पर देख रहा है। एनजेएसी को 2015 में संसद में पास किया गया था, लेकिन अक्तूबर 2015 में सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की बेंच ने इसे असंवैधानिक करार दे दिया था। जिस -शेष पृष्ठ दो पर

सीसीआई के खिलाफ गूगल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 18 जनवरी को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 18 जनवरी को गूगल की याचिका पर सुनवाई करेगा। एनसीएलएटी ने 4 जनवरी को प्रतिस्पर्धा नियामक के एक आदेश पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था और गूगल को 10 प्रतिशत राशि जमा करने को कहा था। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जस्टिस जे बी पारदीवाला की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के गूगल की सहायक कंपनी एड्रॉयड इंक पर जुर्माना लगाने के मामले में सुनवाई के दौरान कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने अक्तूबर 2022 में गूगल की सहायक कंपनी एड्रॉयड इंक पर बाजार में अपनी प्रमुख स्थिति का अनुचित लाभ उठाने के चलते 1338 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। इसकी सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जे बी पर्दीवाला की पीठ ने अमेरिकी फर्म की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी से बुधवार को पूछा कि क्या *गूगल इंडिया* भारत में वही शासन लागू करता -शेष पृष्ठ दो पर

मनरेगा फंड को लेकर ममता ने लगाए केंद्र पर आरोप

बोलीं, बंगाल के साथ हो रहा भेदभाव

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मनरेगा कोष के वितरण को लेकर राज्य के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने दावा किया कि योजना के तहत केंद्र पर पश्चिम बंगाल का 6, 000 करोड़ रुपए का बकाया है। बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल को मनरेगा कोष जारी नहीं कर रही है। उस पर हमारा 6, 000 करोड़ रुपए बकाया है। हालांकि, भाजपा शासित राज्यों को 100 दिन की कार्य योजना के लिए कोष मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने मुर्शिदाबाद जिले के सागरदिघी में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक में कहा कि मनरेगा कार्यान्वयन में अव्वल होने के बावजूद पश्चिम बंगाल को इस तरह के भेदभाव का सामना क्यों करना पड़ रहा है? हम बिना किसी केंद्रीय सहायता के योजना चला रहे हैं। विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए केंद्रीय दल के -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय डोनर मंत्री से मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने की मुलाकात

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री किशन रेड्डी गंगापुरम के -शेष पृष्ठ दो पर

जेईजेयू संस्थान एपीपीएसी पेपर लीक मामले से अनजान : ताजी

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी इटानगर स्थित जेईजेयू संस्थान पर अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएसी) के सहयोग से इंजीनियर परीक्षा पेपर लीक मामले में शामिल होने का आरोप लगा है। आरोपों और सोसल मीडिया में हो रही ट्रोलिंग पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए, जेईजेयू संस्थान के प्रबंधन ने दावा किया कि संस्थान का इस घोटाले में कोई जिम्मेदारी या भामिका नहीं है। जेईजेयू संस्थान के प्रबंध समन्वयक मारपोक ताजी ने सोमवार को मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

कड़ाके की ठंड से उत्तर पश्चिम भारत को 19 जनवरी से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। उत्तर और उत्तर पश्चिम भारत में सोमवार को कड़ाके की ठंड का प्रकोप जारी रहा। देश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान एक से तीन डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। वहीं, मैदानी इलाकों में हिमालय से आने वाली बर्फीली उत्तर-पश्चिमी हवाओं के साथ अगले दो दिनों में इस क्षेत्र में और भी अधिक ठंड पड़ने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि दो पश्चिमी विक्षोभ के कारण 19 जनवरी से शीत लहर की स्थिति समाप्त हो जाएगी। जिससे उत्तर भारत के कई क्षेत्रों को राहत मिलेगी। आईएमडी ने एक बयान में कहा कि दिल्ली के कई हिस्सों और पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में शीतलहर से लेकर गंभीर शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। भारत मौसम विज्ञान

विभाग के वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने बताया कि दिल्ली में भीषण शीत लहर की स्थिति के साथ राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है। अगले 2 दिनों तक तापमान इसी तरह बना रह सकता है, आगे और गिरावट की संभावना नहीं है। 18 जनवरी से तापमान बढ़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने नहीं सुना जोशीमठ केस

देहरादून। जोशीमठ संकट के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत दखल से इनकार कर दिया। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस पी एस नरसिम्हा और जे बी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का मामले में याचिकाकर्ता चाहें तो उत्तराखंड हाईकोर्ट जा सकते हैं। इस मामले में स्वामी अविमुक्तेश्वारानंद सरस्वती ने याचिका लगाई थी। याचिका में मांग की गई थी कि केंद्र सरकार से कहा जाए कि वह संकट को राष्ट्रीय आपदा घोषित करे और मरम्मत के काम में मदद करे। साथ ही जोशीमठ के रहने वालों को तुरंत राहत दी जाए। उधर, उत्तराखंड के जोशीमठ में दो और होटल एक-दूसरे

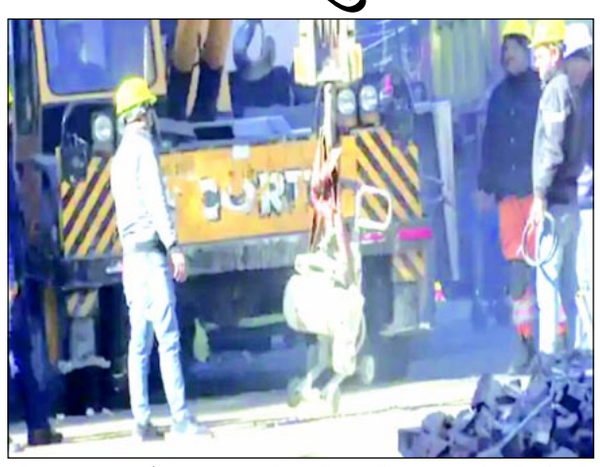

की तरफ झुक गए हैं। इनका नाम स्नो क्रेस्ट और कॉमेट है। दोनों होटलों के बीच करीब 4 फुट की दूरी थी, जो अब कम होकर सिर्फ कुछ इंच रह गई है। इन दोनों होटलों की छत एक-दूसरे से लगभग टकरा रही है। यानी ये होटल कभी भी एक-दूसरे से टकरा सकते हैं। सुरक्षा को देखते हुए इन दोनों होटलों को खाली करा दिया गया है। ये दोनों होटल उस जगह से 100 मीटर दूर हैं, जहां होटल मलारी इन और माउंट व्यू हैं। इन दोनों होटलों को गिराने की प्रक्रिया रविवार को शुरू हुई है। जोशीमठ-औली रोपवे के पास बड़ी दरारें उभर आई हैं। इस रोपवे के ऑपरेशंस एक हफ्ते पहले बंद कर दिए गए थे। रोपवे इंजीनियर दिनेश भाटी ने बताया कि इस रोपवे परिसर के पास एक दीवार पर चार इंच चौड़ी और 20 फीट लंबी दरार आ गई -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर में तस्करी के आरोप में पांच पुलिसकर्मी गिरफ्तार

इंफाल, 16 जनवरी (हि.स.)। मणिपुर पुलिस ने छापेमारी के दौरान करीब 1.336 किग्रा हेरोइन, करीब 50 लाख रुपये मूल्य की 10 किग्रा डब्ल्यूवाई टैबलेट और दो कार्टून विदेशी शराब बरामद की है। मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान क्रमशः अचौबा सिंह, सुभाष चोथे, वाई दिनेश्वर मेइती, एम प्रेमचंद्र सिंह और एन दोरेंद्रजीत सिंह के रूप में हुई है। काकचिंग जिला पुलिस अधीक्षक वत्स के निर्देश पर मणिपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग-102 पर सेंट जोसेफ इंग्लिश स्कूल के पास वाहनों की चेकिंग शुरू की। पुलिसकर्मियों ने एक मारुति जिप्सी को रोक कर तलाशी ली तो उसमें बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ लदा मिला। पुलिस ने तस्करी के आरोप में मारुति जिप्सी सवार पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया हैं। यह सभी काकचिंग सीडीओ यूनिट के सदस्य थे और मोरे में तैनात थे। पुलिस ने जिप्सी कार से 100 साबुनदानी में पैक 1.336 किग्रा संदिग्ध हेरोइन, 8 (आठ)

बंडलों में 9.151 किग्रा वजनी 10 हजार संदिग्ध डब्ल्यूवाई टैबलेट और दो कार्टून विदेशी शराब बरामद किया। इसके अलावा गिरफ्तार लोगों के पास से 80 हजार रुपये नकद भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों को जब्त मादक पदार्थ सहित आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए काकचिंग थाने को सुपुर्द कर दिया गया है। पूछताछ के बाद पांचों पुलिसकर्मियों के खिलाफ काकचिंग थाने में एनडीपीएस की विशेष धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मिजोरम की गहरी खाई में गिरी कार, तीन की मौत

आइजोल, 16 जनवरी (हि.स.)। मिजोरम में आइजोल के दक्षिणी बाहरी इलाके में मेल्थम के खियांचाओल इलाके में एक कार पहाड़ी रास्ते से लुढ़ककर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के बाद कार में आग लग गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा दो अन्य व्यक्ति घायल हो गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आइजोल जिला पुलिस सूत्रों के अनुसार यह दुर्घटना उस समय हुई जब पांच यात्रियों को लेकर कार दक्षिण मिजोरम के लोंगतलाई जिला में चकमा परिषद के मुख्यालय चौगनेट से आइजोल की ओर आ रही थी। हादसा सोमवार की सुबह आइजोल के दक्षिणी बाहरी इलाके में मेल्थम के खियांगचाओल में हुआ। इस हादसे में चकमा स्वायत्तशासी जिला परिषद के दो सदस्यों समेत तीन यात्रियों की मौत हो गई। इसके अलावा दो यात्री घायल हो गए। मृतकों की पहचान चरणसिंह चकमा (38), महेश्वरन चकमा (40) और बानोसंद्रो तांगचांग्या (46) के रूप में हुई है, जो चकमा स्वायत्तशासी जिला परिषद (सीएडीसी) के सदस्य हैं।

कल्याण आश्रम के सत्रह सहयोग संग्रह केंद्र पर अपार सहयोग प्राप्त

गुवाहाटी (नसं)। कल्याण आश्रम असम के सौजन्य से मकर सक्रांति के उपलक्ष में दो दिवसीय नगद व आवश्यक वस्तुवें संग्रह करने के लिए नगर के विभिन्न स्थानों में अस्थाई संग्रह केंद्र स्थापित किए गए। जहां जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, चिकित्सा, स्वावलंबन, संस्कार, संगठन एवं संस्कृति संरक्षण हेतु सहयोग प्राप्त किया गया। इन केंद्रों को नगर के विभिन्न हिस्सों में स्थापित किया गया जहां मकर संक्रांति के अवसर पर लोगों ने दिल खोलकर नगद एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की। नगर में यह केंद्र कल्याण आश्रम महानगर समिति एंव महानगर महिला समिति के तत्वावधान मे गुवाहाटी महानगर में 17 जगहो पर लगाये गये थे।जिनमे हरियाणा भवन, कल्याण भवन,)शुभम गार्डन,आस्था प्रेसटीज,सूर्य वाटिका,शुभम एलाईट गांधी बस्ती, कुमारपाड़ा पांचाली,माहेश्वरी भवन, द्वारिकाधीश बिल्डिंग,स्टील हाऊस,ओसवाल तिरपाल सेन्टर, पिंक हाऊस, रिहाबाड़ी गोलडन वुडहाट, साधना मन्दिर, गल्ला पट्टी,तरुण नगर,एबीसी ,यूनिवर्सल अपार्टमेंट, मनीराम ट्रेड सेंटर जहां सभी जगह अच्छा संग्रह हुआ।

उड्डयन मंत्री सिंधिया ने नेपाल विमान दुर्घटना पर जताया दुख

नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को नेपाल में विमान दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। पांच भारतीयों समेत 72 लोगों को लेकर जा रहा एक नेपाली यात्री विमान रविवार को पोखरा हवाई अड्डे पर उतरते समय नदी घाटी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सिंधिया ने एक ट्वीट में कहा कि नेपाल में दुखद विमान दुर्घटना में लोगों की मौत बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मेरे विचार और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ओम शांति। बता दें कि नेपाल की राजधानी काठमांडू से पर्यटन नगरी पोखरा जा रहा एक यात्री विमान रविवार सुबह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार पांच भारतीयों समेत 68 लोगों की मौत हो गई। यति एयरलाइंस का दो इंजन वाला एटीआर 72 विमान लैंडिंग से चंद मिनट पहले पहाड़ी से टकराकर आग के गोले में तब्दील हो गया। विमान का काफी हिस्सा सेती नदी के तट पर जा गिरा। दुर्घटनाग्रस्त विमान में 68 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे।

जेसीआई गुवाहाटी का मस्ती की कस्ती आयोजित

गुवाहाटी (नसं)। जेसीआई गुवाहाटी ने तीन दिवसीय कार्यक्रम मस्ती की कश्ती कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें आपसी भाईचारे व संबंधों को और अधिक प्रगाढ करने के उद्देश्य से कई मनोरंजक कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण भांगड़ा कार्यक्रम, बाडापानी में नौका विहार, सभी सदस्यों के लिए खासी वेशभूषा में खेल और डीजे नाइट रखी गई। इस अवसर पर पहली साधारण सभा की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष अरुण सरावगी ने कहा कि संस्था आने वाले समय में ट्रेनिंग और अच्छे कार्यक्रम करने का विचार कर रही है। इस मौके पर एनवीपी जे.सी. अंकुर झुनझुनवाला और राष्ट्रीय प्रतिष्ठित ट्रेनर जे.सी. प्रेरणा झुनझुनवाला उपस्थित थे। पूरा कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम और खुशी के साथ मनाया गया था।उपाध्यक्ष (कार्यक्रम) रेखा सरावगी द्वारा प्रोजेक्ट चेयरपर्सन महिमा अजमेरा, मोली अग्रवाल, निशा खेमका, ऋषिकेश झुरिया और प्रियंका जैन के पूर्ण समर्थन के साथ बहुत अच्छी तरह से संपन्न किया गया । सचिव आर्सीम चौधरी ने बताया या इस कार्यक्रम के संयोजक मेंटर्स मनोज बड़जात्या और रीना बड़जात्या थे। इससे पहले जेसीआई गुवाहाटी के सभी सदस्यों को फैंसी बाजार लाचित घाट से बड़ा पानी शिलांग के लिए झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

असम के आठ विधायकों का एक दल गुजरात रवाना

गुवाटी (हि.स.)। विधायक रामेंद्र नारायण कलिता के नेतृत्व में असम विधानसभा के आठ विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल गुजरात के अहमदाबाद के लिए रवाना हुआ है। इस प्रतिनिधिमंडल में आमगुरी निर्वाचन क्षेत्र से असम गण परिषद के विधायक प्रदीप हजारिका, डिगबोई के भाजपा विधायक सुरेन फुकन और दुलियाजान के भाजपा विधायक तेरेस ग्वाला समेत अन्य शामिल हैं। असम विधानसभा की लोक उद्यम समिति कोलकाता होते हुए पहले गुजरात और फिर दमन दीव जाएगा। रामेंद्र नारायण कलिता के नेतृत्व में असम विधानसभा का प्रतिनिधिमंडल इस बात की जांच करेगा कि गुजरात ने सहकारी क्षेत्र के साथ-साथ बड़े उद्योगों में किस तरह से विकास किया है। अगप के वरिष्ठ विधायक रामेंद्र नारायण कलिता ने मीडिया से कहा कि हम गुजरात में अमूल की मेगा पहल की निगरानी करेंगे।

मकर संक्रांति पर अभामामस मध्य गुवाहाटी का सहयोग

गुवाहाटी (नसं)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस) मध्य गुवाहाटी शाखा की ओर से मकर संक्रांति एवं बिहू के उपलक्ष्य में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल, गर्म कपड़े, लड्डू, चिड़ा, मिठाई, चावल आदि का वितरण किया गया। जिसका लाभ बड़ी संख्या में लोगों ने लिया। अध्यक्ष रितु अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

पृष्ठ एक का शेष

दिल्ली में बीजेपी...

के मुताबिक कम से कम 50 प्रतिशत यानी आधे राज्यों में संगठन चुनाव के बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव किया जा सकता है। इस लिहाज से देश के 29 राज्यों में से 15 राज्यों में संगठन के चुनाव के बाद ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होता हैं। अगर नड्डा को फिर से अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलती है, तो वे लगातार दूसरा कार्यकाल हासिल करने वाले लालकृष्ण आडवाणी और अमित शाह के बाद तीसरे नेता हो सकते हैं। हालांकि, राजनाथ सिंह भी दो बार पार्टी अध्यक्ष बने थे, लेकिन उनका कार्यकाल लगातार नहीं था। नीचे ग्राफिक में भाजपा के गठन से लेकर अब तक बने अध्यक्षों का ब्यौरा दिया गया है।

24 घंटे में दो बार ...

उपचार के बाद उन्हें लेकर एम्स पटना रवाना हो रहा हूं। सभी पुलिसकर्मी एवं चालक खतरे से बाहर है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि मैं नीतीश कुमार से पूछता हूं कि जिन बदमाशों को थाने लाया गया था वो अभी तक गिरफ्तार नहीं हुए। जिस प्रकार से डीएसपी ने थाने लाए गए लोगों को छोड़ दिया तो किसके दबाव पर उन बदमाशों को छोड़ा गया। मेरे ऊपर 24 घंटे में बक्सर में 2 बार हमले का प्रयास हुआ।

जी-20 के हेल्थ ...

कि डिजिटल स्वास्थ्य नवोन्मेष और समाधान *वैश्विक स्वास्थ्य सुविधाओं* में सहायक होगा और विभिन्न जगहों पर स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाएगा। भारत एक दिसंबर, 2022 से जी20 का अध्यक्ष बना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोहराया कि जी20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान समूह समेकित भाव से ठोस कदम उठाएगा। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू की गई थीम 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर भारत की *वसुधैव कुटुंबकम* की विचारधारा के समान है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में हमारे ...

एनजेएसी को सुप्रीम कोर्ट 2015 में असंवैधानिक कह चुका है। उसमें जजों की नियुक्ति को लेकर कई बदलाव किए गए थे। इसमेंएनजेएसी की अगुआई सीजेआई को करनी थी। इनके अलावा 2 सबसे वरिष्ठ जजों को रखा जाना था। इनके अलावा कानून मंत्री और 2 प्रतिष्ठित लोगों कोएनजेएसी में रखे जाने की व्यवस्था थी। प्रतिष्ठित लोगों का चयन प्रधानमंत्री, नेता विपक्ष और सीजेआई के पैनल को करने की व्यवस्था थी। अभी जजों की नियुक्ति पर रिजिजू का पत्र ऐसी ही व्यवस्था के लिए माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज रूमा पाल ने करीब एक दशक पहले कॉलेजियम सिस्टम की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि कॉलेजियम प्रक्रिया ने ऐसी धारणा बनाई है कि आप मेरा बचाव करो, मैं आपका। कॉलेजियम प्रक्रिया से एक जज की उच्च अदालत में नियुक्ति होती है, यह प्रणाली देश के सबसे अच्छे रहस्यों में से एक है। केंद्र सरकार पर आरोप लग रहे हैं कि वो कॉलेजियम की ओर से भेजे गए नामों को मंजूरी देने में देरी कर रही है। सरकार के पास कॉलेजियम की ओर से भेजी गईं करीब 104 सिफारिशें लंबित हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो अदालत ने सरकार से लंबित नामों को जल्द से जल्द निपटाने को कहा था। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कॉलेजियम प्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जजों की नियुक्ति में सरकार की बहुत सीमित भूमिका है। जबकि जजों की नियुक्ति करना सरकार का अधिकार है। रिजिजू ने कहा कि संविधान के मुताबिक जजों की नियुक्ति करना सरकार का काम है, लेकिन 1998 में सुप्रीम कोर्ट ने अपना कॉलेजियम सिस्टम शुरू कर दिया। दुनियाभर में कहीं भी जज दूसरे जजों की नियुक्ति नहीं करते हैं। जजों का मुख्य काम है न्याय देना, लेकिन मैंने नोटिस किया है कि आधे से ज्यादा समय जज दूसरे जजों की नियुक्ति के बारे में फैसले ले रहे होते हैं। इससे *न्याय देने* का उनका मुख्य काम प्रभावित होता है। कॉलेजियम सिस्टम को लेकर जारी बयानबाजी के बीच सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि इसके खिलाफ टिप्पणी ठीक नहीं है। यह देश का कानून है और हर किसी को इसका पालन करना चाहिए। वहीं, जजों की नियुक्ति में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। कोर्ट ने कहा कि कॉलेजियम की ओर से भेजे गए नामों को होल्ड पर रखना स्वीकार्य नहीं है। यह रवैया अच्छे जजों का नाम वापस लेने के लिए मजबूर करता है। यह हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति और ट्रांसफर की प्रणाली है। कॉलेजियम के सदस्य जज ही होते हैं। वे प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को नए जजों की नियुक्ति के लिए नामों का सुझाव भेजते हैं। मंजूरी मिलने के बाद जजों को अप्वाइंट किया जाता है। देश में कॉलेजियम सिस्टम साल 1993 में लागू हुआ था। कॉलेजियम में 5 सदस्य होते हैं। सीजेआई इसमें प्रमुख होते हैं। इसके अलावा 4 मोस्ट सीनियर जज होते हैं। अभी इसमें 6 जज हैं। कॉलेजियम ही सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति और उनके नाम की सिफारिश केंद्र से करता है।

केंद्रीय डोनर मंत्री ...

साथ बैठक की और पूर्वोत्तर राज्यों में चल रही विकास परियोजनाओं पर चर्चा की। बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर काफी जोर दिया है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से पूर्वोत्तर राज्यों के विकास की दिशा में तेजी लाने पर जोर दिया। दोनों नेताओं के बीच असम समेत पूर्वोत्तर के विभिन्न विकास परक योजनाओं पर भी चर्चा हुई।

सीसीआई के खिलाफ गूगल की ...

है जो वो यूरोप में करता है? बेंच ने कहा कि इस पर एक बार विचार करें और वापस आएं। हम इस मामले की सुनवाई बुधवार को करेंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने पहले मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की थी। वरिष्ठ वकील ने कहा कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा असाधारण निर्देश जारी किया है और 19 जनवरी तक इसको पूरा करना है। सीसीआई ने पिछले साल अक्तूबर में त्रश्रश्वद्यद्ग से कहा था कि वो एंड्राइड प्लेटफॉर्म पर स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं को भी अनुमति दें। ताकि वे खुद अपने ऐप्स को अनइंस्टॉल करें और अपनी पसंद का सर्च इंजन चुनने दें। आपको बताते चलें, गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने हाल ही में यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी।

बोलीं, बंगाल के साथ...

पश्चिम बंगाल के दौरे को लेकर बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्हें राज्य सरकार को *परेशान करने* के लिए भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता के घर में जुगनू घुस जाए तो भी केंद्रीय टीम पश्चिम बंगाल भेजी जाती है। किसी घटना को लेकर उत्तर प्रदेश, दिल्ली या गुजरात ऐसी टीम क्यों नहीं भेजी जाती? केंद्र सरकार छोटी-छोटी बातों पर केंद्रीय टीम भेजकर पश्चिम बंगाल को परेशान कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने नहीं...

है। इस इलाके में दरार पड़े घरों की संख्या भी 723 से बढ़कर 826 हो गई है। इनमें से 165 घर असुरक्षित इलाके में हैं। राज्य आपदा प्रबंध संस्थान ने बताया कि अब तक 233 परिवारों को रिलीफ सेंटर्स में शिफ्ट किया जा चुका है। रविवार से शुरू हुआ होटलों को गिराने का काम सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट रुढ़की की निगरानी में हो रहा है। सीबीआरआई के चीफ साइंटिस्ट डीपी कानूनगो ने कहा कि होटल को रिपेयर नहीं किया जा सकता। दोनों होटलों के आसपास मकान हैं, इसलिए इन्हें गिराना जरूरी है। होटल और ज्यादा धंसे तो गिर जाएंगे, जिससे ज्यादा नुकसान होगा। इसलिए इन्हें जल्द से जल्द गिराया जाएगा। इसके लिए मैकेनिकल डिस्मेंटलिंग तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम यहां किसी भी प्रकार की भारी वाइब्रेटिंग मशीन का उपयोग नहीं कर सकते हैं। हमें जमीन को बचाना है। इसके लिए मजदूरों को स्पेशल ट्रेनिंग दी गई है। हम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि जमीन के अंदर कम से कम या कोई कंपन न हो। होटल मलारी इन के मालिक ठाकुर सिंह राणा ने कहा था- अगल-बगल की होटल की इमारत से इतना दबाव है कि मेरा होटल ढहने वाला है। मैं बेबस हूं, मैं कुछ नहीं कह सकता। क्या कोई खुश हो सकता है अगर उनका होटल गिराया जा रहा है? अब तक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ मुआवजे के बारे में कोई बात नहीं हुई है, मुझे मुआवजे के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

जेईजेयू संस्थान एपीपीएसी ....

संस्थान का नाम एक ग्यामार पाड़ंग द्वारा शिकायत दर्ज करने और संस्थान के साथ अखिलेश यादव (प्रश्न पत्र लीक का आरोपी) के सहयोग के कारण सार्वजनिक हुआ है। अखिलेश यादव एक फ्रीलांसर के रूप में जेईजेयू संस्थान के साथ जुड़े थे और आवश्यकता के अनुसार उन्हें काम पर रखते हैं और वह अन्य संस्थान से भी जुड़े हुए थे। वे अपनी क्षमता से अन्य स्थानों पर छात्रों को कक्षाएं भी लेते थे और जेई पेपर लीक मामले में उनकी जो भी भागीदारी है, वह उसकी अपनी जिम्मेदारी है, जेईजूयू संस्थान के प्रबंधन को इसका कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता ग्यामार पाडुंग और थॉमस गाडुक जेईजेयू संस्थान के नामांकित छात्र नहीं हैं, लेकिन थॉमस गडुक अखिलेश यादव के व्यक्तिगत मार्गदर्शन में पढ़ रहे थे। हालांकि, एपीपीएससी पेपर लीक घोटाले के सिलसिले में कुछ छात्रों/उम्मीदवारों को गिरफ्तार किया गया है जो जेईजेयू संस्थान से जुड़े हुए हैं, वे अपने व्यक्तिगत स्तर से जुड़े हो सकते हैं लेकिन जेईजेयू संस्थान के अधिकारी इसके लिए कोई जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि जेईजेयू संस्थान का नाम एसआईसी और सीबीआई के चार्टशीट में नहीं है, इसलिए संस्थान का प्रबंधन इस मामले से अज्ञात है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कराने के संबंध में उन्होंने ग्यामार पाडुंग से मुलाकात की और पाडुंग ने जेईजेयू संस्थान के खिलाफ असमंजस में प्राथमिकी दर्ज करायी, इसे निकट भविष्य में स्पष्ट किया जाएगा। इसके अलावा, ताजी ने उन लोगों को चेतावनी दी जो जेईजेयू संस्थान और उनके छात्रो के खिलाफ टिप्पणी और सोसल मीडिया में ट्रोल कर रहे हैं जो विभिन्न एपीपीएससी परीक्षाओं में चयनित हुए हैं।

पतंगबाजी में 6 लोगों ...

मांझे का इस्तेमाल किया, जो पीड़ितों के गले में फंस गया और उससे कटने से उनकी मौत हो गई। बोरतलाव पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पतंग की डोर से भावनगर शहर में अपने पिता के साथ दुपहिया वाहन पर जा रही दो वर्षीय कीर्ति की गर्दन कट गई और रविवार को एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एक अन्य घटना में , तीन साल की किस्मत शनिवार को विसनगर शहर में अपनी मां के साथ घर जा रही थी, जब एक धागे से उसकी गर्दन कट गई। विसनगर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि लड़की को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अजी दम थाने के एक अधिकारी ने बताया कि इसी तरह सात वर्षीय ऋषभ वर्मा पतंग खरीदने के बाद अपने माता-पिता के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था, तभी राकजोत में मांझे से उसकी गर्दन कट गई। पुलिस के अनुसार, वड़ोदरा, कच्छ और गांधीनगर जिलों में इसी तरह की घटनाओं की सूचना मिली, जहां दोपहिया वाहनों पर यात्रा करते समय पतंग की डोर से तीन लोगों की गर्दन कट जाने से उनकी जान चली गई। एक सौ आठ-ईएमएस आपातकालीन एंबुलेंस सेवा द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, शनिवार और रविवार को पतंग उड़ाते समय मांझे से कटने से कुल 130 लोग जख्मी हो गए, जबकि ऊंचाई से गिरने से 46 लोग घायल हो गए। आंकड़ों से पता चलता है कि 15 जनवरी को 461 और 14 जनवरी को 820 मामलों के साथ सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में भी उछाल आया।

31 जनवरी से छह...

के अवकाश के साथ 6 अप्रैल तक चलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2023-24 पेश करेंगी। जोशी ने कहा कि कहा कि बजट सत्र का पहला भाग 14 फरवरी को समाप्त होगा। बजट सत्र के दूसरे भाग के लिए संसद 12 मार्च को फिर से शुरू होगी।

इंद्रप्रस्थ की फिर ...

देखा जाता है। हिंदू धार्मिक ग्रंथों में जिस जगह पांडवों की राजधानी बताई गई है, वर्तमान में वह स्थान दिल्ली में पुराना किला परिसर टीले पर स्थित है। इस सच्चाई का पता लगाने के लिए सोलहवीं शताब्दी में बने पुराने किले के नीचे परीक्षण के तौर पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पूर्व महानिदेशक प्रो. बीबी लाल द्वारा 1954-55 और 1969-1973 में खुदाई कराई गई थी। इसके ठीक 41 साल बाद एएसआइ ने 2013-14 और फिर 2017-2018 में यहां खुदाई कराई। पुराना किला में चारों बार कराई गई खुदाई में टेराकोटा के खिलौने और बि?या भूरे रंग के चित्रित मिट्टी के मिले टुकड़ों से बर्तनों के बारे में पता चला, जिन पर सामान्यत: काले रंग में साधारण चित्रण किए गए थे।ये बर्तन जो पुरातत्व विशेषज्ञ के बीच भूरे रंग के चित्रित बर्तनों के नाम से विख्यात हैं। ये ईसा से 1000 वर्ष पूर्व के हैं। चूंकि ऐसे प्रमाण वाले बर्तन महाभारत की कहानी से संबद्ध अनेक स्थलों पर पहले भी पाये गए थे और इनका काल 1000 ईसा पूर्व निर्धारित किया गया था। इनके यहां से प्राप्त होने से महाभारत के प्रसिद्ध पांडवों की राजधानी इंद्रप्रस्थ का पुराने किले के स्थल पर होने वाली परंपरा को बल मिला है। कहा जाता है कि पांडवों ने ईसा पूर्व 1400 वर्ष सबसे पहले दिल्ली को अपनी राजधानी इन्द्रप्रस्थ के रूप में बसाया था।एएसआइ द्वारा कराई गई खुदाई से पता चला था कि लगभग 1,000 ईसा पूर्व के काल में यहां लोग रहते थे। खोदाई में मिले विशिष्ट प्रकार के बर्तनों और स्लेटी रंग की चीजों के इस्तेमाल से इसकी पुष्टि होती है। यहां खोदाई में मिले बर्तनों के अवशेषों के आधार पर पुरातत्वविदों की मान्यता है कि यही जगह पांडवों की राजधानी रही होगी।

प्रियंका ने किया सोनिया गांधी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को बताया कि इटली में जन्मीं उनकी मां सोनिया गांधी को शुरुआती दिनों में भारतीय परंपराएं सीखने में थोड़ी मुश्किल हुई और उन्हें राजनीति बिलकुल पसंद नहीं थी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति द्वारा यहां आयोजित महिला केन्द्रित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि उनकी परवरिश दो साहसी महिलाओं... दादी इंदिरा गांधी और मां सोनिया गांधी... ने की है। प्रियंका ने याद किया कि जब वह आठ साल की थीं, उस वक्त उनकी दादी इंदिरा गांधी ने अपना 33 साल का बेटा खो दिया। लेकिन संजय गांधी की मृत्यु के अगले ही दिन वह देश सेवा में जुट गयीं और अपनी कर्तव्य की भावना और *आंतरिक शक्ति* के बल पर इंदिरा गांधी अंतिम सांस तक देश सेवा करती रहीं। प्रियंका ने बताया कि उनकी मां सोनिया को महज 21 साल की उम्र में राजीव गांधी से प्रेम हो गया था। उन्होंने कहा कि वह (सोनिया) उनसे (राजीव) शादी करने के लिए इटली से भारत चली आयीं। हमारी परंपराओं को सीखने में उन्हें थोड़ी मुश्किलें हुईं। उन्होंने भारतीय जीवनशैली को सीखा। उन्होंने इंदिराजी से सबकुछ सीखा और 44 साल की उम्र में अपने पति को खो दिया। प्रियंका ने कहा कि हालांकि उन्हें राजनीति पसंद नहीं थी, फिर भी उन्होंने देश सेवा का रास्ता चुना और 76 साल की उम्र में आज भी देश की सेवा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सोनिया ने इंदिरा गांधी से बेहद महत्वपूर्ण बात सीखी। प्रियंका ने कहा कि आपके जीवन में चाहे कुछ भी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने कितनी बड़ी त्रासदी झेली है, या आपका संघर्ष कितना मुश्किल है... घर हो या काम या फिर कहीं और, आपमें खड़े होकर अपने लिए लड़ने की ताकत है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(विरह)

आग तो लगी अकाश में, बाहर भीतर ताप।
चैन न श्वाँस उश्वाँस में, अन्तर पड़ गय छाप॥ 11॥

शब्दार्थ : (ताप) सन्ताप, मन का दु:ख (छाप) छाया, दाग।

भाष्य : आकाश में आग लगी है, जिसका ताप भीतर और बाहर हो रहा है। एक श्वाँस भी चैन नहीं है, जिसके कारण विरह की छाप अन्तर पड़ गई।

लगन लगी प्रभु मिलन की, लगनी भये बेहाल।
खान न भावे नहीं, तन कर कवन हवाल॥ 12।।

शब्दार्थ : (बेहाल) बेचैन, वेसुध (हवाल) ख्याल।

भाष्य : प्रभु के मिलने की लगन लगने पर लगनी (विरही) बेसुध हो जाता है। लगनी (विरही) को प्रभु के अतिरिक्त दूसरे पदार्थ की सुधि नहीं रहती। उसे-खान-पान कुछ अच्छा नहीं लगता, फिर शरीर कैसे है, उसे धयन कहाँ है?

राज्य में 2022 की अपराध दर में अपेक्षाकृत कमी : डीजीपी

गुवाहाटी (हि.स.)। वर्ष 2022 तक असम के अपराध दर में अपेक्षाकृत कमी आई है। वर्ष 2021 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 366 मामले दर्ज हुए, वहीं वर्ष 2022 में प्रति एक लाख जनसंख्या पर 200 मामले दर्ज हुए हैं। वर्ष 2021 में दर्ज मामलों की संख्या 95,984 थी, वहीं वर्ष 2022 में यह संख्या घटकर 58,908 हो गयी। वर्ष 2021 में राज्य में 1,33,239 आपराधिक मामले दर्ज हुए, वहीं वर्ष 2022 यह संख्या घटकर 69,439 हो गयी। सोमवार देर शाम को असम पुलिस के महानिदेशक भास्कर ज्योति महंत ने उक्त जानकारी एक संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने जानकारी साझा करते हुए असम पुलिस की सफलताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष 48 प्रतिशत मामलों में केस डायरी न्यायालय में जमा करायी गयी, जो पिछले वर्ष के 39 प्रतिशत से अधिक था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 या पिछले वर्षों की तुलना में वर्ष 2022 में राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में काफी कमी आई है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की संख्या वर्ष 2021 में 29,046 से घटकर वर्ष 2022 में 12,034 हो गयी। वर्ष 2017-2021 तक, इन अपराधों का वार्षिक औसत 27,240 था। उन्होंने कहा कि पूर्व की तुलना में पिछले वर्ष राज्य में इस तरह के अपराध की घटनाओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रही और पुलिस सक्रियता से जांच कर अपराध पर नियंत्रण करने में सफल रही है। डीजीपी महंत ने कहा कि बच्चों के खिलाफ अपराधों की संख्या में भी पिछले साल की तुलना में कमी आई है। 2021 में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की संख्या 5,282 से घटकर वर्ष 2022 में यह संख्या 4,306 हो गयी। वहीं पिछले साल राज्य में मानव तस्करी में भी कमी आई है। वर्ष 2021 में मानव तस्करी के 203 मामले सामने आए थे, जबकि 2022 में यह संख्या घटकर 96 रह गयी। डीजीपी मोहंती ने कहा कि असम पुलिस पिछले एक साल में साइबर अपराध को रोकने में सफल रही है। वर्ष 2021 में राज्य में साइबर अपराध के 4,846 मामले दर्ज किए गए थे, वर्ष 2022 में यह संख्या घटकर 1,781 हो गयी। पुलिस ने साइबर अपराधियों के मोबाइल सिम और व्हाट्सएप खातों को निष्क्रिय कर दिया है और अपराध को रोकने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर 24×7 निगरानी कर रही है। साइबर फ्रॉड कॉल सेंटर नंबर 1930 का इस्तेमाल साइबर अपराधों को रोकने और पिछले साल साइबर अपराधियों से 64.1 मिलियन रुपये जब्त करने में सफलता मिली। भास्कर ज्योति महंत ने कहा कि पिछले साल राज्य में अपेक्षाकृत कम हत्याएं हुईं। संपत्ति अपराध में भी पिछले साल गिरावट आई है। प्रदेश में 2021 में 29,113 ऐसे अपराध हुए जबकि 2022 में ऐसे अपराधों की संख्या घटकर 14,381 दर्ज की गयी। पिछले साल राज्य में 85 डकैतियां हुईं। 2021 में राज्य में 188 मामले आए। पुलिस ने पिछले साल 66 करोड़ रुपए के चोरी का सामान बरामद किया है। उन्होंने बताया कि राज्य में एनडीपीएस एक्ट के तहत 2022 में 2,878 मामले दर्ज हुए, वहीं 2018 में 455 मामले, 2019 में 828 मामले, 2020 में 980 मामले और 2021 में 2,271 मामले एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किए गए थे। पुलिस ने पिछले साल राज्य में 4,691 ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया और 112 किग्रा हेरोइन, 49,000 किग्रा गांजा, 52 लाख टैबलेट, 21 लाख से अधिक कफ सिरप और 215 किग्रा अफीम जब्त किया। पुलिस ने पशु तस्कर के विरूद्ध भी लगातार अभियान चलाया। 1,181 मामले दर्ज किए गए हैं, 633 वाहन जब्त किए गए हैं और 1,356 पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने छापेमारी में 12,402 पशुधन जब्त किए हैं। पुलिस ने पिछले साल राज्य में 1.07 लाख बर्मीज (म्यांमार की सुपारी) सुपारी और 2.18 लाख लीटर शराब भी जब्त किया था। उन्होंने मीडिया को बताया कि प्रदेश में गत वर्ष की तुलना में 2022 में अपराधों की संख्या में कमी आई है।

तीर्थयात्रियों की बस दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत और 19 गंभीर रूप से घायल

मोरीगांव (हि.स.)। मोरीगांव जिला के धरमतुल पुलिस थाना क्षेत्र इलाके में सोमवार की सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर हुई एक सड़क दुर्घटना में बस में सवार 3 तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि लगभग 19 यात्री घायल हो गए। वाहन में कुल 22 लोग सवार थे। पुलिस ने आज बताया कि तीर्थ स्थान परशुराम कुंड का दर्शन कर बस से अपने घर लौट रहे यात्रियों की बस धरमतुल थाना के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर ट्रक से जा टकराई। मृतकों की पहचान सुमन शर्मा, गोपाल अधिकारी के रूप में हुई है। तीसरे की शिनाख्त नहीं हो पायी है। घायलों में कृष्ण माया, भागीरथी, देवी माया, भद्रिका देवी, निर्मला अधिकारी, नंदा कुमारी, इंद्र प्रसाद, गोबिन आचार्य समेत अन्य शामिल हैं। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर 3 की मौत हो गई। दुर्घटना में घायल 19 लोगों का इलाज चल रहा है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

लोखरा में भीषण आग से लाखों की संपत्ति जलकर राख

गुवाहाटी (विभास)। रविवार रात उस समय दर्दनाक हादसा हो गया जब लोखरा इलाके में एक आवासीय संपत्ति में भीषण आग लग गई। यह घर अर्चना तेरोंग्पी का था, जो इसे किराए पर दे रही थी। आग की लपटें फैलते ही एक सिलेंडर विस्फोट हो गया जिससे संपत्ति के मामले में भारी नुकसान हुआ। घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया जिसमें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सौभाग्य से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकलकर्मियों ने स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और आग पर काबू पाने में उन्हें एक घंटे का समय लगा। यह घटना शनिवार की रात काहिलीपारा के जटिया इलाके में एक घर में हुई, जहां आग लगने के कारण तीन सिलेंडर फट गए। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि दोनों घटनाओं में आग किस वजह से लगी। घटना के बाद, अधिकारियों ने कहा कि यह सभी के लिए सतर्क रहने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की याद दिलाता है। आग की लपटें फैलते ही एक सिलेंडर विस्फोट हो गया, जिससे संपत्ति के मामले में भारी नुकसान हुआ। घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया, जिसमें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। सौभाग्य से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकलकर्मियों ने स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और आग पर काबू पाने में उन्हें एक घंटे का समय लगा।

सिलचर-कोलकाता के बीच त्योहार स्पेशल ट्रेन की सेवा रहेगी जारी

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने 05639/05640 (सिलचर-कोलकाता-सिलचर) त्यौहार स्पेशल ट्रेन की सेवा को 26 फेरों के लिए जारी रखने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन 19 जनवरी से 14 जुलाई, 2023 तक मौजूदा समय, ठहराव और संयोजन के साथ अपनी सेवा जारी रखेगी। यह अतिरिक्त सेवा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रण करने में मदद करेगी। त्यौहार स्पेशल ट्रेन संख्या 05639 (सिलचर - कोलकाता) 19 जनवरी से 13 जुलाई, 2023 तक प्रत्येक गुरुवार को सिलचर से 06:00 बजे रवाना होगी और अगले दिन कोलकाता 13:00 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, त्यौहार स्पेशल ट्रेन संख्या 05640 (कोलकाता - सिलचर) 20 जनवरी से 14 जुलाई, 2023 तक प्रत्येक शुक्रवार को कोलकाता से 15:00 बजे रवाना होगी और रविवार को सिलचर 00:30 बजे पहुंचेगी। इस ट्रेन का परिचालन जारी रहने से कोलकाता जाने वाली अन्य ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों की मांगपूर्ति होगी। करीमगंज जिला, डिमा हासाओ जिला और लामडिंग, होजाई, गुवाहाटी, गोवालपारा, न्यू अलीपुरद्वार जैसे क्षेत्रों के लोग कन्फर्म्ड टिकट के साथ आरामपूर्वक यात्रा कर सकेंगे। इन ट्रेनों के ठहराव तथा समय-सूची का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट एवं एनटीईएस पर उपलब्ध है तथा विभिन्न समाचारपत्रों एवं पू. सी. रेल के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर भी अधिसूचित की जा रही है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

कामरूप के गुणोत्सव शीर्षक थीम सांग को असम में पहला स्थान

रंगिया (निसं)। गुणोत्सव 2023 के लिए राज्य के जिलों के बीच हुई थीम गीत प्रतियोगिता में कामरूप जिले के थीम गीत को सर्वश्रेष्ठ स्थान मिला है तथा इस गीत ने राज्य के गुणोत्सव-2023 शीर्षक गीत के रूप मे स्वीकृति प्राप्त की है। इस अवसर पर कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली एवं विद्यालय निरीक्षक अपूर्व ठाकुरिया ने शीर्षक गीत को तैयार करने में जुटे सभी लोगों को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि उक्त शीर्षक गीत की तैयार करने के लिए सलाहकार के रूप मे कामरूप जिले की उपायुक्त कीर्ति जल्ली और अतिरिक्त उपायुक्त कमल बरुआ ने विभिन्न सलाह दी थी। इसका नेतृत्व समग्र शिक्षा कामरूप के जिला समन्वयक अपूर्ब ठाकुरिया ने किया। गीत के सुर और कथा कामरूप जिले के विद्यालय निरीक्षक अपूर्ब ठाकुरिया और पुबपार मदरतला उच्च माध्यमिक विद्यालय के सहायक शिक्षक तीर्थमणि डेका का है। गीत को तैयार करने में क्रमशः जिला योजना अधिकारी स्वीटी बेजबरुआ और फूलपही नाथ ने समन्वय के रूप में भूमिका निभाई है। संगीत की व्यवस्थापना जिले के पूब कामरूप महाविद्यालय के पूर्व छात्र देनिस सहरिया ने की है। गाने में कंठदान क्रमशः घटनगर मध्य अंग्रेजी विद्यालय की सहायक शिक्षिका मनबिनी दास, सीआरसीसी, करारा सिद्धार्थ कुमार शर्मा और पूब कामरूप महाविद्यालय के पूर्व छात्र देनिस सहरिया ने किया है।

आलोपती साहित्य सभा की विशेष बैठक आयोजित

नागरबेड़ा (नसं)। असम साहित्य सभा के तहत आलोपति साहित्य सभा की प्रतिनिधि बैठक, नई समिति का गठन और एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ रविवार को विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। बारपेटा जिले के बागबर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अलोपति स्थित आवु बाहार स्मरणीय हल में डॉ. जाकिर हुसैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में अलोपति साहित्य सभा के अध्यक्ष नूर आलम ने सुबह ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दोपहर में अलोपति साहित्य सभा के अध्यक्ष नूर आलम की अध्यक्षता में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में वृहद आलोपति क्षेत्र की विभिन्न क्षेत्रों की 140 प्रख्यात हस्तियों को सम्मानित किया गया। क्षेत्र के सेवानिवृत्त शिक्षण कर्मचारियों, वरिष्ठ नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पीएचडी डिग्री धारकों और कई प्रतिष्ठित हस्तियों को भी मरणोपरांत सम्मानित किया गया।

साधना मंदिर में एक शाम प्रभु के नाम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। महानगर के फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित श्री साधना मंदिर में श्री श्याम परिवार गुवाहाटी के तत्वाधान में एक शाम प्रभु के नाम का आयोजन रविवार विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से किया गया। आयोजकों ने बताया इस मौके पर खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु का भव्य दरबार बैठाया गया, जिसमें फूलों द्वारा किया गया अलौकिक श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम आज 5.15 बजे बाबा की पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर की गई। तत्पश्चात भजन-कीर्तन के कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर मुख्य कलाकार के रूप में कोलकाता से पधारे भजन गायक संजय मित्तल ने खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु के दरबार में अपने भजनों के पुष्प अर्पित किए। खचा-खच भरे पंडाल में भक्तगण श्याम प्रभु के भजनों में लीन दिखे। इस मौके पर बाबा को प्रसाद चढ़ाया गया एवं भक्तों के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का समापन बाबा की महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ। आयोजन को सफल बनाने में सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

रंगिया राइजमेल कृषक भवन प्रांगण में भोगाली प्रीति भोज आयोजित

रंगिया (निसं)। राइजमेल कृषक शहीद भवन प्रांगण में हरवर्ष की तरह इसबार भी भोगाली प्रीति भोजन का आयोजन किया गया। कृषक शहीद स्मृति रक्षा समिति द्वारा माघ महीने के पहले दिन सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम में बहुत से स्थानीय ज्येष्ठ लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान समिति के सचिव पविन कलिता ने सभी को भोगाली बिहू की शुभकामनाएं दी तथा इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को दही, चिढ़वा, पीठा, लड्डू, केला आदि भोजन के साथ आदर-सत्कार किया गया तथा सभी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई।

निर्माणाधीन पुल से गिरकर बाइक चालक की मौत

शिवसागर (हि.स.)। शिवसागर जिला के आमगुरी इलाके में निर्माणाधीन पुल से गिरकर एक बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि आमगुरी खड़ागर इलाके में निर्माणाधीन पुल से गिरकर पल्सर बाइक (एएस-04एस-2937) पर सवार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना खड़ागर चाराली और मोहन हजारिका आली रोड को जोड़ने वाली सड़क पर बन रहे पुल पर हुई। मृत युवक की पहचान जतकिया गांव निवासी तरुण वर्मा के बड़े पुत्र अपूर्व वर्मा के रूप में की गई है। मृतक बेंगलुरु में काम करता है और बीते कल ही वह घर आया था। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की अस्पताल भेज दिया है। वहीं स्थानीय लोगों ने पुल निर्माण में ठेकेदार की लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाया है।

शिशु निकेतन एचएस स्कूल में माघ बिहू का आयोजन

गुवाहाटी (नसं)। नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय में माघ बिहू के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा पारंपरिक असमिया संगीत एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की छात्रा रिचा तालुकदार द्वारा किया गया। माघ बिहू कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा एक असमिया संगीत से किया गया। तत्पश्चात असमिया परंपरा अनुसार सभी अतिथियों का फूलाम गामोछा से स्वागत किया गया। अध्यापिका मधुस्मिता दास द्वारा मुख्य अतिथि मंजू बोरा का संक्षिप्त जीवन परिचय सभी के समक्ष रखा गया। प्रधानाचार्य रीना भौमिक ने अपने स्वागत भाषण के साथ-साथ बिहू के महत्व को बताते हुए सभी को बिहू की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वार्ड नंबर 14 की काउंसलर मंजू बोरा सहित विद्यालय के प्रबंधक समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पवन कुमार अगरवाला ने बिहू के महत्व को समझाते हुए सभी को बिहू की हार्दिक शुभकामनाएं दी और साथ ही सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इसकेबाद विद्यालय के छात्र- छात्राओं द्वारा विभिन्न राज्यों में मनाए जाने वाले इस बिहू के पर्व को अलग-अलग झांकियों द्वारा प्रदर्शित किया गया। मुख्य अतिथि मंजू बोरा ने अपने वक्तव्य में तीन प्रकार के बिहू और लोकगीत तथा बरगीत के बारे में समझाते हुए सभी को बिहू की हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मंजू बोरा ने भी विद्यालय के छात्राओं के साथ बिहू नृत्य कर अपने प्रसन्नता को व्यक्त किया। उप- प्रधानाचार्या सरवरी दास ने बताया कि अंत में मुख्य अतिथि, प्रधानाचार्या, प्रबंधक समिति के सदस्यों द्वारा मेजी जलाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा ने श्री गोपाल गौशाला में मनाया बिहू

मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव शाखा द्वारा रविवार 15 जनवरी को नगांव के श्री गोपाल गौशाला में असमिया संस्कृति एवं राजस्थानी संस्कृति की एकजुटता की मिसाल कायम करने हेतु समन्वय शीर्षक भोगाली बिहू उद्यापन का आयोजन बहुत ही सुंदर रूप से किया। सर्वप्रथम अग्नि पूजा के तहत भेला घर मेजी बनाकर उसकी विधिवत पूजा विशिष्ट साहित्यकार श्री उपेंद्र बोरकोटोकी द्वारा करवा कर मेजी प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात कुल 31 झंडो का झंडोत्तोलन किया गया जिसमें मुख्य रुप से बरहमपुर समष्टि के विधायक जीतू गोस्वामी, विश्वनाथ कॉलेज के अध्यक्ष श्री चिंतामणि शर्मा, प्राण बरुआ, पूर्व विधायक गिरिन बरुआ, ध्रुब शर्मा, बोलिन भूइंया, बलदेव शर्मा, परान महंत, सरदार सुरेंद्र सिंह, हेमा झंवर, गोशाला की अध्यक्ष श्री सांवरमल खेतावत, विजय कुमार मंगलुनिया, बजरंग लाल अग्रवाल, मानक चंद नाहटा, जीवन मल सुराना, रामप्रसाद खेतान एवं कई गणमान्य व्यक्तियों द्वारा झंडोत्तोलन का कार्य संपादित किया गया। इसी कड़ी में मंच पर सर्वप्रथम असम रत्न ज्योति प्रसाद अगरवाला के चित्र के सम्मुख अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ अध्यक्ष ललित कोठारी द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। श्रद्धा गुजरानी द्वारा धार्मिक स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विधायक जीतू गोस्वामी, नगांव मारवाड़ी पंचायत के अध्यक्ष प्रह्लाद राय तोदी के साथ-साथ कई गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया गया सभी ने अपने संबोधन में सम्मेलन द्वारा भोगाली बिहू कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान मंच पर असम साहित्य सभा के पूर्व उपाध्यक्ष उपेंद्र बोरकटकी देव का नागरिक अभिनंदन किया गया तथा समाजसेवी श्यामसुंदर भीमसरिया एवं पंडित हरिप्रसाद शास्त्री का अभिनंदन किया गया, सभी को फुलाम गामोछा, सेलेंग, जापी, मोमेंटो एवं अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रूपक शर्मा का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। विधायक रूपक शर्मा ने बिहु गान और नृत्य में शामिल होकर सभी कलाकारों का हौसला बढ़ाया। नगाव पौर सभा के उपाध्यक्ष सीमांत बोरा,बिहु सम्राट के नाम से विख्यात गायक कृष्णमोनी नाथ का भी फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया। असम लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले नगांव के होनहार पीयूष गाड़ोदिया का भी फुलाम गमछा एवं मोमेंटो प्रदान कर अभिनंदन किया गया। इसी दौरान गुवाहाटी में प्रांत स्तर पर आयोजित गायन एवं नृत्य प्रतियोगिताओं मे नगांव के विजेता एवं उप विजेताओं को भी फुलाम गमछा एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की कड़ी में समाज की महिलाओं द्वारा किया गया बिहू नृत्य सभी के द्वारा सराहा गया छोटे-छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत बिहू नृत्य ने सभी का मन मोह लिया वही करण मोर एवं कार्तिक मोर द्वारा प्रस्तुत नृत्य ने काफी वाहवाही लूटी युवतियों व महिलाओं द्वारा असम एवं राजस्थानी संस्कृति के मिश्रण भरे नृत्य ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। गायन में असम के लोकप्रिय गायक कलाकार कृष्णमनी नाथ के साथ ही समाज के संदीप पारीक, शीतांशु केजरीवाल, निर्मला आलमपुरिया, मनोज पारीक एवं अरुण नागरका ने भी एक से बढ़कर एक बिहू के गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों, समाज बंधु, महिलाओं, बच्चों के साथ असमिया समाज के भी काफी संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई कार्यक्रम के संयोजक अनिल शर्मा थे जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजक पवन किल्ला, निर्मला आलमपुरिया, अरुण नागरका थे। मंच संचालन अनिल शर्मा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन पवन किल्ला और निर्मला अलमपुरिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव संजय गाड़ोदिया द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष ललित कोठारी, सचिव संजय गाडोदिया, कोषाध्यक्ष अजय मित्तल, उपाध्यक्ष प्रमोद कोठारी, पूर्व सचिव ओम् प्रकाश जाजोदिया, अनूप पोद्दार, महेश भजनका के साथ-साथ सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की सफलता हेतु अध्यक्ष ललित कोठारी व सचिव संजय गाड़ोदिया ने सभी को धन्यवाद दिया।

एनटीपीसी बंगाईगांव ने मनाया 18वां स्थापना दिवस

कोकराझाड़ (हि.स.)। एनटीपीसी बंगाईगांव ने सोमवार को अपने परिसर में अपना 18वां स्थापना दिवस मनाया। बंगाईगांव एनटीपीसी के सीजीएम करुणाकर दास ने प्रशासनिक भवन परिसर में एनटीपीसी का झंडा फहराया और उसके बाद एनटीपीसी का गीत गाने के बाद केक काटा गया। इस असर पर सीजीएम दास द्वारा गुब्बारे उड़ाए गए। कार्यक्रम में महाप्रबंधक (संचालन एवं रखरखाव) उमेश सिंह, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) एसके झा, जीएम मेंटेनेंस इंदुरी एस रेड्डी, महाप्रबंधक (एफजीडी) संजय पांडे, कमांडेंट, सीआईएसएफ जीएम थंगजोम, विभिन्न विभागों, संघों के विभाग प्रमुख और कर्मचारी, बारद्वी शिक्षा महिला क्लब आदि के सदस्य उपस्थित थे। सीजीएम दास ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि 16 जनवरी, 2006 को रखी गई एनटीपीसी बंगाईगांव की आधारशिला ने पूरे बीटीआर क्षेत्र में विकास के द्वार खोल दिया है। दास ने स्टेशन की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे एनटीपीसी बंगाईगांव ने आज न केवल संचालन और रखरखाव के कई क्षेत्रों में तेजी लाने सफल हुआ है, बल्कि राज्य और राष्ट्र के पूरे बिजली मानचित्र में एक सकारात्मक छवि बनाई है। उन्होंने संस्थान के अन्य उल्लेखनीय गतिविधियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि हमारे समाज, पर्यावरण और आस-पास के हितधारकों के प्रति पावर स्टेशन की प्रतिबद्धता का सभी स्तरों पर पालन किया जाना चाहिए और सभी से एनटीपीसी बंगाईगांव को पेशेवर रूप से संचालित और मूल्य-आधारित संगठन के रूप में पेश करने पर काम करने, सोचने और रणनीति बनाने का आग्रह किया। सीजीएम दास ने एनटीपीसी बंगाईगांव में ओ एंड एम, पर्यावरण, ऐश उपयोग पर की गई पहलों को भी रेखांकित किया और सभी यूनियनों और संघों, कल्याण निकायों और बर्दवी सिखला लेडीज़ क्लब को उनके निरंतर समर्थन और प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया।

अग्निपथ सशस्त्र बलों को भविष्य के लिए तैयार करने में गेम चेंजर होगी साबित : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को तीनों सेनाओं के अग्निवीरों के पहले बैच को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह परिवर्तनकारी नीति हमारे सशस्त्र बलों को मजबूत करने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में एक गेम चेंजर साबित होगी। प्रधानमंत्री ने इस पथ-प्रदर्शक अग्निपथ योजना के अग्रणी होने पर अग्निवीरों को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा अग्निवीर सशस्त्र बलों को और अधिक युवा व तकनीक की समझ रखने वाले बनाएंगे। अग्निवीरों की क्षमता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी भावना सशस्त्र बलों की बहादुरी को दशार्ती है जिसने हमेशा राष्ट्र के झंडे को ऊंचा रखा है। मोदी ने कहा कि इस अवसर से उन्हें जो अनुभव प्राप्त होगा, वह जीवन भर के लिए गौरव का स्रोत होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि नया भारत नए जोश से भरा हुआ है और हमारे सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में युद्ध लड़ने का तरीका बदल रहा है। संपर्क रहित युद्ध के नए मोर्चों और साइबर युद्ध की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से उन्नत सैनिक हमारे सशस्त्र बलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं की वर्तमान पीढ़ी में विशेष रूप से यह क्षमता है, और इसलिए अग्निवीर आने वाले समय में हमारे सशस्त्र बलों में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि कैसे यह योजना महिलाओं को और सशक्त बनाएगी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि किस प्रकार अग्निवीर महिलाएं नौसेना बलों का गौरव बढ़ा रही हैं, और कहा कि वह तीनों सेनाओं में महिला अग्निवीरों को देखने के लिए उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने सियाचिन में तैनात महिला सैनिकों और आधुनिक लड़ाकू विमानों को चलाने वाली महिलाओं का उदाहरण देते हुए यह भी याद किया कि कैसे महिलाएं विभिन्न मोर्चों पर सशस्त्र बलों का नेतृत्व कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में पोस्टिंग से उन्हें विविध अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और उन्हें विभिन्न भाषाओं और विभिन्न संस्कृतियों और जीवन जीने के तरीकों को सीखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीम वर्क और नेतृत्व कौशल का सम्मान उनके व्यक्तित्व में एक नया आयाम जोड़ेगा। उन्होंने अग्निवीरों को अपनी पसंद के क्षेत्र में अपने कौशल को बेहतर बनाने पर काम करने के साथ-साथ नई चीजें सीखने के लिए उत्सुक बने रहने का आह्वान किया। युवाओं और अग्निवीरों की क्षमता की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की कि वे 21वीं सदी में राष्ट्र को नेतृत्व प्रदान करने जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस में राकेश अस्थाना की नियुक्ति संबंधी याचिका बंद की

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना की नियुक्ति को चुनौती वाली याचिका को बंद कर दिया है। 31 जुलाई, 2022 को अस्थाना रिटायर हो चुके हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट इस कानूनी सवाल पर सुनवाई करेगा कि क्या राज्यों के डीजीपी जैसी चयन प्रक्रिया का पालन दिल्ली पुलिस आयुक्त के लिए भी होना चाहिए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने यह आदेश दिया। पिछले साल 16 दिसंबर को सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने चीफ जस्टिस से कहा था कि राकेश अस्थाना भले ही रिटायर हो गए हैं लेकिन कानून का सवाल अभी बाकी है। इस पर सहमति जताते हुए चीफ जस्टिस ने कहा था हम इस पर विचार करेंगे। दरअसल प्रकाश सिंह के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य के डीजीपी की नियुक्ति के लिए कम से कम छह महीने का कार्यकाल बचा हो और वो नाम यूपीएससी के पैनल से नाम भेजे जाएं। उनकी ही नियुक्ति डीजीपी के तौर पर की जानी चाहिए। इस मामले में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिए जवाबी हलफनामा में कहा कि राकेश अस्थाना की दिल्ली के पुलिस कमिश्नर के पद पर नियुक्ति विशेष परिस्थितियों में की गई। केंद्र सरकार ने कहा था कि दिल्ली देश की राजधानी है और यहां असाधारण चुनौतियां रहती हैं जिसकी वजह से ये फैसला लेना पड़ा। राकेश अस्थाना ने अपने हलफनामा में कहा था कि याचिकाकर्ता उनकी छवि को खराब करने का अभियान चल रहे हैं। इसी अभियान के तहत याचिकाकर्ता ने याचिका दाखिल किया है। 26 नवंबर 2021 को कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने 12 अक्टूबर 2021 को राकेश अस्थाना की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। इससे पहले 25 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत भूषण की याचिका पर सुनवाई से मना किया था और दिल्ली हाई कोर्ट को निर्देश दिया था कि वे दो हफ्ते में उसका निपटारा करे। सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत भूषण को हाई कोर्ट में अपनी बात रखने का निर्देश दिया था। उसके बाद प्रशांत भूषण ने दिल्ली हाई कोर्ट में दायर ऐसी ही एक याचिका में हस्तक्षेप याचिका दायर की थी।

भारत की जीडीपी अगले दस वर्षों में दुनिया में तीसरे स्थान पर होगी : नारायण राणे

– पुणे में जी 20 परिषद की दो दिवसीय बैठक शुरू

मुंबई, (हि.स.)। पुणे जिले में सोमवार को सुबह जी 20 परिषद की इंफ्रास्ट्रक्चर वर्किंग ग्रुप की दो दिवसीय बैठक शुरू हो गई। बैठक का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में नारायण राणे ने कहा कि भारत की जीडीपी अगले दस वर्षों में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगी। इस बैठक में भाग लेने वाले देश और संगठन बुनियादी ढांचे में निवेश के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करेंगे। नारायण राणे ने कहा कि हमारी जीडीपी जबरदस्त तरीके से बढ़ रही है और आठ साल पहले हमारा देश 10वें स्थान पर था। हमारा देश अब 5वें स्थान पर है। उन्होंने यह संभावना भी जताई कि हम अगले 10 वर्षों में तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगे। वैश्विक मंदी पर टिप्पणी करते हुए राणे ने कहा कि दुनिया में आर्थिक मंदी बड़े देशों में है। भारत को इससे नुकसान नहीं है, अगर मंदी आती है तो जून के बाद आएगी। नारायण राणे ने कहा कि परिषद इस बारे में मार्गदर्शन करेगी कि शहरों को कैसा दिखना चाहिए और केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा। देश की प्रगति के लिए भारत की आर्थिक स्थिति में सुधार होना चाहिए। जी20 सम्मेलन में भी इस पर चर्चा होगी। इससे देश के हर नागरिक को लाभ होगा। प्रदूषण बेतहाशा बढ़ गया है। इसलिए स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में विशेष चर्चा होगी और केंद्र सरकार युद्ध स्तर पर कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री शिवराज ने थिंक-20 बैठक में शामिल होने आए डेलिगेट्स के साथ किया पौधरोपण

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने प्रतिदिन पौधरोपण करने के संकल्प के क्रम में सोमवार को राजधानी भोपाल के स्मार्ट सिटी पार्क, में थिंक 20 इवेंट में शामिल होने के लिए विदेश से आए डेलीगेट्स के साथ पौधरोपण किया। इस मौके पर नीति आयोग नई दिल्ली के उपाध्यक्ष सुमन बेरी और मध्यप्रदेश नीति आयोग के प्रो. सचिन चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि देश के स्वच्छतम राज्य की राजधानी भोपाल में आज से दो दिवसीय जी-20 के अंतर्गत थिंक-20 की बैठक शुरू हुई है। थिंक-20 की यह बैठक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें पृथ्वी को बचाने के विषय पर परिचर्चा के लिए अनेक देशों व संस्थाओं गणमान्य के प्रतिनिधि, दुनियाभर के चिंतक और बुद्धिजीवी भोपाल आये हैं। आज यह उद्यान ग्लोबल गार्डन हो गया है।

दिल्ली से हाई कोर्ट पहुंची बीसीआई टीम ने कहा: घटना हुई है, हम रिपोर्ट पेश करेंगे

कोलकाता, (हि.स.)। कलकत्ता हाई कोर्ट में न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की एकल पीठ के सामने धरना प्रदर्शन, हाथापाई और आपत्तिजनक नारेबाजी को लेकर जांच करने पहुंची बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआई) की टीम ने सोमवार को हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार और अन्य संबंधित अधिकारियों से बात कर जांच पूरी कर ली है। टीम में शामिल इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस अशोक मेहता ने अपराह्न के समय मीडिया से बात की। उनके साथ दो अन्य सदस्य दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के कार्यकारी समिति की सदस्य वंदना कौर ग्रोवर और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता रविंद्र कुमार रायजादा भी मौजूद थे। अशोक मेहता ने कहा कि हमने घटनास्थल का दौरा किया है। कई लोगों से बात की है। यह स्पष्ट हो गया है कि विरोध प्रदर्शन और नारेबाजी की घटना हुई है जिसकी रिपोर्ट हम कल बार काउंसिल ऑफ इंडिया को सौंपेंगे। इसके बाद ही इस मामले पर जो फैसला लेना है वह बीसीआई लेगा। उन्होंने बताया कि फिलहाल इस मामले से संबंधित कोई सीसीटीवी फुटेज उन्होंने एकत्रित नहीं किया है, ना ही मिला है। इस संबंध में किसी भी पार्टी अथवा किसी का नाम लेने से इनकार करते हुए उन्होंने कहा कि वे फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्य के तौर पर यहां आए हैं और इस मामले की जांच रिपोर्ट सबमिट करनी है।

दो सौ करोड़ रुपये की ठगी मामले में ईओडब्ल्यू ने चार्जशीट दाखिल की

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह से कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की ठगी मामले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने पटियाला हाउस कोर्ट के स्पेशल जज शैलेंद्र मलिक की अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। कोर्ट चार्जशीट पर 17 जनवरी को विचार करेगा। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में मजिस्ट्रेट के समक्ष एक्ट्रेस नोरा फतेही, चाहत खन्ना, अभिनेता निक्की तंबोली और मॉडल सोफिया सिंह के दर्ज बयानों को आधार बनाया है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि इस मामले के मुख्य आरोपित सुकेश चंद्रशेखर ने स्वीकार किया था कि 57 करोड़ अदिति सिंह से लिए थे, लेकिन जांच में पाया गया कि उसने 80 करोड़ लिए थे। सुकेश ही इस मामले का मास्टरमाइंड है। इस मामले में उसने अदिति सिंह को पहला फोन लैंडलाइन से किया था। ईडी ने कहा कि सुकेश ने बताया कि इस पैसे से गाड़ी, लग्जरी आइटम और गिफ्ट खरीदे गए। कोर्ट ने 15 नवंबर, 2022 को अभिनेत्री जैकलीन को जमानत दी थी। इससे पहले 31 अगस्त, 2022 को कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ दायर पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 17 अगस्त को ईडी ने पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। ईडी ने पूरक चार्जशीट में जैकलीन को आरोपित किया। ईडी अप्रैल में इस मामले में जैकलीन की सात करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर चुका है। ईडी के मुताबिक सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन के लिए उपहार खरीदने में उस अवैध धन का इस्तेमाल किया, जो उसने शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह समेत दूसरे हाई-प्रोफाइल लोगों से धोखाधड़ी कर वसूला था।

राजस्थान हाईकोर्ट के नौ जजों ने ली शपथ, अब दो कपल भी हाईकोर्ट में जज

जोधपुर, (हि.स.)। राजस्थान उच्च न्यायालय में सोमवार सुबह नौ जजों को एक साथ पद की शपथ दिलाई गई। इसमें सबसे बड़ी बात है कि दो कपल जज भी अब इसमें शामिल है। जोधपुर की डॉ. नूपुर भाटी को सोमवार को हाईकोर्ट जज के रूप में शपथ दिलाई गई। उसके पति जस्टिस पुष्पेंद्र भाटी भी राजस्थान हाईकोर्ट में जज हैं। जस्टिस महेन्द्र गोयल और उनकी पत्नी जस्टिस शुभा मेहता पहले से ही हाईकोर्ट में नियुक्त हैं।

शुक्रवार को जारी हुआ था नोटिफिकेशन: केंद्रीय विधि और न्याय मंत्रालय की ओर से 9 जजों की नियुक्ति के बाद सोमवार को जोधपुर हाईकोर्ट में शपथ दिलाई गई। इससे पूर्व शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी कर वकील कोटे से 3 और न्यायिक अधिकारी कोटे से 6 जजों की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए थे। इसी के साथ अब हाइकोर्ट में 50 पदों में से 35 जजों के पदों पर नियुक्ति हो गई है।

मुख्य न्यायाधीश मित्थल ने दिलाई शपथ: सोमवार को सुबह राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्यपीठ जोधपुर में नव नियुक्त सभी 9 जजों को मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल ने शपथ दिलाई। वकील कोटे से जयपुर के गणेश राम मीणा, अनिल कुमार उपमन और जोधपुर से डॉ. नुपुर भाटी की नियुक्ति हुई है, जबकि न्यायिक अधिकारी कोटे से राजेन्द्र प्रकाश सोनी, अशोक कुमार जैन, योगेन्द्र कुमार पुरोहित, भुवन गोयल, प्रवीर भटनागर और आशुतोष कुमार की नियुक्ति हुई।

35 में से 3 महिला जज : – राजस्थान हाईकोर्ट में 35 में से अब 3 महिला जज हो गई हैं। वकील कोटे से नूपुर भाटी की जज के रूप में नियुक्ति के बाद अब महिला जजों की संख्या तीन हो चुकी हैं। अब महिला जज के रूप में शुभा मेहता, रेखा बोराणा व नूपुर भाटी सेवाएं दे रही हैं। जिन 3 जजों की नियुक्ति वकील कोटे से हुई है, उनमें से गणेश राम मीणा हाईकोर्ट में राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता हैं।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 'आप' विधायकों ने किया एलजी कार्यालय की तरफ मार्च

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में आज तीन दिवसीय सत्र का प्रारंभ हंगामेदार रहा। भाजपा विधायक जहां एक ओर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर सदन पहुंचे तो दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के विधायकों ने विदेश में शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का मामला उठाया। विपक्ष की ओर से रखे गए मुद्दों पर चर्चा के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने जैसे ही स्वीकृति दी, आप के विधायकों ने सरकार के कामकाज में दखल को लेकर उपराज्यपाल के विरोध में नारेबाजी करने लगे। इसके अलावा आप विधायक उपराज्यपाल से शिक्षकों को विदेश ट्रेनिंग के लिए भेजने की मांग को लेकर सदन से बाहर निकल आए। बात यहीं नहीं ठहरी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सभी आप के सभी विधायक उपराज्यपाल कार्यालय की तरफ पैदल मार्च करते हुए रवाना हुए। इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट का ऑर्डर लेकर आये हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चार जुलाई 2018 को बोला था कि एलजी को कोई भी स्वतंत्र निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दो बार लिखा, क्योंकि पता था कि एक बार में नहीं मानेंगे। आगे उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और विधायकों को एलजी हाउस सिर्फ इसलिए जाना पड़ रहा है, कि शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा सके। यह कोई बड़ी मांग नहीं है। हम उम्मीद करते हैं कि एलजी को गलती का अहसास होगा। आगे केजरीवाल ने कहा कि एलजी ने दिल्ली में योगा क्लास रोक दी। दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक का भुगतान रुकवा दिए। दिल्ली जल बोर्ड के बजट को रुकवा दिए। कोई पेमेंट नहीं होने दिया। बस मार्शल की बीते तीन महीने से पेमेंट नहीं होने दी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश की कोई वैल्यू नहीं है। एलजी ये सारे काम कैसे रुकवा सकते हैं। वहीं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का कहना है कि अगर दिल्ली के मुख्यमंत्री चाहते हैं कि दिल्ली के शिक्षक ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड जाएं, तो एलजी को रोकने का अधिकार नहीं है। उन्हें सुप्रीम कोर्ट और संविधान को मानना चाहिए।

राम रहीम ने फिर से पैरोल के लिए अर्जी लगाई, जेल से बाहर आने की तैयारी

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हत्या और रेप केस में सजायाफ्ता डेरा सच्चा सौदा प्रमुख राम रहीम फिर से जेल से बाहर आ सकते हैं। रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम ने फिर से पैरोल के लिए अर्जी लगा दी है। 25 जनवरी के भंडारे और सत्संग के लिए डेरामुखी ने जेल प्रशासन को आवेदन भेजकर सिरसा आने की अनुमति मांगी है। हरियाणा सरकार सुरक्षा के मसले पर विचार कर रहे हैं। दरअसल डेरा सच्चा सौदा के दूसरे संत शाह सतनाम महाराज के जन्मदिवस पर डेरा में 25 जनवरी को भंडारा और सत्संग आयोजित होगा। इस आयोजन में शामिल होने राम रहीम फिर जेल से बाहर आ सकता है। हालांकि सिरसा में अगर राम रहीम आता है तब सरकार के लिए भी बहुत बड़ा खतरा हो सकता है इसकारण इस मसले पर काफी गहनता से विचार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक सिरसा डीसी के पास लॉऑर्डर की फाइल पहुंच चुकी है। इस पर रिव्यू करना बाकी है। गौरतलब है कि राम रहीम 15 अक्तूबर 2022 को पैरोल पर जेल से बाहर आया था। चालीस दिन तक वह बरनावा के डेरा सच्चा सौदा आश्रम में रहा था। इस दौरान उसकी मुंहबोली बेटी हनीप्रीत और परिवार के अन्य सदस्य भी थे।

प्रदूषण के मुद्दे पर विधानसभा में विपक्ष को बोलने नहीं दे रहे केजरीवाल : अभय वर्मा

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अभय वर्मा ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विधानसभा में विपक्ष को प्रदूषण के मुद्दे पर बोलने नहीं दे रहे हैं। वर्मा ने सोमवार को विधानसभा के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आज भाजपा विधायकों ने जब विधानसभा में दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे को उठाना चाहा तो उन्हें रोका गया। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान दिल्ली के आवाम को "प्रदूषण से मुक्ति के साथ शुद्ध वायु मिले",इसके लिए सदन में आवाज उठाई। जिसके बाद केजरीवाल सरकार के मार्शलों ने भाजपा विधायकों से सिलेंडर छीनने और हाथापाई करने की कोशिश की। वर्मा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार सिर्फ विज्ञापन की सरकार बन कर रह गई है, उन्हें दिल्ली की जनता से कोई प्यार और संवेदना नहीं है। आए दिन लोग प्रदूषित हवा के कारण बीमार हो रहे हैं और अपनी जान गवां रहे हैं।

ऐसे हालात में भाजपा दिल्ली के लोगों के साथ है। उनके हक की लड़ाई जारी रखेगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा सत्र का चौथा भाग सोमवार सुबह शुरु हुआ। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायकों ने राजधानी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर विरोध जताया है। इसी कड़ी में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी के नेतृत्व में सभी भाजपा विधायक आज ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर और ऑक्सीजन मास्क पहनकर दिल्ली विधानसभा पहुंचे थे। जिसके बाद इन विधायकों को सदन से बाहर कर दिया गया।

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन को सुप्रीम कोर्ट से झटका, हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक हटी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने रेप के आरोप में एफआईआर दर्ज करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक हटा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप दूसरे कानूनी विकल्प अपनाएं, हम राहत नहीं दे सकते। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन के खिलाफ आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता को अपने भाई के साथ कुछ मामले सुलझाने के लिए अपने फार्म हाउस पर बुलाया, जहां उसे शराब पिलाई गई। शराब पीने से वह बेहोश हो गई और उसके बाद हुसैन ने इसका फायदा उठाया। रोहतगी ने 12 अक्टूबर, 2022 को सुनवाई के दौरान कहा था कि शाहनवाज हुसैन 40 वर्षों से सार्वजनिक व्यक्ति हैं। रोहतगी ने कहा था कि शाहनवाज हुसैन के भाई के खिलाफ 31 जनवरी, 2018 को शिकायत दर्ज की गई, जबकि यह घटना 12 अप्रैल, 2018 की बताई जा रही है। अगर 12 अप्रैल को उसके साथ रेप किया गया होता, तो उसका उल्लेख 25 अप्रैल की शिकायत में मिलता। शिकायतकर्ता हर महीने, हर हफ्ते थाने गई और शाहनवाज के भाई के साथ विवाद कर रही है। कोर्ट ने 22 अगस्त को शाहनवाज हुसैन को राहत देते हुए रेप के आरोप में एफआईआर दर्ज करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश रोक लगा दी थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने शाहनवाज हुसैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस को तीन महीने में जांच कर ट्रायल कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि सभी तथ्यों को देखने से साफ है कि इस मामले में एफआईआर दर्ज करने तक पुलिस की अनिच्छा नजर आ रही है। हाईकोर्ट ने कहा था कि ट्रायल कोर्ट ने पुलिस से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन कोर्ट में पेश की गई पुलिस की रिपोर्ट अंतिम नहीं थी। दरअसल, दिल्ली की एक महिला ने 22 अप्रैल, 2018 को पुलिस थाने में शिकायत दी कि छतरपुर के एक फार्म हाउस में शाहनवाज हुसैन ने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला के मुताबिक उसकी शिकायत पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उसके बाद 26 अप्रैल, 2018 को महिला ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। महिला की शिकायत के मुताबिक पुलिस शाहनवाज हुसैन को बचाना चाहती थी। महिला ने 21 जून, 2018 को साकेत कोर्ट में याचिका दायर कर शाहनवाज हुसैन के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराने की मांग की थी। पुलिस ने ट्रायल कोर्ट को बताया था कि शाहनवाज हुसैन के खिलाफ मामला नहीं बनता है। ट्रायल कोर्ट ने दिल्ली पुलिस की इस दलील को खारिज करते हुए कहा था कि महिला की शिकायत में संज्ञेय अपराध का होना पाया गया है। साकेत कोर्ट के मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने 7 जुलाई, 2018 को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।

नेपाल विमान दुर्घटना: 5 भारतीयों सहित 26 शवों की पहचान, 4 की तलाश जारी

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल के पोखरा में रविवार को हुई विमान दुर्घटना में अबतक चार लोगों के शव बरामद नहीं हुए हैं, जिसकी तलाश जारी है। बरामद 68 शवों में पांच भारतीयों सहित 26 शवों की पहचान हो गयी है। शेष शवों की पहचान के प्रयास हो रहे हैं। नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से रविवार सुबह 10:33 बजे उड़ान भरने वाले यति एयरलाइंस का विमान पोखरा में सेती नदी के तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में 72 लोग सवार थे, जिनमें से 68 के शव मिल चुके हैं। नेपाली सेना ने बयान जारी कर अब तक किसी भी यात्री के जिंदा न मिलने की बात कही है। जिन चार यात्रियों के शव बरामद नहीं हुए हैं, उनकी तलाश तेज कर दी गयी है। सोमवार को ब्लैक बॉक्स मिलने के बाद अब राहतकर्मियों का पूरा जोर शेष चार शवों की बरामदगी पर है। विमान दुर्घटना में अब तक बरामद हुए 68 शवों की पहचान का काम शुरू कर दिया गया है। अभी तक पांच भारतीयों सहित 26 शवों की पहचान हो चुकी है। सभी पांच भारतीय उत्तर प्रदेश के निवासी थे। इनकी पहचान 25 वर्षीय अभिषेक कुशवाहा, 22 वर्षीय विशाल शर्मा, 27 वर्षीय अनिल कुमार राजभर, 35 वर्षीय सोनू जायसवाल और संजय जायसवाल के रूप में हुई है। सोमवार को शवों का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। पोस्टमार्टम के बाद शवों को परिजनों को सौंप दिया जाएगा। भारतीय समेत अन्य विदेशी नागरिकों के शवों को राजधानी काठमांडू लाया जाएगा। भारतीय नागरिकों के शवों को लेने के लिए काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के अधिकारी पोखरा पहुंच गए हैं। पहचान होने के बाद भारतीय नागरिकों के शवों को यूपी के गाजीपुर भेजे जाने की तैयारी की जा रही है। जिन शवों की पहचान नहीं हुई है, उन्हें काठमांडू लाया जाएगा, वहां डीएनए परीक्षण किया जाएगा।

लोक कल्याण की कामना के साथ मुख्यमंत्री ने किया रुद्राभिषेक

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रुद्राभिषेक कर लोक कल्याण की कामना की है। इसके बाद उन्होंने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को मकर संक्रांति पर गुरु गोरखनाथ को आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाकर लोकमंगल की कामना की थी। सोमवार को भी उनकी दिनचर्या प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की मंगलकामना से शुरू हुई। इस निमित उन्होंने गन्ने के रस से रुद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से जनकल्याण की प्रार्थना की। रुद्राभिषेक का अनुष्ठान मठ के प्रथम तल स्थित शक्ति मंदिर में सम्पन्न हुआ। रुद्राभिषेक अनुष्ठान के बाद मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में पहुंचे। करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद गए और एक-एक कर सब की बात सुनी। सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। हर समस्या का जल्दी और गुणवत्तापूर्ण समाधान होगा। कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस्टीमेट उपलब्ध होते ही भरपूर मदद की जाएगी। पैसे के अभाव में किसी का इलाज बाधित नहीं होने दिया जाएगा। जमीन कब्जाने की कुछ शिकायतों पर उन्होंने कहा कि सरकार हर गरीब के साथ खड़ी है। जमीन कब्जा करने या दबंगई करने वालों को कानूनी सबक मिलेगा।

जनता की सुरक्षा में विफल हो रही भाजपा सरकार : सपा

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर होती जा रही है। भाजपा की राज्य सरकार जनता की सुरक्षा में विफल साबित हो रही है। सपा सरकार में अपराध नियंत्रण की जो प्रभावी व्यवस्थाएं की गई थी उन्हें भाजपा सरकार ने बर्बाद कर दिया है। अपराधियों में पुलिस का डर समाप्त हो चला है, अब उस पर भी आए दिन दाग लग रहे हैं। उत्तर प्रदेश में हर दिन हत्या, लूट और अपहरण की घटनाएं होती है। थाने और तहसील भ्रष्टाचार और दलाली के अड्डे बन गए हैं। निदोर्षों की पिटाई से मौतें हो रही हैं। हिरासत में मौतों के मामले में उत्तर प्रदेश क्राइम ग्राफ में अव्वल है। पुलिस की मनमानी पर शासन-प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। आम जनता के साथ पुलिस मित्र का नहीं, अपराधियों जैसा व्यवहार करने के लिए कुख्यात है। अभी आठ जनवरी को सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायत करने वाले व्यवसायी दुर्गा प्रसाद द्विवेदी को ठाकुरगंज थानान्तर्गत बालागंज चौकी के दरोगा और चौकी प्रभारी ने पहले घर में घुसकर पीटा फिर थाने लाकर लॉकअप में बन्द किया। विरोध करने पर बाहर निकालकर लात घूंसों से पिटाई की। खाकी की एक शर्मनाक करतूत त्रिवेणी एक्सप्रेस में उस वक्त दिखी जब प्रयागराज से बरेली जा रही युवती के साथ यूपी पुलिस के एक जवान ने छेड़छाड़ की। विरोध पर उसका सामान चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया। इसी हफ्ते गाजियाबाद के डासना क्षेत्र में बी काम की एक छात्रा के साथ तीन छात्रों ने दुष्कर्म किया। वे उसका अश्लील वीडियो बनाकर पांच माह तक ब्लैकमेल करते रहे। फतेहपुर जिला अस्पताल के पैरामेडिकल स्टाफ ने वहां इलाज के लिए आई किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास किया। सड़क दुर्घटना में घायल किशोरी अस्पताल में ड्रेसिंग के लिए आई थी। बांदा में पति के साथ जा रही महिला से उसके पड़ोसियों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। राजधानी लखनऊ में सरोजनीनगर के बिजनौर थाना क्षेत्र में बहन के साथ जा रहे भाई ने जब छेड़छाड़ का विरोध किया तो उसे अगवाकर पीटा गया। फरूर्खाबाद के मेरापुर थाना क्षेत्र में गांव की युवती से तमंचे के बल पर सामूहिक दुष्कर्म किया गया।

प्रदेश में इन दिनों साइबर क्राइम का भी बोलबाला है। साइबर अपराधियों का शिकार हर दिन कोई न कोई नागरिक हो रहा है। औसतन 20 लोग रोज ठगी के शिकार हो रहे हैं। पुलिस ठगी के मामलों को खोलने में बहुत सफल नहीं साबित हुई है। तमाम लोगों के बैंक खातों से रकमें निकल गई है। मोटे इनाम या विदेशी धन का लालच देकर लूटा जा रहा है। सवाल यह है कि जब पुलिस ही खुद हैवान बन जाए तो बहू-बेटियां कैसे सुरक्षित रह सकेगी? भाजपा सरकार बडे.जोर शोर से बढे बेटियां-पढ़े बेटियां का नारा देती है लेकिन उन्हें पढ़ने ही नहीं दिया जा रहा है। तमाम छात्राएं छेड़खानी से त्रस्त होकर घर बैठ गई है और कुछ तो ग्लानिवश जान तक दे चुकी है। भाजपा सरकार ने लोगों का जीना दूभर कर दिया है। अब उसे जाना ही होगा।

उप्र की इलेक्ट्रिक बसों का किराया बढ़ा, घाटे को कम करने के लिए प्रबंधन ने लिया निर्णय

कानपुर, (हि.स.)। इलेक्ट्रिक बसों में यात्रा करने के लिए सोमवार से महंगा हो गया। घाटे को कम करने के लिए कानपुर शहर की ट्रांसपोर्ट कंपनी के प्रबंधन ने किराया बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय नगर विकास निदेशालय के निर्देश पर लिया गया है। इलेक्ट्रिक बसों का न्यूनतम किराया छह से बढ़ाकर ग्यारह रुपये कर दिया गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक परिचालन डी.वी.सिंह ने बताया कि कानपुर शहर में अभी 98 बसें जनपद के विभिन्न मार्गों पर संचालित हो रही हैं। इन बसों के संचालन में घाटा लग रहा है। अब तक यह घाटा सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी से पूरा किया जा रहा है। ई-बसों के घाटे को कम करने की दिशा में यह बढ़ोत्तरी की गई है। ई-बसों के संचालन में एक किमी पर 70 रुपये खर्च आता है। आमदनी 20 रुपये प्रति किमी के हिसाब से हो रही है। 50 रुपये प्रति किमी के नुकसान की भरपाई सरकार की तरफ से मिलने वाली सब्सिडी से होती है। क्षेत्रीय प्रबंधक परिचालन ने बताया कि निदेशालय के निर्देश पर पूरे प्रदेश में किराया पांच रुपये बढ़ाया गया है। पहले यह किराया पांच रुपये था, पर एक रुपया दुर्घटना मुआवजा का जुड़ता है, जिससे न्यूनतम किराया छह रुपये हो गया था। अब छह किमी तक के सफर के लिए 11 रुपये देने होंगे। इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े में 150 बसें और शामिल होने जा रही हैं। इन बसों को 28 मार्गों पर चलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त गंगा बैराज से मंधना के मध्य नया चार्जिंग स्टेशन बनेगा। अभी अहिरवां के नवीन नगर में चार्जिंग स्टेशन है। 100 किमी चलने पर बसों को दोबारा चार्जिंग के लिए यहां लाना पड़ता है। नया चार्जिंग स्टेशन बनने से इन्हें अहिरवां नहीं जाना पड़ेगा। ई-बसों को चार्ज करने के लिए नए चार्जिंग स्टेशन और पार्किंग की आवश्यकता पड़ेगी।अहिरवां में सौ बसों की पार्किंग पहले की तरह होती रहेगी। मंधना से गंगा बैराज के बीच नया ई-बस डिपो खोलना प्रस्तावित है। पांच एकड़ जमीन मांगी गई है। प्रशासन से जमीन मिलते ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

बिहार के शिक्षा मंत्री के चित्र पर कालिख पोत अधिवक्ताओं ने जूतों से रौंदा

-रामचरित मानस पर विवादित टिप्पणी करने से नाराज

वाराणसी,(हि.स.)। गोस्वामी तुलसीदास द्वारा १६वीं सदी में रचित श्री रामचरितमानस पर विवादित टिप्पणी करने वाले बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर लोगों के निशाने पर है। चंद्रशेखर के रामचरित मानस पर दिए गए बयान से नाराज अधिवक्ताओं के एक गुट ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर उनके चित्र पर कालिख पोत कर उसे जूतों से रौंदा। अधिवक्ताओं ने कहा कि चंद्रशेखर ने करोड़ों लोगों की श्रद्धा पर जो चोट पहुंचाई है, उसे सनातन धर्मावलंबी कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्हें देशवासियों से माफी मांगना चाहिए। इसके पहले अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने भी विवादित बयान पर नाराजगी जताई थी। जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरित मानस और मनुस्मृति पर शिक्षा मंत्री का बयान निंदनीय ही नहीं, घोर आपत्तिजनक है। जब 1991 के दौर में भारत में उदारीकरण के कारण देश में आईटी सेक्टर का हब था। तब बिहार मंडल कमीशन की सिफारिशों की आग में जल रहा था। आज बिहार में शिक्षा की गति लचर स्थिति में है। वहां की सरकार शिक्षा की चिंता छोड़कर लोगों को जातिवाद की आग में झोंक रही है। बिहार के राजनीतिक दलों का एक यही काम रह गया है।

गणतंत्र दिवस को लेकर उत्तर प्रदेश में अलर्ट जारी

- दिल्ली में पकड़े गए दो आतंकियों के बाद आईबी ने किया अलर्ट

लखनऊ, (हि.स.)। गणतंत्र दिवस को लेकर उत्तर प्रदेश में अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के तमाम प्राचीन मंदिर, मठ और ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में दो आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद उनसे हुई पूछताछ में बड़ी आतंकी साजिश का पता चला है। इसके बाद देश की सुरक्षा जांच एजेंसी सतर्क हो गई। गणतंत्र दिवस को लेकर आईबी ने दिल्ली, यूपी, पंजाब और कई बड़े शहरों में अलर्ट जारी किया है। उप्र के जिले अयोध्या, वाराणसी, मथुरा, गोरखपुर के धार्मिक महत्वों के स्थानों पर अतिरिक्त चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। यूपी एटीएस, एसटीएफ, एलआईयू सहित तमाम जांच एजेंसियों को भी सतर्क किया गया है। हालांकि अलर्ट को लेकर अभी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डीएस चौहान की ओर से अभी बयान नहीं आया है।

कब तक राज्य सूचना आयोग के अध्यक्ष की होगी नियुक्ति : हाई कोर्ट

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति आनंदा सेन की कोर्ट ने सोमवार को सातवीं से दसवीं जेपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जामिनेशन में अभ्यर्थियों को आंसर शीट देखने नहीं देने और अभ्यर्थियों को उनके कॉपी की छाया प्रति उपलब्ध नहीं करने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि अगर यह बात सत्य है कि राज्य सूचना आयोग में अध्यक्ष नहीं है, राज्य सूचना आयोग अभी फंक्शनल नहीं है, तो राज्य सरकार बताएं कि सूचना आयोग के अध्यक्ष की कब तक नियुक्ति होगी? कोर्ट ने मामले में तीन सप्ताह का समय जवाब दाखिल करने के लिए राज्य सरकार को दिया है। इससे पहले प्रार्थी के अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने कोर्ट को बताया कि आरटीआई के माध्यम से सातवीं से दसवीं जेपीएससी के अभ्यर्थियों ने अपने कॉपी को देखने और उसकी छाया प्रति देने की मांग जेपीएससी से किया था। प्रथम अपील में जेपीएससी द्वारा अभ्यर्थियों को उनके कॉपी का अवलोकन करने से मना कर दिया गया, लिखा गया कि आयोग द्वारा निर्णय के बाद ही उन्हें कॉपी दिखाया जाएगा। याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि आरटीआई के प्रथम अपील में भी कॉपी की छाया प्रति नहीं दी जा रही है, जो जेपीएससी के अपने कार्यालय आदेश 15 जनवरी 2015 के विपरीत है। राज्य में राज्य सूचना आयोग अभी तक फंक्शन नहीं है इस कारण अभ्यर्थी द्वितीय अपील दायर करने में असमर्थ है, जिस कारण उन्होंने हाई कोर्ट में आग्रह किया है।

मेरठ में तेंदुए का खौफ बरकरार, पहरा दे रहे लोग

मेरठ, (हि.स.)। शहर में तेंदुए का खौफ बरकरार है। जागृति विहार में तेंदुए से खौफ खाए लोग लाठी-डंडों के साथ पहरा दे रहे हैं। जबकि वन विभाग लगातार तेंदुए की खोज में लगा हुआ है। टीपीनगर के ज्वालानगर के बाद तेंदुआ मेरठ कैंट के आरवीसी सेंटर के पास दिखाई दिया। काफी प्रयासों के बाद भी वन विभाग तेंदुए को नहीं पकड़ पाया। यहां पर कई स्थानों पर वन विभाग ने ट्रैप कैमरें लगाए, लेकिन तेंदुए का कुछ पता नहीं चला। अब मेडिकल कॉलेज के जागृति विहार के कीर्ति पैलेस के पास सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ दिखाई दिया है। तेंदुए के पंजों की जांच करके वन विभाग ने साफ किया कि उसकी उम्र चार से पांच वर्ष है और वह तंदुरुस्त है। डीएफओ राजेश कुमार तेंदुए की खोज के लिए वन विभाग की टीम लगा चुके हैं। यह टीम भी अभी तक तेंदुए को नहीं पकड़ पाई है। रविवार की रात जागृति विहार और कीर्ति पैलेस के लोगों ने लाठी-डंडे लेकर अपनी कॉलोनी के आसपास पहरेदारी की। उधर, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच करते हुए वन विभाग को पता चला कि तेंदुआ गढ़ रोड स्थित काली नदी की ओर निकल गया है। डीएफओ ने हापुड़ जनपद के वन प्रभाग को भी इसकी सूचना देकर तेंदुआ पकड़ने के अभियान में शामिल किया है।

रायबरेली सड़क हादसे में मरने वालों के परिजनों को सपा ने दी एक-एक लाख की मदद

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रायबरेली सड़क हादसे में मरने वालों के परिजनों को राहत राशि प्रदान की है। सोमवार को सपा विधायक द्वारा शोकाकुल परिजनों को एक-एक लाख रुपये के चेक सौंपे गए। रायबरेली जनपद में गत सप्ताह 11 जनवरी को एक सड़क हादसा हो गया था। इस मार्ग दुर्घटना में कई लोगों की जान चली गई थी। दुःखद हादसे को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सड़क हादसे में जान गंवाने वाले ग्रामीणों के परिजनों को सहायता राशि दिए जाने की बात कही थी। सपा विधायक मनोज कुमार पांडेय ने आज मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये की धनराशि का चेक देकर आर्थिक मदद प्रदान की। समाजवादी पार्टी ने योगी सरकार से हादसे में हुए मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये दिए जाने की मांग की है।

जनता दरबार में मुख्यमंत्री ने 42 लोगों की सुनी समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को जनता दरबार में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे 42 लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में पटना जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि कर्पूर ग्राम के एक वार्ड में हर घर नल जल योजना का लाभ किसी को नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने पटना के जिलाधिकारी को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसी तरह रोहतास जिला से आये एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे द्वारा सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराया गया, मगर उसके बकाया राशि का अब तक भुगतान नहीं किया गया है। किशनगंज जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि हमारे पंचायत में लगभग दो किलोमीटर रास्ते का निर्माण अब तक नहीं हो पाया है। संबंधित अधिकारियों को भी इस की सूचना दी गयी है मगर अब तक उस सड़क का निर्माण नहीं हो सका है। भागलपुर जिला से आए एक फरियादी ने आग्रह करते हुए कहा कि हमलोगों के गांव में जन वितरण प्रणाली की दूकान नहीं है। राशन लेने के लिए हमलोगों को बहुत दूर जाना पड़ता है। सहरसा जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि हमें आवास योजना का लाभ नहीं मिल रहा है ऊपर से रिश्वत की मांग की जा रही है वहीं सहरसा जिला से ही आए एक अन्य युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि प्रशासनिक भवन का हमारे द्वारा निर्माण कराया गया, किए गए कार्य के सारे दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद भी अब तक मेरे बकाये राशि का भुगतान नहीं किया गया है। मुजफ्फरपुर जिला से आए एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि हमने पांच साल से विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन दिया मगर अब तक मुझे कनेक्शन नहीं दिया गया है। वहीं मुजफ्फरपुर जिला से ही आए एक अन्य फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मुखिया द्वारा हर घर नल जल योजना तथा हर घर तक पक्की गली एवं नाली के निर्माण कार्य में घोर अनियमितता बरती गई है। किसी भी योजना का उचित लाभ किसी को नहीं मिल रहा है। पश्चिम चंपारण जिला से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री उद्यमी योजना का लाभ पाने के लिए पिछले तीन सालों से आवेदन दे रहे हैं बावजूद इसके उन्हें इसका लाभ नहीं दिया जा रहा है। वहीं पश्चिम चंपारण जिला से ही आए एक बुजुर्ग फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मैं गरीब आदमी हूं मेरा बिजली का बिल बहुत ज्यादा आ गया है। कैमूर जिला से आए एक फरियादी ने गुहार लगाते हुए कहा कि बिजली बिल अत्यधिक आया है, विभाग से जांचने का आग्रह करने की गुहार लगाता हूं तो कनेक्शन काटने की बात कही जाती है। वहीं लखीसराय जिला से आए एक फरियादी ने भी गुहार लगाते हुए कहा कि बिजली का बिल बहुत ज्यादा आया है। अररिया जिला से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि वर्ष 2018 में जन वितरण प्रणाली का लाइसेंस आवंटन होने के बाद भी अब तक मुझे मेरा लाइसेंस निर्गत नहीं किया गया है। पूर्वी चंपारण जिला से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पास न कोई भूमि है और न ही कोई आमदनी का जरिया है। अतः आपसे आग्रह है कि मुख्यमंत्री परिवहन योजना के तहत हमें कोई लाभ दिलाने की कृपा करें, ताकि मैं अपने परिवार का भरण पोषण कर सकूं। दरभंगा जिला से आए एक फरियादी ने गुहार लगाते हुए कहा कि हमारे टोले तक आने के लिये कोई सम्पर्क पथ नहीं है, कुछ लोगों के द्वारा रास्ते को बंद कर दिया गया है, जिससे आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। वहीं सारण जिला से आए एक फरियादी ने गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे गांव में जाने के लिए कोई सड़क नहीं है। समस्तीपुर जिला से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि उनके पिता व्यवहार न्यायालय, खगड़िया में कार्यरत थे जिनका वर्ष 2016 में निधन हो गया था, लेकिन अबतक अनुकंपा के आधार पर आश्रित को नौकरी नहीं मिली है।वहीं समस्तीपुर जिला से ही आए एक अन्य फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि उनके गांव में 40 परिवारों को हर घर नल जल योजना का लाभ अब तक नहीं मिल पाया है। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सामान्य प्रशासन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पंचायती राज विभाग, ऊर्जा विभाग, पथ निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, जल संसाधन विभाग, उद्योग विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, परिवहन विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, योजना एवं विकास विभाग, पर्यटन विभाग, भवन निर्माण विभाग, वाणिज्य कर विभाग, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, गन्ना (उद्योग) विभाग एवं विधि विभाग से संबंधित मामलों पर सुनवाई हुयी।

राजभवन के पास अनुबंधित नर्सों ने तोड़ी बैरिकेडिंग, पुलिस से झड़प

रांची, (हि.स.)। मोरहाबादी मैदान से मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने के लिए सोमवार को हजारों की संख्या में एनएचएम अनुबंधित नर्सें और पारा मेडिकलकर्मी निकले। राजभवन के पास पुलिस से उनकी झड़प हो गयी, लेकिन प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ गए। झारखंड में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य विभाग में अनुबंध पर सेवा दे रहीं एएनएम /जीएनएम नर्स और अनुबंधित पैरा मेडिकलकर्मी अपनी एक सूत्री मांग 'सेवा स्थायीकरण' के लिए मुख्यमंत्री आवास घेरने के लिए आक्रोश मार्च की शक्ल में मोरहाबादी मैदान से निकले। उपाधीक्षक और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की उपस्थिति में हाथ में अपनी मांग के बैनर और तख्ती लिए आंदोलित नर्सें अलग-अलग समूह में कांके स्थित मुख्यमंत्री आवास के लिए आगे बढ़ीं। अपने आंदोलन को और धार देते हुए नर्सों ने खुद को दो जत्थे में बांट लिया। एक ग्रुप को राजभवन के पास गेट नंबर 1 पर पुलिस ने रोक लिया, लेकिन प्रदर्शनकारियों का दूसरा जत्था सीएम हाउस के करीब पहुंच गया, जहां पर सुरक्षाकर्मियों ने उनको रोका। राजभवन पर रोके जाने से आक्रोशित नर्सों की पुलिस से झड़प हुई, लेकिन प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग तोड़ कर आगे निकल गए। आंदोलनरत अनुबंधित नर्सों का कहना है कि अब निर्णायक आंदोलन होगा।

मंगलवार को राजभवन के पास अनिश्चितकालीन धरना, हड़ताल और 24 जनवरी से आमरण अनशन करेंगे। इधर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जुड़ी नर्स और पैरा मेडिकलकर्मियों के आंदोलन की वजह से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर खासा असर पड़ रहा है। खासकर ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराने गयी है।टीकाकरण सहित कई राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम पर भी इसका असर पड़ा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 2015-17 वर्ष से भी अधिक समय से अनुबंध पर सेवा दे रहीं नर्सें वर्ष 2015 से ही सेवा स्थायीकरण की मांग को लेकर आंदोलन करता आ रही हैं। हर बार विभाग और सरकार से आश्वासन मिलने के बाद आंदोलन स्थगित होता रहा। नर्सों और पैरा मेडिकलकर्मियों का आरोप है कि 2019 में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा था कि तीन महीने में उनकी सेवा नियमित होगी, लेकिन तीन साल बाद भी उनकी मांग पर सरकार कुछ नहीं कर रही है। पिछले दिनों आंदोलन करने पर नियमितीकरण के नाम पर एक कमिटी बना दी गयी, लेकिन उस कमिटी की एक भी बैठक कभी नहीं हुई है।

झारखंड पुलिस खरीदेगी हिडन कैमरा, आधुनिक ब्रेथ एनालाइजर मशीन और लेजर गन

रांची, (हि.स.)। झारखंड में ट्रैफिक पुलिस आधुनिक तौर पर खुद को और मजबूत करने में लगी है। ट्रैफिक पुलिस के पास ब्रेथ एनालाइजर मशीन है, जो शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों को पकड़ती है। अब इस मशीन को अपडेट करने की तैयारी हो रही है। रांची जिले में इसकी जांच के लिए अब विशेष किस्म की 417 ब्रेथ एनालाइजर मशीन खरीदने का प्रस्ताव बनाया गया है। इसमें कैमरा भी लगा होगा। जांच के दौरान मशीन में चालक की तस्वीर भी आ जायेगी। विशेष किस्म की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से चालक कितने नशे में है, उसकी रिपोर्ट भी ऑन स्पॉट मिल जायेगी। पुलिसकर्मियों के लिए 190 खुफिया कैमरे की भी खरीदारी की जा रही है। इसे पुलिसकर्मी अपनी वर्दी में लगायेंगे। अभी ब्रेथ एनालाइजर मशीन से चालकों की रीडिंग लेने के बाद उसे चिकित्सक के पास भेजा जाता है। चिकित्सक की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाती है। विशेष किस्म की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से ऑन स्पॉट रिपोर्ट मिलेगी। इसके आधार पर चालक पर जुमार्ना किया जायेगा या अभियोजन के लिए अग्रसारित किया जायेगा। पुलिसकर्मियों के लिए 190 खुफिया कैमरे की भी खरीदारी की जायेगी। पुलिसकर्मी इसे वर्दी में लगायेंगे, ताकि चालान काटने के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ किसी प्रकार की बदतमीजी होने पर उसकी रिकॉर्डिंग हो जाये।

मोतिहारी में शिक्षा मंत्री के विरूद्ध थाना में दिया गया आवेदन

मोतिहारी, (हि.स.)। बिहार के शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर द्वारा रामचरितमानस पर दिये गये विवादित बयान के बाद न केवल विरोधी दल बल्कि कई धार्मिक संगठनो के साथ अब आम लोगो ने भी मोचार्बंदी शुरू कर दी है।इसी परिपेक्ष्य में जिले के पताही थाना में परसौनी कपूर गांव निवासी रामभूषण शुक्ला ने एक आवेदन दिया है। आवेदन में शुक्ल ने शिक्षामंत्री पर आरोप लगाया है,कि हमारे धार्मिक ग्रंथ रामचरित मानस पर उनके द्धारा दिये गये बयान से हमारी धार्मिक भावना आहत हुई है। उन्होंने हिंदुओं के पवित्र धार्मिक ग्रंथ रामचरित मानस को समाज को तोड़ने वाला ग्रंथ बताया है,जबकि रामचरित मानस समाज और परिवार को जोड़ने वाला ग्रंथ है।जो मनुष्यों को उसके मयार्दा का ज्ञान कराता है।बिहार के शिक्षा मंत्री वैसे व्यक्ति को बनाया गया है, जो लोगों के बीच एक धर्म विशेष के प्रति गलत ज्ञान देकर नफरत व उन्माद फैला रहे है। आवेदन में पुलिस से मंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया गया है। वही दिये गये आवेदन के बाबत पताही थानाध्यक्ष अनुज कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है,जिसको लेकर वरीय अधिकारियों से बात की जा रही है।वरीय अधिकारियों के दिशा निर्देश के आलोक पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सहकारिता मंत्री सुरेंद्र यादव ने कहा लोकसभा चुनाव से पहले हो सकती है बड़ी घटना

गया, (हि. स.)। बिहार सरकार में सहकारिता मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव ने एक बार फिर बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव का बड़ा दावा है कि लोकसभा चुनाव से पहले कोई बड़ी घटना-दुर्घटना हो सकती है। बीजेपी फिर से सत्ता में आने के लिए कुछ भी कर सकती है।अभी से ही उनके द्वारा पूरी साजिश रची जा रही है। उन्होंने लोगों को होशियार रहने की सलाह दी है।ये बातें बिहार के गया में न्यू करीमगंज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंच पर बोलते हुए मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव ने कहीं। उन्होंने कहा कि केंद्र में बैठी बीजेपी सत्ता सुख के लिए कुछ भी कर सकती है। यहां तक कि देश को दो भागों में बांटने की भी साजिश हो रही है। आप सब होशियार हो जाइए। मैं हर जगह होशियार होने के लिए सभी को कह रहा हूं। मंत्री ने कहा कि बड़े पैमाने पर देश को लूटने और खंगालने की साजिश हो रही है। उन्होंने उस दौरान उदाहरण देते हुए कहा कि बताइए तो चोकर आदमी खाता है। दाम काहे बढ़ गया। चोकर तो जानवर खाता है। दिल्ली में बैठे बादशाह लोग के यहां कितने जानवर है। उन्होंने कहा कि ये सब साजिश धीरे-धीरे देश को बर्बाद करने की है।

संपादकीय

विपक्ष है कि जुड़ता नहीं

कांग्रेस और राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का मकसद स्पष्ट होने लगा है। एक तरफ इसे 2024 के आम चुनाव से नहीं जोड़ा जा रहा है, लेकिन दूसरी ओर समविचारक दलों के नेताओं को लामबंद करने की कोशिश जारी है। मौजूदा यात्रा 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त होगी, उससे पहले ही 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के मौके पर, शुरू होगा। उसमें कांग्रेस के चुनाव चिह्न 'हाथ' की भी नुमाइश की जाएगी। मंडल, जिला, राज्य स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में राहुल गांधी का पत्र वितरित किया जाएगा, जिसे मोदी सरकार के खिलाफ चार्जशीट कहा जा रहा है। यानी पत्र की विषय-वस्तु प्रधानमंत्री मोदी के विरोध पर ही टिकी होगी। कांग्रेस 'हाथ अभियान' के जरिए देश के 6 लाख गांवों, करीब 2.5 लाख पंचायतों और 10 लाख बूथों तक पहुंचने की कोशिश करेगी। इसे 'मतदाता जोड़ो मिशन' नाम भी दिया गया है। यह सिर्फ नफरत, हिंसा, डर से लेकर तपस्वी, कौरव-पांडव की सोच का अभियान है अथवा विशुद्ध चुनाव प्रचार...! इसी दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े से 23 विपक्षी नेताओं को आमंत्रण भिजवाया गया है कि वे 30 जनवरी, महात्मा गांधी की पुण्य-तिथि पर और 'भारत जोड़ो यात्रा' के समापन समारोह के साक्षी बनने के लिए श्रीनगर पहुंचें। न्योता भेजने में ही सियासत की गई है, क्योंकि तेलंगाना की 'भारत राष्ट्र समिति' के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव, आंध्रप्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस तथा तेलुगूदेशम पार्टी, ओडिशा के बीजद एवं मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, दिल्ली-पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, असम की कांग्रेस सरकार में घटक पार्टी रही ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट आदि को न्योता नहीं भेजा गया है। क्या ये पार्टियां विपक्ष की मजबूत धुरियां नहीं हैं? क्या उनके नेता विपक्ष का महागठबंधन तैयार करने में महती भूमिका अदा नहीं करेंगे? हम ओवैसी की पार्टी को अलग रखते हैं, क्योंकि वह लोकतांत्रिक नहीं, मुस्लिमवादी पार्टी है। हालांकि वह भी कांग्रेस की सत्ता-साझेदार रह चुकी है। दरअसल इस शुरुआती कोशिश पर ही विपक्ष दरकने लगता है। यानी कांग्रेस लोकसभा की करीब 100 सीटें तो छोड़ कर चल रही है, जिन पर उसे भरोसा है कि विपक्षी एकता नहीं हो पाएगी! इनके अलावा, तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जद-यू एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राजद एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, बसपा प्रमुख मायावती आदि नेता भी श्रीनगर जाएंगे, फिलहाल यह सवालिया है। हमारे भरोसेमंद सूत्रों की ख़बर है कि विपक्ष के ये धुरंधर चेहरे भी 'यात्रा' के समापन-समारोह के साक्षी नहीं बनेंगे। कारण अलग-अलग हैं। मायावती और अखिलेश तो 'यात्रा' के उप्र पड़ाव में भी शामिल नहीं हुए थे, हालांकि दोनों ही उप्र में मौजूद थे। फिलहाल वे लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन करने के पक्षधर भी नहीं हैं। इस तरह एक राजनीतिक-चुनावी सत्य बिल्कुल स्पष्ट है कि विपक्ष कांग्रेस और राहुल गांधी की छतरी तले गठबंधन बनाने के पक्ष में नहीं है। यदि 2024 में भाजपा और मोदी के पक्ष में बहुमत नहीं आता है, तो सवाल होगा कि सरकार कौन और कैसे बनाएगा? वर्ष 2004 में जिस तरह कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए बनाया गया था, तो उसमें विभिन्न गैर-भाजपा दलों को गोलबंद करने का प्रयास सीपीएम के तत्कालीन महासचिव हरकिशन सिंह सुरजीत ने किया था। तब वामदलों के निर्वाचित सांसदों की संख्या भी करीब 60 थी। आज वाममोर्चा बेहद कमज़ोर स्थिति में है और राहुल गांधी को नेता मानने पर असहमत है। तब मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में सपा सांसदों की संख्या भी काफी थी। आज सपा के 3-4 सांसद ही लोकसभा में हैं। यदि यही स्थिति रहती है, तो कांग्रेस के लिए 53 से 100 सांसदों तक पहुंचना ही टेढ़ी खीर होगा। कांग्रेस के प्रवक्ताओं ने अभी से मुग़ालता पाल लिया है कि 2024 का जनादेश उसके पक्ष में होगा। यात्रा के बाद कांग्रेस की रेटिंग अचानक बढ़ा दी गई है, जबकि इसका कोई औचित्य नहीं है।

मौजूदा यात्रा 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त होगी, उससे पहले ही 'हाथ से हाथ जोड़ो अभियान' 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के मौके पर, शुरू होगा। उसमें कांग्रेस के चुनाव चिह्न 'हाथ' की भी नुमाइश की जाएगी। मंडल, जिला, राज्य स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में राहुल गांधी का पत्र वितरित किया जाएगा, जिसे मोदी सरकार के खिलाफ चार्जशीट कहा जा रहा है। यानी पत्र की विषय-वस्तु प्रधानमंत्री मोदी के विरोध पर ही टिकी होगी। कांग्रेस 'हाथ अभियान' के जरिए देश के 6 लाख गांवों, करीब 2.5 लाख पंचायतों और 10 लाख बूथों तक पहुंचने की कोशिश करेगी। इसे 'मतदाता जोड़ो मिशन' नाम भी दिया गया है।

बोध कथा

सुख-दुख सपने की तरह हैं, स्वयं को जानना ही सच्चाई है

तुम्हारी वास्तविकता उस सांस से बड़ी नहीं है, जो तुम्हारे अंदर और बाहर आती-जाती रहती है। यह तुम्हारी गति है और यही तुम्हारे लिए सबसे अधिक मूल्यवान है। तुम्हें इसे स्वीकार करना है, समझना है। केवल यही चीज है जो तुम्हें जीवित रखती है। इस भव्य आशीर्वाद के चले जाने से तुम्हारे लिए हर चीज बेकार हो जाएगी, एकदम बेकार। एक कुम्हार अपने गधे से बहुत प्रेम करता था क्योंकि उसी से उसकी रोजी-रोटी चलती थी। प्रेम से उसने उसका नाम 'किशन' रख दिया। एक दिन वह एक स्कूल के पास से गुजर रहा था। स्कूल के अंदर से आवाज सुनाई दी। मास्टर जी अपने विद्यार्थी को मारते हुए कह रहे थे, 'तू गधा है, मार-मार कर तुझे मनुष्य बना दूंगा।' जब कुम्हार ने सुना कि मास्टरजी गधे से मनुष्य बना देते हैं, तो उसने सोचा, मेरा कोई पुत्र भी नहीं है। अगर किशन मनुष्य बन गया तो कितना अच्छा होगा। वह मास्टर जी के पास गया और कहने लगा, 'मास्टरजी, एक गधा और है, इसको भी मनुष्य बना दो।' मास्टर जी मजाकिया किस्म के थे। उन्होंने कहा, 'ठीक है छोड़ जा यहां, पेड़ के पास बांध दे।' कुम्हार ने गधे को पेड़ के पास बांध दिया। मास्टर जी ने कहा, 'तीन दिन बाद आना।' तीन दिन बाद मास्टरजी ने गधे को पेड़ से खोल कर पीछे बांध दिया और गधे की जगह उस विद्यार्थी को खड़ा कर दिया। मास्टरजी भी वहीं थे। उसने कहा, 'मास्टर जी, मेरा गधा मनुष्य बन गया?' मास्टर जी ने कहा, 'बिल्कुल बन गया।' कुम्हार ने देखा, किशन बढ़िया धोती, बंडी और टोपी पहने हुए अकड़ कर खड़ा है। उसको अच्छा लगा कि मेरा किशन मनुष्य बन गया। कुम्हार ने हरी-हरी घास जमीन से खींची और पास गया और कहा 'ले किशन, ले घास ले, तू भूखा होगा।' विद्यार्थी ने कहा, 'चल भाग यहां से। क्या कह रहा है?' कुम्हार बोला, 'किशन, तू मुझे क्यों नहीं पहचान रहा है? मैं ही तेरा कुम्हार हूं। मैं ही तेरा बाप हूं।' जब कुम्हार ने तीन-चार यह बात कही तो विद्यार्थी ने उसको लात मार दी। कुम्हार ने कहा, 'ठीक है। तेरी लात मारने की आदत अभी नहीं गई है। तू वही का वही है।' हर मनुष्य की यही कहानी है। अपनी धारणाओं, कल्पनाओं में बह कर वह पता नहीं क्या-क्या विश्वास करने लगता है। अपने उस सपने में, वह अपने आपको भी भूल जाता है कि मैं कौन हूं, मैं यहां क्या कर रहा हूं, क्यों मुझे यह मनुष्य शरीर मिला? वह जो देख रहा है उसे एक तमाशे की तरह सब कुछ दिख रहा है। अमीरी की तरफ देखता है, गरीबी की तरफ देखता है। जब मनुष्य पूछता है, गरीब क्यों है? अमीर क्यों है? तो मनुष्य ही समझाता है कि यह पिछले जन्म के कर्मों का फल है। ये सब समाज के बनाए हुए दायरे हैं और इन्हीं दायरों में फंस कर मनुष्य दुखी होता है। इस दुख का आरोप वह भगवान पर लगाता है। देखा है, लोग पहाड़ों पर जा रहे हैं। भगवान के पास जा रहे हैं। क्या यह सच है? पहाड़ी के ऊपर स्थित मंदिर में भगवान से मिलना चाहते हो, तो शौक से जाओ। पर अपने अंदर स्थित भगवान को मत भूलो। तुम्हारा असली भगवान तुम्हारे अंदर है। कल्पनाओं के दायरे से बाहर निकलो और हकीकत को पहचानो, समझो और उसका अनुभव करो!

देखा है, लोग पहाड़ों पर जा रहे हैं। भगवान के पास जा रहे हैं। क्या यह सच है? पहाड़ी के ऊपर स्थित मंदिर में भगवान से मिलना चाहते हो, तो शौक से जाओ। पर अपने अंदर स्थित भगवान को मत भूलो। तुम्हारा असली भगवान तुम्हारे अंदर है। कल्पनाओं के दायरे से बाहर निकलो और हकीकत को पहचानो, समझो और उसका अनुभव करो!

छोटी जमा राशि पर ब्याज दरों में की गई बढ़ोतरी देश के छोटे निवेशकों के लिए सुकूनदेह है

छोटी बचत योजनाओं को बनाएं आकर्षक

डा. जयंतीलाल भंडारी

यद्यपि सरकार के द्वारा जनवरी से मार्च 2023 तिमाही के लिए राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), डाकघर सावधि जमा, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना सहित छोटी जमा राशि पर ब्याज दरों में की गई बढ़ोतरी देश के छोटे निवेशकों के लिए सुकूनदेह है, किन्तु महंगाई और जीवन निर्वाह के बढ़ते खर्चों के मद्देनजर अभी छोटी बचत योजनाओं और अधिक आकर्षक बनाना जरूरी है। गौरतलब है कि अब जनवरी 2023 से एनएससी पर 7 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी जबकि वर्तमान में यह 6.8 फीसदी है। वरिष्ठ नागरिक बचत योजना वर्तमान में 7.6 फीसदी के मुकाबले अब 8 फीसदी ब्याज देगी। 1 से 5 साल की अवधि की डाकघर सावधि जमा योजनाओं पर ब्याज दरों में 1.1 फीसदी तक की वृद्धि होगी। मासिक आय योजना में भी 6.7 फीसदी से बढक़र 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा। ज्ञातव्य है कि इससे पहले 9 सितम्बर को सरकार ने अक्टूबर से दिसंबर 2022 की तीसरी तिमाही में किसान विकास पत्र के ब्याज दर को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी किया था। उल्लेखनीय है कि पिछले करीब ढाई वर्षों में कोविड-19 की आर्थिक चुनौतियों से लेकर अब तक महंगाई की चुनौतियों के बीच देश में आम आदमी, नौकरीपेशा वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग के सामने एक बड़ी चिंता उनकी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर कम रहने की बनी हुई थी। इतना ही नहीं नए वर्ष 2023 में रूस-यूक्रेन युद्ध के जारी रहने, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी, अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा वर्ष 2023 में मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने से डॉलर की तुलना में रुपए की कीमत घटने की चिंता तथा चीन सहित दुनिया के कई देशों में कोहराम मचा रहे कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रान बीएफ.7 की वजह से वर्ष 2023 में महंगाई बढऩे की आशंका के बीच नए वर्ष 2023 की शुरुआत में छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर में वृद्धि छोटे निवेशकों के लिए राहतकारी है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि इस समय देश में वैश्विक चुनौतियों के बीच अर्थव्यवस्था की गतिशीलता व कारोबार से कर्ज की मांग तेजी से बढ़ रही है और बैंकों में कर्ज के मुकाबले जमा की धीमी रफ्तार है। रिजर्व बैंक के हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि बैंकों की ऋण वृद्धि दर जमा वृद्धि दर की तुलना में डेढ़ गुना से भी अधिक है। ऐसे में सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के तमाम बैंकों में बढ़ते हुए ऋणों की जरूरत के मद्देनजर

जमा धन राशि बढ़ाने हेतु सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरों में वृद्धि की होड़ लग गई है। ऐसे में छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर में वृद्धि न्यायसंगत दिखाई दे रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि छोटी बचत योजनाओं में निवेश करने वाले अधिकांश लोग छोटे करदाताओं व मध्यम वर्ग से संबंधित हैं। इस वर्ग को उम्मीद थी कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 के बजट से उपयुक्त राहत मिलेगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। उम्मीद की जा रही थी कि सरकार के द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में टैक्स का बोझ कम करने के लिए अभूतपूर्व प्रोत्साहन सुनिश्चित किए जाएंगे। अपेक्षा थी कि टैक्सपेयर्स को राहत देते हुए सरकार के द्वारा टैक्स में छूट की सीमा को दोगुना कर 5 लाख तक की जाएगी। वित्तमंत्री के द्वारा नौकरीपेशा वर्ग के लोगों को स्टैण्डर्ड डिडक्शन की सीमा बढ़ाकर विशेष राहत दी जाएगी। उम्मीद की जा रही थी कि मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत1.50 लाख रुपये की जो छूट मिलती है, उसे बढ़ाया जाएगा। इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 1.50 लाख की छूट पर्याप्त नहीं है। धारा 80सी के तहत कर छूट की सीमा तीन लाख रुपए किए जाने की उम्मीद की जा रही थी। देश में करीब 14 करोड़ वरिष्ठ नागरिक हैं। वित्तमंत्री के द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर की छूट सीमा बढ़ाकर, उन्हें राहत दिए जाने की अपेक्षा की जा रही थी। चूंकि चालू वित्त वर्ष के बजट में छोटे करदाताओं को कोई संतोषजनक राहत नहीं मिली है, ऐसे में बचत योजनाओं पर ब्याज दर बढ़ाए जाने से इस वर्ग को महंगाई से मुकाबले के लिए कुछ राहत अवश्य मिली है। वस्तुतः देश में बचत की प्रवृत्ति के लाभ न केवल कम आय वर्ग के परिवारों के लिए हैं, वरन पूरे समाज व अर्थव्यवस्था के लिए भी हैं। हमारे देश में बचत की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि हमारे यहां विकसित देशों की तरह सामाजिक सुरक्षा का उपयुक्त ताना-बाना नहीं है। अभी भी देश में बड़ी संख्या में लोगों को सामाजिक सुरक्षा (सोशल प्रोटेक्शन) की छतरी उपलब्ध नहीं है। यद्यपि देश के संगठित क्षेत्र के लिए ईपीएफ सामाजिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले करोड़ों लोगों के लिए विभिन्न बचत योजनाओं में ब्याज दर कम होने के कारण सामाजिक सुरक्षा एक बड़े प्रश्न के रूप में उभरकर दिखाई दे रही है। इतना ही नहीं बचत योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज दरों पर देश के उन तमाम छोटे निवेशकों का दूरगामी आर्थिक प्रबंधन निर्भर होता है जो अपनी छोटी बचतों के जरिये जिंदगी के कई महत्वपूर्ण कामों को निपटाने की व्यवस्था सोचे हुए है। मसलन बिटिया की शादी, सामाजिक रीति-रिवाजों की पूर्ति, बच्चों की पढ़ाई और सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन। छोटी बचत योजनाएं रिटायर हो चुके और डिपोजिट पर मिलने वाले ब्याज पर निर्भर बुजुर्ग पीढ़ी का सहारा बनती हैं। यद्यपि देश में छोटी बचत योजनाओं में ब्याज दर की कमाई का आकर्षण घटने से वर्ष 2012-13 के बाद सकल घरेलू बचत दर (ग्रास डोमेस्टिक सेविंग रेट) लगातार घटती गई है। लेकिन अभी भी छोटी बचत योजनाएं अपनी विशेषताओं के कारण बड़ी संख्या में निम्न और मध्यम वर्गीय परिवारों के विश्वास और निवेश का माध्यम बनी हुई हैं। गौरतलब है कि कोई 14 वर्ष पूर्व 2008 की वैश्विक मंदी का भारत पर कम असर होने का एक प्रमुख कारण भारतीयों की संतोषप्रद घरेलू बचत की स्थिति को माना गया था। फिर 2020 में महाआपदा कोविड-19 से जंग में भारत के लोगों की घरेलू बचत विश्वसनीय हथियार के रूप में दिखाई दी। नेशनल सेविंग्स इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के द्वारा भारत में निवेश की प्रवृत्ति से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां देश के लोगों के लिए छोटी बचत योजनाएं लाभप्रद हैं, वहीं इनका बड़ा निवेश अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। हम उम्मीद करें कि वित्त मंत्रालय के द्वारा तत्परतापूर्वक छोटी बचत की ब्याज दरों में बदलाव हेतु एक और उपयुक्त समीक्षा करके इस बार ब्याज दर बढऩे से वंचित रहे पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना की ब्याज दरों में उपयुक्त वृद्धि की जाएगी।

गौरतलब है कि अब जनवरी 2023 से एनएससी पर 7 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी जबकि वर्तमान में यह 6.8 फीसदी है। वष्ठिर नागरिक बचत योजना वर्तमान में 7.6 फीसदी के मुकाबले अब 8 फीसदी ब्याज देगी। 1 से 5 साल की अवधि की डाकघर सावधि जमा योजनाओं पर ब्याज दरों में 1.1 फीसदी तक की वृद्धि होगी। मासिक आय योजना में भी 6.7 फीसदी से बढक़र 7.1 फीसदी ब्याज मिलेगा। ज्ञातव्य है कि इससे पहले 9 सितम्बर को सरकार ने अक्टूबर से दिसंबर 2022 की तीसरी तिमाही में किसान विकास पत्र के ब्याज दर को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी किया था।उल्लेखनीय है कि पिछले करीब ढाई वर्षों में कोविड-19 की आर्थिक चुनौतियों से लेकर अब तक महंगाई की चुनौतियों के बीच देश में आम आदमी, नौकरीपेशा वर्ट और निम्न मध्यम वर्ट के सामने एक बड़ी चिंता उनकी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर कम रहने की बनी हुई थी।

फेसबुक साहित्यिक सृजन का नया वितान

ये अलग बात है कि साहित्यिक आयोजनों में कई शिष्ट, विशिष्ट व प्रतिष्ठित लेखक अपने अध्यक्षीय उद्बोधनों में फेसबुक को ठेसबुक कहते हुए सुने जा सकते हैं, परंतु गोष्ठियों की गर्मी उतरने के बाद उनमें से अधिकतर फेसबुक पर ही नगर आते हैं। ये तो पता नहीं कि वे कौनसी भड़ास फेसबुक पर उतारते हैं, परंतु ये असत्य नहीं कि फेसबुक या सोशल मीडिया ने लेखकों को नया वितान दिया है। यह ऐसा माध्यम है कि सभी को अपनी कलम की खलिश मिटाने को लालायित करता है। बताइए, इसमें बुरा क्या है? फेसबुक सबसे आग्रह करती है-राइट समथिंग हिअर अर्थात यहां कुछ लिखिए या वॉट इज इन यॉर माइंड अर्थात तुम्हारे मन में क्या है। सबको खुद में समाहित करने वाली फेसबुक को ठेसबुक कहने वाले प्रतिष्ठित रचनाकार क्यों ठेसित हैं, इसके कई कारण हो सकते हैं। विषयांतर न होकर इस बात पर फिर कभी बात करेंगे। बहरहाल सोशल मीडिया और साहित्य का आपस में जो रिश्ता बना है उस पर केंद्रित हो जाते हैं। मानव विकास के साथ लेखन ने भी कई मंजिलें तय की हैं। श्रुति और स्मृति के माध्यम से होते हुए पत्थरों, ताड़पत्रों और भोजपत्रों से होते हुए शब्द कागज पर उतरने लगे। पुस्तकें आयीं और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से लेखक पाठकों तक पहुंचने लगे। होते-होते ये हुआ कि आज लेखन डिजिटल युग में पहुंच गया। मतलब यह कि लेखन के माध्यम विकसित होते रहे। आखिर फेसबुक भी अभिव्यक्ति का एक माध्यम है, एक खुला आसमान है। वास्तव में यदि रचना में दम है, शब्दों में जान है, अभिव्यक्ति प्रभावी है, तो वो रचना फेसबुक पर भी श्रेष्ठ होगी, कागज पर भी श्रेष्ठ होगी और पुस्तक व पत्र-पत्रिकाओं में छपी हुई भी श्रेष्ठ होगी। लेखन की गुणवत्ता का मापक माध्यम नहीं हो सकता। गुलाब का फूल चंडीगढ के रोज़ गार्डन में भी उतना ही सुंदर लगेगा और वैसी ही खुशबू देगा जितना सुंदर वो किसी के आंगन की फुलवाड़ी में लगता है व जैसी खुशबू वो वहां देता है। गुलाब को और सुंदर होने व और खुशबूदार होने के लिए रोज़ गार्डन में जाकर खिलने की ज़रूरत नहीं। अर्थात लेखन का माध्यम बदलने से शब्द नहीं बदल जाते। लेखन के उत्कृष्ट व निकृष्ट होने में माध्यम का कोई योगदान नहीं। पिछले वर्ष फेसबुक पर नवीन चोरे नामक एक युवा कवि की मॉब लिंचिंग पर कही कविता फेसबुक पर इतनी पसंद की गयी कि उन्हें कई टीवी चैनलों पर साक्षात्कार व कविता वाचन के लिए बुला लिया गया और वे कवि के रूप में प्रसिद्ध हो गए। एक नए लेखक के लिए तो सोशल मीडिया एक खुला मंच मिला है। उसके लिए सबसे बड़ी समस्या होती है अपनी रचना को छपवाना। प्रकाशक को पैसे चाहिए, अखबारों में स्पेस नहीं, पत्रिकाओं के अपने कायदे व पूर्वाग्रह हैं। वहां पहले से ही भीड़ लगी है। स्पेस की कमी के चलते लेखक की रचनाएं बेहतर होते हुए भी छपने से रह जाती हैं। वह सोशल मीडिया की ओर आता है और बिना किसी लाग-लपेट के लिख डालता है। तुरंत प्रतिक्रियाएं आनी शुरु हो जाती हैं और उसे तसल्ली हो जाती है कि उसकी रचना पढ़ी, सुनी व समझी जा रही है। गांव के किसी कोने, किसी खेत या छत पर बैठा कोई आदमी भी कविता या कहानी लिखना चाहता है। सोशल मीडिया उसके लिए सबसे उत्तम जगह है। जैसे ही भावनाओं का सैलाब उसके मन में उठता है, वह उसे अपनी वॉल पर उंडेल देता है। गांव में बैठा वह व्यक्ति हर रोज़ शहर के बुक कैफे या कवि गोष्ठियों में तो नहीं जा सकता। अतः सोशल मीडिया पर लेखकों का अंबार लगा है। अब उसे अपनी रचनाएं छपवाने की चिंता नहीं क्योंकि उसे फेसबुक पर जगह मिल गई है। संभव है कि सोशल मीडिया पर जो कुछ लिखा जा रहा है, वह किसी मंझे हुए लेखक की दृष्टि में स्तरहीन हो, परंतु स्तरहीनता तो औपचारिक मीडिया पर भी है। यदि पाठक को किसी का लिखा पसंद आ रहा है तो गिला क्यों? अंततः लेखन तो पाठकों के लिए जाता है। जिसकी कलम में ताकत होगी, वो कलम चलती रहेगी। चाहे फेसबुक हो या छपी हुई बुक हो। फेसबुक पर लिखा जा रहा सब साहित्य कूड़ा नहीं है, ठीक वैसे ही जैसे पत्र-पत्रिकाओं में छपी हुई हर रचना उत्कृष्ट नहीं है। लेखन का मयार किसी की लेखकीय सामथ्र्य व चेतना के अनुसार कम-ज़्यादा हो सकता है। माध्यम चाहे फेसबुक ही क्यों न हो, प्रतिष्ठित रचनाकार को अपनी टिप्पणियों से नए लेखकों का मार्गदर्शन करना चाहिए। इंटरनैट का सबसे बड़ा फायदा है कि यह हमें संसार के साहित्य से मॉउस बटन के एक क्लिक पर रूबरू करवा देता है। हमें पैसा खर्च कर चंडीगढ़, नई सडक़ या दरियागंज दिल्ली जाकर दुकानें छानने की आवश्यकता नहीं। वैसे भी व्यक्ति कितनी किताबें खरीद सकता है। इधर वह अपनी रुचि की पुस्तकें, ई-बुक्स ऑनलाइन पढ़ रहा है। उसे अपने साथ पुस्तकें उठाने की ज़रूरत नहीं क्योंकि वह पांच इंच के स्मार्ट फोन पर पुस्तकों की पूरी दुनिया ले कर चल रहा है। काव्य, कहानी, नाटक, निबंध सब उसकी पहुंच में हैं। साहित्य का मतलब कोरे कोरे कागजों को काले काले अक्षरों से स्याह करना नहीं, बल्कि अधिकाधिक जन-मन तक इसका संप्रेषण भी अभीष्ट उद्देश्य है। जहां साहित्य कल्पना व मानव संवेदनाओं का शब्द रूप होता है, वहीं यह समाज को परिमार्जित और परिष्कृत करने का प्रयास भी करता है। अन्यथा साहित्य चंद आयोजनों में की जा रही गोष्ठियों, कुछ विशिष्ट व प्रतिष्ठित साहित्यकारों द्वारा चाय की मेज़ पर हो रही चर्चाओं या किसी बुक कैफे में की जाने वाली तनकीदों व टिप्पणियों तक ही सीमित रह जाता है। सम्प्रेषण का ये कार्य फेसबुक या सोशल मीडिया बखूबी कर रहा है। हो सकता है सोशल मीडिया पर लेखन की चोरी चकारी काफी है, परंतु चोर तो किताबों, अखबारों व रसालों से भी चुरा रहे हैं। वास्तव में फेसबुक को ठेसबुक नहीं बल्कि स्पेसबुक कहा जाना चाहिए। निस्संदेह फेसबुक एक सशक्त माध्यम है। माना सोशल मीडिया की कुछ कमियां हैं, परंतु यह धारणा बना लेना कि फेसबुक पर जो साहित्यिक सृजन हो रहा है वो स्तरहीन है, न्यायसंगत व तर्कसंगत नहीं। गलत नहीं है कि सोशल मीडिया ने साहित्य को नया वितान दिया है।

सबको खुद में समाहित करने वाली फेसबुक को ठेसबुक कहने वाले प्रतिष्ठित रचनाकार क्यों ठेसित हैं, इसके कई कारण हो सकते हैं। विषयांतर न होकर इस बात पर फिर कभी बात करेंगे। बहरहाल सोशल मीडिया और साहित्य का आपस में जो रिश्ता बना है उस पर केंद्रित हो जाते हैं।मानव विकास के साथ लेखन ने भी कई मंजिलें तय की हैं। श्रुति और स्मृति के माध्यम से होते हुए पत्थरों, ताड़पत्रों और भोजपत्रों से होते हुए शब्द कागज पर उतरने लगे। पुस्तकें आयीं और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से लेखक पाठकों तक पहुंचने लगे। होते-होते ये हुआ कि आज लेखन डिजिटल युग में पहुंच गया।मतलब यह कि लेखन के माध्यम विकसित होते रहे। आखिर फेसबुक भी अभिव्यक्ति का एक माध्यम है, एक खुला आसमान है। वास्तव में यदि रचना में दम है, शब्दों में जान है, अभिव्यक्ति प्रभावी है, तो वो रचना फेसबुक पर भी श्रेष्ठ होगी, कागज पर भी श्रेष्ठ होगी और पुस्तक व पत्र-पत्रिकाओं में छपी हुई भी श्रेष्ठ होगी। लेखन की गुणवत्ता का मापक माध्यम नहीं हो सकता।

देश दुनीया से

चीन से सावधानी की जरूरत

चीन ने भी एक प्रकार से वैश्विक साहूकारी शुरू कर दी तथा श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और दुनिया के अनेक देशों को आर्थिक सैन्य व कूटनीतिक मदद और कर्ज देकर अपने प्रभाव में लिया। नेपाल में ओली के समर्थन से प्रचंड के प्रधानमंत्री बनने के पीछे स्पष्ट रूप से चीन की भूमिका है, जबकि ओली और प्रचंड एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़े थे। भारत-चीन की सीमा पर पिछले कुछ समय से तनाव बढ़ रहा है और खासौतर पर तवांग की घटना के बाद कुछ ज्यादा ही। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय सेना के जवानों ने तवांग में चीनी घुसपैठ के प्रवास को साहसपूर्वक न केवल विफल कर दिया, बल्कि अपने शक्ति शौर्य का जबरदस्त प्रदर्शन भी किया। इससे भारतीय सेना का आम जन में गौरव बढ़ा है और देशवासियों में आत्मविश्वास का संचार भी हुआ है। फिर भी अभी राष्ट्र की सुरक्षा की दृष्टिकोण से कुछ चिंताएं आमजन के मस्तिष्क में हैं। खबरें आऱ्इं कि चीनी सैनिक निरंतर घुसपैठ करने के प्रयास में लगे हुए है। पिछले वर्ष भारत की सीमा में जो सैनिक घुस आए थे और जिन्होंने लगभग दो से ढाई सौ वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया था, वहां से चीनी सैनिकों को भारत अभी तक हटा नहीं सका है। चीनी और भारतीय सैनिक अधिकारियों के बीच निरंतर बैठकें हुई हैं, उनमें यह समझौता भी हुआ कि भविष्य में चीनी और भारतीय सैनिकों के बीच अपनी-अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर अगर कोई मतभेद या विवाद होता है तो किसी भी पक्ष से आग्नेयास्त्रों का प्रयोग नहीं किया जाएगा। यानी केवल शारीरिक बल से एक दूसरे को रोकने का प्रयास किया जाएगा। यह समझौता युद्ध रोकने के दृष्टिकोण से तो उपयोगी हो सकता है, पर भारतीय सीमाओं के या पुरानी कब्जाई हुई जमीन वापस लेने के दृष्टिकोण से उपयोगी नहीं है। वर्ष 1962 में चीन ने भारत पर हमला किया था और भारत की हजारों किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया था जो कि अभी भी चीन के कब्जे में है और वह जमीन वापस नहीं ली जा सकी। लगभग तेईस वर्षों तक चीन और भारत के बीच रिश्ते कूटनीतिक सहित टूटे रहे। हालांकि चीन व भारत ने अपने-अपने दूतावास बंद नहीं किए थे। पर संबंधों में एक तीखा अवरोध पैदा हो गया था। यह सत्य है कि वर्ष 1978 में लगभग सोलह वर्षों के बाद पहली बार भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी चीन गए थे। हालांकि तब भी चीन ने भारत सरकार को अपने मंसूबे स्पष्ट कर दिए थे। तब चीन ने वियतनाम पर हमला बोल दिया, जिसकी प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत तीखी हुई। उसके आठ वर्ष बाद 1985-86 में चीन की यात्रा करने वाले प्रथम भारतीय प्रधानमंत्री दिवंगत राजीव गांधी थे। संभव है कि अमेरिका की चीन के प्रति बदलती हुई नीति ने इन दौरों को प्रोत्साहित किया हो! दरअसल, अमेरिका अपनी विदेश नीति को दशकों पूर्व तय करता है और उस दिशा में दुनिया का दिमाग बनाता है। सन 1991 में दिवंगत नरसिम्हा राव के प्रधानमंत्री बनने के बाद और अंतरराष्ट्रीय पूंजीवाद के दस्तावेज विश्व व्यापार संगठन के समझौते के बाद भारत ने अपनी विदेश नीति को लगभग उल्टा खड़ा कर दिया। भारत ने 1991 के बाद 'लुक टू द ईस्ट' विदेश नीति का निर्धारण किया और पश्चिम के बदले मुख्य रूप से चीन, वर्मा, बांग्लादेश, नेपाल और आदि को विदेश नीति का लक्ष्य बनाया। भारत की विदेश नीति का यह परिवर्तन भी एक प्रकार से अमेरिका से प्रभावित था। अमेरिका ने चीन के साथ टूटे हुए व्यापार के बंधनों को फिर शुरू किया और चीन को अपना बाजार खोला। उधर चीन ने अपना बाजार अमेरिका को खोला। वैश्विक स्तर पर एक नया जुमला शुरू हुआ कि अंतरराष्ट्रीय रिश्ते और विदेश नीति के लिए व्यापार ही मजबूत रास्ता बना सकता है। इसका एक परिणाम यह हुआ कि दुनिया के बाजारों पर चीन ने अपने सस्ते सामान को फैला दिया। चूंकि चीन में एक अर्थ में निरंकुश या तानाशाही शासन है, इसके कारण श्रम की लागत सस्ती रहती है। इसलिए चीन सस्ता सामान बनाने में सफल हुआ और उसके सस्ते सामान ने न केवल अमेरिका के, बल्कि दुनिया के बड़े भू-भाग पर कब्जा जमा लिया।

सूडान में हिंसक समूहों से निपटेंगी भारतीय महिला सैनिक, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत हुई है तैनाती

अबयेई।

केवल महिला सैनिकों से बना भारत का सबसे बड़ा सैन्य दस्ता संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत सूडान के हिंसाग्रस्त नगर अबयेई में तैनात किया गया है। दुनिया के बेहद अशांत क्षेत्र में यह तैनाती हुई है। हिंसक समूहों के 200 लोगों ने चार जनवरी को ही एक गांव में हमला कर 13 लोगों की हत्या कर दी थी। यूएन में भारत के स्थायी मिशन के अनुसार भारतीय दस्ता शनिवार को अबयेई पहुंचा।

इनमें दो सैन्य अधिकारी और अन्य रैंक की 25 सैनिक शामिल हैं। भारतीय सेना ने बताया कि यूएन के अंतरिम सुरक्षा दल के तहत यह सैनिक कड़ी चुनौती भरे हालात में सुरक्षा संभालेंगी। खासतौर पर उन लोगों के बीच जा कर काम करेंगी जो बीते काफी समय से हिंसा से गुजर रहे हैं। इन हिंसा पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे ज्यादा हैं। तैनाती के लिए छह जनवरी को इन सैनिकों के भारत से प्रस्थान पर गर्व जताते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि नारी शक्ति के यूएन शांति मिशन में शामिल होने पर बेहद खुशी हो रही है।

कड़ी चुनौती से भरा मिशन – यह मिशन बेहद चुनौतीपूर्ण है। अबयेई में आधुनिक हथियारों से लगातार हमले हो रहे हैं। स्थानीय समुदायों में दुश्मनी से कई कट्टरपंथी गुट बन गए हैं, जो हमले कर रहे हैं। वहीं, यूएन मिशन में शामिल भारतीय महिला सैनिकों को पूरी दुनिया में बेहद सम्मान मिलता है। उन्हें युद्धग्रस्त क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों और यौन हिंसा पीड़ितों से आसानी से जुड़ने व मदद पहुंचाने वाला माना जाता है।

लाइबेरिया में भी किया था महिलाओं को प्रेरित – साल 2007 में पहली बार भारत ने केवल महिला सैनिकों का सैन्य दस्ता पश्चिमी अफ्रीकी देश लाइबेरिया में तैनात किया था। यूएन में भारतीय स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने हाल में बताया था कि भारतीय महिला सैनिकों और उनके काम से लाइबेरिया की महिलाओं की एक पूरी पीढ़ी का उत्साह बढ़ा। अब स्थानीय महिलाओं ने भी अपने देश की सुरक्षा में योगदान देना शुरू कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

विमान हादसे से पहले एयर होस्टेस का टिकटॉक वायरल, यूजर्स बोले- जहां भी रहो, ऐसे ही रहो

काठमांडु । नेपाल के पोखरा में हुए विमान हादसे में 68 लोगों की मौत हुई है। दुनियाभर में इस विमान हादसे की चर्चा है। अब काठमांडु से पोखरा जा रहे इस विमान की एयर होस्टेस ओसिन आले का एक टिकटॉक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो ओसिन आले ने उड़ान से पहले विमान के अंदर बनाया था और उसे सोशल मीडिया पर शेयर किया था। यह वीडियो ओसिन आले की जिंदगी का आखिरी वीडियो साबित हुआ। अब यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि एयर होस्टेस ओसिन आले पहला नशा, पहला खुमार गाने पर एक्सप्रेशन देती नजर आ रही हैं। वीडियो में ओसिन हंसते हुए नजर आ रही हैं। ओसिन का यह वीडियो कुछ यूजर्स को उदास कर रहा है। एक यूजर ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है कि जहां भी रहो, ऐसे ही रहो! उल्लेखनीय है कि येति एयरलाइंस की इस फ्लाइट में केबिन क्रू के सदस्यों समेत कुल 72 यात्री सवार थे। इनमें से 15 विदेशी नागरिक थे, जिनमें पांच भारतीय, चार रूसी, दो कोरियाई और एक-एक ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, आयरलैंड और फ्रांस के नागरिक भी सवार थे। विमान में सवार पांचों भारतीय उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के निवासी थे और नेपाल में भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करने गए हुए थे। पशुपतिनाथ मंदिर में दर्शन के बाद पांचों भारतीय पैराग्लाइडिंग के लिए पोखरा आ रहे थे। इसी दौरान पोखरा हवाई अड्डे पर उतरने से कुछ ही देर पहले विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। भारतीय यात्री भी विमान के अंदर से फेसबुक लाइव कर रहे थे और इसी फेसबुक लाइव के दौरान विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में एक भी यात्री जीवित नहीं बचा है। 68 लोगों के शव मिल चुके हैं। 4 शवों की अभी भी तलाश की जा रही है।

भूकंप के झटके से कांपा इंडोनेशिया, रिक्टर पैमाने पर 6.1 मापी गई तीव्रता

उत्तरी सुमात्रा । इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा में सोमवार तड़के भारतीय समयानुसार 3.59 बजे

भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने भूकंप की पुष्टि की है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 मापी गई है। इससे पहले इंडोनेशिया में 10 जनवरी (मंगलवार) को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 7.7 दर्ज की गई थी। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर ने ट्विटर पर एक पोस्ट में कहा था कि इंडोनेशिया के तनिंबर क्षेत्र में मंगलवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया। ईएमएससी के अनुसार, भूकंप पृथ्वी की सतह से 97 किलोमीटर (60.27 मील) गहराई में था। ईएमएससी के अनुसार, भूकंप इंडोनेशिया में तुआल क्षेत्र से 342 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में 02 : 47 : 35 (स्थानीय समय) पर आया। ईएमएससी ने कहा कि भूकंप के झटके 2000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तक महसूस किए गए। भूकंप के झटके ऑस्ट्रेलिया, तिमोर लेस्ते और इंडोनेशिया में लगभग 1.4 करोड़ लोगों ने महसूस किए। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर ने ट्वीट कर कहा कि भूकंप की पुष्टि भूकंपीय डाटा द्वारा की गई।

पीआईपीएस की रिपोर्ट- पाकिस्तान में पिछले साल आतंकी हमलों में 419 लोगों की मौत

इस्लामाबाद । किस्तान में 2022 में हुए आतंकवादी हमलों में 419 लोग मारे गए। इस्लामाबाद स्थित थिंक-टैंक पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज (पीआईपीएस) ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पीआईपीएस ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा, विभिन्न राष्ट्रवादी विद्रोही, उग्रवादी और हिंसक सांप्रदायिक समूहों ने पाकिस्तान में पिछले साल 262 आतंकवादी हमलों को अंजाम दिया, जिसमें 14 आत्मघाती बम विस्फोट शामिल हैं। 2021 की तुलना में आत्मघाती बम विस्फोट 2022 में 27 प्रतिशत अधिक हुए है। रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकवादी हमलों में 419 लोगों की जान गई, 2021 में हुए हमलों में मारे गए लोगों की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 734 लोग घायल हुए। वहीं, आतंकवादी हमलों में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अन्य 234 कर्मी भी घायल हुए।

अमेरिका में बाढ़ से ऐसी तबाही

लगानी पड़ी इमरजेंसी : 19 की मौत, 2 लाख करोड़ का नुकसान

वॉशिंगटन।

अमेरिका का कैलिफोर्निया राज्य एक खतरनाक तूफान की चपेट में है। दो हफ्तों से जारी इस तूफान की चपेट में आने से अब तक 19 लोगों की जान जा चुकी है। कैलिफोर्निया के हालात कितने गंभीर हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रविवार को राष्ट्रपति बाइडेन ने वहां इमरजेंसी घोषित कर दी है। अमेरिका की नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, सोमवार को भी तेज बारिश की आशंका जताई गई है। इससे कैलिफोर्निया की परेशानी और भी ज्यादा बढ़ेगी। इस भयावह तूफान के पीछे एटमोस्फियरिक रिवर को जिम्मेदार बताया जा रहा है। पिछले दो हफ्तों में 8 एटमोस्फियरिक रिवर से कैलिफोर्निया का सामना हो चुका है। सेंटर फॉर वेस्टर्न वेदर एंड वॉटर एक्सट्रीम के मुताबिक, कैलिफोर्निया में जितनी एटमोस्फियरिक रिवर पूरे साल में बनती हैं वो कुछ हफ्तों में ही बन गई। ये कहीं बारिश के रूप में बरस रही हैं तो कहीं बर्फीला तूफान ला रही हैं। अभी दो और एटमोस्फियरिक रिवर के कैलिफोर्निया में आने की आशंकाएं जाहिर की जा रही हैं। इमरजेंसी ऑफिशियल्स के मुताबिक, राज्य से 75 हजार लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचने की चेतावनी जारी की गई है। 20 हजार से ज्यादा लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। कैलिफोर्निया में कई हाईवे, सड़क और पुल पानी में बहकर तबाह हो गए हैं। कई मकान या तो क्षतिग्रस्त हो गए हैं या ढह गए हैं। कैलिफोर्निया में भारी बारिश, तूफान और बाढ़ की वजह से अब तक 2 लाख करोड़ रुपए (30 बिलियन डॉलर) का नुकसान होने की आशंका जताई गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक तूफान की वजह से कैलिफोर्निया में कई बिजनेस ठप हो गए हैं। नुकसान का यह आंकड़ा अनुमानित है। स्थिति सामान्य होने के बाद वास्तविक नुकसान का आकलन किया जाएगा।

सेक्रोमेंटो शहर, जिसे अमेरिका में पेड़ों का शहर भी कहा जाता है, वहां पिछले 6 दिन में लगभग 1000 पेड़ गिर चुके हैं। यूएस फोरेस्ट सर्विस के मुताबिक तूफान में गिरे कुछ पेड़ तो 80 से 100 साल पुराने थे। कैलिफोर्निया का उत्तरी इलाका सबसे पहले तूफान की चपेट में आया

था। यहां लैंडस्लाइड, बाढ़ के पानी और गिर हुए पेड़ों से सभी रास्ते जाम हो चुके हैं। सैन लूईस ओबिस्पो काउंटी में खराब हालातों के चलते प्रशासन ने अपनी मां की गोद से बहे 5 साल के बच्चे की तलाश भी बंद कर दी।

कैलिफोर्निया में तूफान की शुरूआत क्रिसमस के बाद यानी 26 दिसंबर से हुई। 30 दिसंबर तक कैलिफोर्निया में तूफान से होने वाली बारिश 4 इंच से 6 इंच के बीच रही। जबकि 30 दिसंबर के बाद तूफान ने तेजी से तबाही मचाना शुरू कर दिया। 13 जनवरी तक बारिश ने तेजी पकड़ी और एक दिन में होने वाली औसतन बारिश 6 इंच से बढ़कर 10 इंच हो गई। सैंटा बारबरा में तो जनवरी में एक दिन में 20 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई थी।

कैलिफोर्निया के कई इलाकों में हवाएं 50 मील प्रति घंटा से भी तेज रफ्तार पर चलीं। 8 जनवरी को सैंट्रल वेली और सैनफ्रांसिस्को में हवाएं 39 मील प्रति घंटा की रफ्तार पर चली थी। इस हफ्ते तूफान की रफ्तार कम होने की उम्मीदें की जा रही हैं। वहीं कुछ वेदर रिपोर्ट्स के मुताबिक 9वीं एटमास्फियरिक रिवर कैलिफोर्नियो को अपनी चपेट में ले सकती है।

कैलिफोर्निया में आया तूफान इतिहास के बड़े तूफानों में से एक है कैलिफोर्निया के गर्वनर ऑफिस में इमरजेंसी सर्विसेज की डायरेक्टर ने कहा कि ये तूफान राज्य के इतिहास के बड़े तूफानों में से एक है। कैलिफोर्निया की इस बाढ़ ने लोगों को 1861 की बाढ़ की याद दिला दी। उस समय भी क्रिसमस के दौरान ही बाढ़ ने तबाही मचाना शुरू किया था। स्जिओलोजिकल सर्वे के एक रिसर्चर माइकल डी डेटिंगर की रिपोर्ट के मुताबिक 1861 की बाढ़ 43 दिनों तक जारी रही थी। उस समय भी कैलिफोर्निया में एटमोस्फियरिक रिवर की वजह से ऐसे हालात बने थे।

आमतौर पर एटमोस्फियरिक रिवर ट्रॉपिकल रीजन में बनती हैं। वहां के गर्म तापमान के कारण समुद्र का पानी भाप में बदलकर वायुमंडल में जमा हो जाता है। तेज हवाएं जलवाष्प को वायुमंडल की ऊपरी सतह की ओर ले जाती हैं। इस दौरान जल वाष्प किसी नदी की तरह धरती के ऊपर एक जगह से दूसरी जगह तेज हवाओं के साथ चलती हैं। दुनिया की सबसे बड़ी और खतरनाक एटमोस्फियरिक रिवर का नाम है। इसका सबसे ज्यादा असर अमेरिका के पश्चिमी हिस्से और कनाडा में देखने को मिलता है। कैलिफोर्निया की कई जगहों पर एक दिन में 5 इंच तक बारिश हो रही है।

गोपनीय दस्तावेज की जांच के लिए विशेष वकील की नियुक्ति पर स्पीकर मैक्कार्थी बोले- यह डेमोक्रेट्स का पाखंड

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के घर से गोपनीय दस्तावेज मिलने पर अमेरिका की राजनीति में खासा उबाल देखने को मिल रहा है। लगभग दो दर्जन से अधिक गोपनीय दस्तावेज उनके डेलावेयर में बाइडन के आवास और वाशिंगटन डीसी में उनके निजी कार्यालय में मिले। वहीं इस मामले की जांच के लिए न्याय विभाग ने एक विशेष वकील नियुक्त किया था, जिसको लेकर अब प्रतिनिधि सभा के नवनियुक्त अध्यक्ष केविन मैक्कार्थी ने तंज कसते हुए इसे पाखंड करार दिया है।हाउस स्पीकर के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद से मैक्कार्थी ने अपने पहले साक्षात्कार में कहा कि गोपनीय दस्तावेजों की जांच के लिए विशेष वकील की नियुक्ति सत्तारूढ़ डेमोक्रेट्स के पाखंड को दर्शाती है और यही कारण है कि अमेरिकी जनता उनकी सरकार पर भरोसा नहीं करती है। राष्ट्रपति बाइडन और उनके वकीलों को डेलावेयर निवास और यहां वाशिंगटन डीसी में एक कार्यालय में गोपनीय दस्तावेज मिलने के बाद न्याय विभाग की जांच का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार को अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने न्याय विभाग के पूर्व अधिकारी रॉबर्ट हूर को जांच का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया। एक साक्षात्कार में बताया कि न्याय विभाग के सभी पहलुओं की देखरेख करने के लिए कांग्रेस का एक स्वतंत्र संवैधानिक दायित्व है और इसमें विशेष परामर्शदाता भी शामिल हैं और इसलिए, यहां क्या चल रहा है, इसकी देखरेख में हमारी भूमिका होगी। रिपब्लिकन मैक्कार्थी को सात जनवरी को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के नए स्पीकर के रूप में चुना गया था। वाशिंगटन डीसी में बाइडन के निजी कार्यालय से बरामद ये दस्तावेज उस समय के हैं जब वह 2009 से 2016 तक उपराष्ट्रपति थे। उन्होंने कहा कि हूर उन मामलों की जांच करेंगे जो अमेरिकी अटॉर्नी जॉन आर लॉश जूनियर द्वारा प्रारंभिक जांच के विषय थे, जो पेन बाइडन सेंटर फॉर डिप्लोमेसी एंड ग्लोबल एंगेजमेंट और विलमिंगटन, डेलावेयर, राष्ट्रपति जोसेफ आर बाइडन जूनियर के निजी निवास में पाए गए गुप्त दस्तावेजों या अन्य रिकॉर्डों को संभावित अनधिकृत रूप से हटाने और बनाए रखने से संबंधित थे। गारलैंड ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि लॉश की प्रारंभिक जांच के आधार पर मैंने निष्कर्ष निकाला कि विशेष वकील नियमों के तहत एक विशेष वकील नियुक्त करना।

कार दुर्घटना में 17 साल के नाबालिग युवक की मौत, बारिश में तेज गति बनी जानलेवा

टोरोंटो ।

कनाडा में एक 17 साल के नाबालिग सिख युवक की कार दुर्घटना में मौत की खबर है। घटना कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत की है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नाबालिग की कार अनियंत्रित होकर एक खंभे से जा टकराई, जो कि नाबालिग युवक की मौत का कारण बना। मृतक की पहचान तारेन लाल के रूप में हुई है। तारेन कार में सवार होकर अपने घर जा रहा था। इसी दौरान ब्रिटिश कोलंबिया के लैंगले में फ्रेजर हाइवे पर उसकी कार दुर्घटना का शिकार हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना 7 जनवरी की है। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त कार की स्पीड इतनी तेज थी कि वह हाइवे के किनारे की फेंसिंग को तोड़ते हुए एक खंभे से जा टकराई। कार की टक्कर से एक पेड़ भी टूटकर गिर गया। मृतक की मां सरबजीत लाल का कहना है कि हादसे से कुछ देर पहले ही उनकी अपने बेटे से बात हुई थी। महिला ने बताया कि उन्होंने बात करने के बाद फोन रखा और नहाने चली गईं थी, जब वह वापस आईं तो उनके पति का फोन आया और वह कार के बारे में पूछ रहे थे।

जिस वक्त तारेन की कार दुर्घटनाग्रस्त हुई, उस वक्त भारी बारिश हो रही थी। ऐसे में माना जा रहा है कि बारिश के चलते सड़क पर हुई फिसलन ही कार हादसे की वजह बनी। मृतक के परिजनों ने बताया कि तारेन पढ़ाई-लिखाई में बहुत अच्छा था। वह सरे के तामनाविस सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई करता था और खेलकूद में भी खासा सक्रिय रहता था।

उल्लेखनीय है कि कनाडा में भारतीय मूल के लोगों के साथ सड़क हादसे की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले हाल ही में एक कार दुर्घटना में 4 पंजाबी युवकों की मौत हो गई थी। बीते महीने भी कनाडा में एक सिख युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। मृतक की पहचान मनप्रीत के रूप में हुई थी जो फैक्ट्री से काम के बाद सुबह अपने घर पैदल लौट रहा था। इसी दौरान एक ट्रक की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई थी।

पुतिन की सेना ने दी विद्रोह की धमकी, कहा- बिना व्यवस्था के माइनस 25 डिग्री सेल्सियस में लड़ना असंभव

मॉस्को ।

यूक्रेन से युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए मुश्किलें खड़ी होती नजर आ रही हैं। बताया जा रहा है कि रूसी सेना ने पुतिन को विद्रोह की धमकी दे दी है। दरअसल, रूसी सैनिकों ने व्लादिमीर पुतिन के नाम एक वीडियो जारी कर कहा कि हम दुश्मन से लड़ने से पहले खतरनाक ठंड का जोखिम उठा रहे हैं। पुतिन के सैनिकों ने कहा है पर्याप्त राशन और हथियार के बिना माइनस 25 डिग्री सेल्सियस में लड़ना असंभव है। हमलोग लड़ाई से पहले ही बर्फ में जम जाएंगे।

रूसी सैनिकों ने बयां किया अपना दर्द

वहीं पश्चिमी अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि रूस सैन्य उपकरणों और राशन की कमी से जूझ रहा है, जिससे सैनिकों का मनोबल और प्रभावी ढंग से आगे बढ़ने की क्षमता प्रभावित हो रही है। खराब जीवन स्तर

के खिलाफ खड़े होकर, सैनिकों ने पुतिन से व्यक्तिगत रूप से उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों को संबोधित करने की मांग की। वीडियो में दिख रहे दो दर्जन से अधिक सैनिकों की ओर से बोलते हुए एक रूसी सैनिक ने कहा कि यह अब माइनस 25 डिग्री है। हमें यहां बर्फ में रहना है। इसलिए राशन और हथियार की पूरी व्यवस्था की जाए। रूसी सैनिकों ने नेतृत्व पर भी सवाल उठाया। सैनिकों ने कहा कि हमारा नेतृत्व हमें धमकाते रहता है। ऐसे माहौल में काम करना मुश्किल होगा। स्थिति को सुधारने की जरूरत है।

कमांडर के रवैया से परेशान रूसी सैनिक

रूसी सैनिकों ने कहा है कि हमारा कमांडर हमारी मजबूरी समझने के लिए तैयार नहीं है। जब हम कहते हैं कि और अधिक राशन और हथियार उपलब्ध कराएं तब वह हाथ खड़ा कर देते हैं और कहते हैं इसी से काम चलाना पड़ेगा। दुश्मन से लड़ने से पहले ही हमारी कंपनी यहीं खत्म हो जाएगी।

अब हम वरिष्ठों के आदेशों की अनदेखी करने पर मजबूर होंगे: रूसी सैनिक

पुनः प्रवर्तन की विनती करते हुए, एक सैनिक ने कहा कि हमारी साथ सैनिक अब अपने वरिष्ठों के आदेशों की अनदेखी करने पर मजबूर होंगे। उन्होंने कहा कि आवश्यक संसाधन होने के बाद ही सैनिक अग्रिम पंक्ति में लौटेंगे। उन्होंने कहा कि बाहर का तापमान माइनस 20 डिग्री सेल्सियस से माइनस 25 डिग्री सेल्सियस है। इसलिए सभी उम्मीदें आप पर हैं बहनों और भाइयों इस जानकारी को अधिक से अधिक फैलाएं। मारे पास बहुत कम समय है। हमारी एकमात्र आशा आप हैं।

आईएमएफ ने रोका पाकिस्तान का कर्ज

फ्यूल प्राइस बढ़ाने की शर्त नहीं मानी, आर्थिक संकट से निकलने के लिए मदद को मोहताज

इस्लामाबाद।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान की जनता खाने के सामान की किल्लत के साथ महंगाई का सामना कर रही है। कहीं से भी उसे जरूरी मदद नहीं मिल पा रही है। विदेशी मुद्रा भंडार 4.3 अरब डॉलर रह गया है जिससे सिर्फ तीन हफ्ते का आयात ही किया जा सकता है।

विदेशी मुद्रा संकट के कारण आटा जैसी जरूरी सामग्री का आयात नहीं हो पा रहा है। बंदरगाहों पर खाद्य सामग्री और दवाएं अटकी हुई हैं।

पाकिस्तान में पेट्रोल के दाम बढ़वाना चाहता है आईएमएफ

पाक सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से 6 अरब डॉलर की मदद मांगी थी लेकिन उसने पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ाने की शर्तें रखी हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनिया भर में एनर्जी कीमतों में वृद्धि के बीच पाकिस्तान में पिछली इमरान सरकार ने एनर्जी कीमतों में सब्सिडी का ऐलान कर दिया था। अब इस साल चुनाव को देखते हुए शहबाज शरीफ सरकार कीमतें बढ़ाने जैसा कोई अलोकप्रिय कदम उठाने में हिचक रही है।

किल्लतः आटा सहित जरूरी सामान की कमी, इससे महंगाई बढ़ी

सोयाबीन का शिपमेंट ढाई महीने से रुका है। बैंको के क्रेडिट देने में रोड़े

अटकाने से आयातित सामग्री बंदरगाहों पर अटक गई। प्याज के कंटेनर बंदरगाहों पर रुकने से दाम बेतहाशा बढ़ गए। सोयाबीन का शिपमेंट ढाई महीने से रुका है जिससे 45प्रतिशत दाम बढ़ गए हैं। दवाओं की कच्ची सामग्री का आयात न होने के कारण स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने जीवनरक्षक दवाओं की किल्लत की चेतावनी दी है।

पाक पर जीडीपी का 84प्रतिशत हुआ कर्ज

पाकिस्तान के ऊपर आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक, चीन और अन्य देशों से मिला कर्ज उसकी कुल जीडीपी का 84 फीसदी तक पहुंच चुका है। डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रु. की कीमत में गिरावट आई है। वर्तमान में 1 अमेरिकी डॉलर खरीदने के लिए पाकितान को 224 रु. खर्च करने पड़ रहे हैं। भ्रष्टाचार, राजनीतिक अस्थिरता ने हालत बदतर कर दी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान पर अगस्त, 2022 तक कुल कर्ज और देनदारी 59.7 लाख करोड़ रु. थी। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.9 लाख करोड़ रु. यानी 25 प्रतिशत अधिक है।

मांग न होने से प्लांट बंद

टोयोटा, सुजुकी ने कार प्लांट बंद कर दिए हैं। प्रमुख उद्योग टेक्सटाइल के भी कई प्लांट बंद हैं। मंजूरी में देरी से टोयोटा निर्माता कंपनी ने 30 दिसंबर से उत्पादन रोक दिया है। मांग न होने से कार, ट्रैक्टर और फाइबर का उत्पादन बंद है या कटौती की गई है। खाद्य तेल आयातकों के लिए क्रेडिट को मंजूरी नहीं मिल रही है।

बजट सत्र से पहले नौकरशाही में बड़ा फेरबदल

राजस्थान में चालीस आरएएस अधिकारियों का तबादला

जयपुर (हि.स.)। राजस्थान में 23 जनवरी से शुरू हुए राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र से पहले गहलोत सरकार ने एक बार फिर नौकरशाही में बड़ा फेरबदल किया है। राज्य सरकार ने 40 आरएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने तबादला सूची जारी की है। तबादला सूची को लेकर पिछले कई दिनों से मंथन चल रहा था। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद आरएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी की गई है। हालांकि, यह तबादला सूची पहले दिसंबर के आखिरी सप्ताह में जारी होनी थी लेकिन किन्ही वजह के चलते तबादला सूची को जारी नहीं किया गया था। कार्मिक विभाग की ओर से जारी सूची के मुताबिक करीब 20 से ज्यादा रिक्त पदों पर आरएएस अधिकारियों की तैनाती की गई है। बताया जा रहा है कि आरएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी होने के बाद अब आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की सूची भी कभी भी जारी हो सकती है। सोमवार को जारी की गई सूची में कजोड़ मल डूंडिया प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य अल्पसंख्यक मामलात विभाग और वित्त विकास निगम लिमिटेड, वासुदेव मावावल आयुक्त नगर निगम उदयपुर, हिम्मत सिंह बारहट सचिव नगर विकास न्यास चित्तौड़गढ़, राजेश वर्मा प्रबंध निदेशक अनुसूचित जाति जनजाति वित्त विकास सहकारी निगम लिमिटेड जयपुर, महावीर खराड़ी एडीएम डीग भरतपुर, अनुराग भार्गव आयुक्त नगर निगम कोटा उत्तर, सुनीता चौधरी रजिस्ट्रार कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर, सुरेश कुमार एडीएम दौसा, राजपाल सिंह अतिरिक्त संभागीय आयुक्त कोटा, कैलाश चंद शर्मा अतिरिक्त आयुक्त पंचायती राज विभाग जयपुर, अखिलेश कुमार पीपल को अतिरिक्त संभागीय आयुक्त भरतपुर के पद पर बनाया गया है। इसी तरह राकेश कुमार सीईओ कम अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, प्रिया भार्गव अतिरिक्त निबंधक राजस्व मंडल अजमेर, सुमन पंवार उपनिदेशक सैनिक कल्याण बोर्ड जयपुर, रतन कुमार एडीएम भरतपुर, राकेश कुमार एडीएम सीकर, रेखा सांमरिया अतिरिक्त आयुक्त पंचायती राज विभाग जयपुर, अशोक कुमार मीणा अतिरिक्त निदेशक प्रारंभिक शिक्षा बीकानेर, सत्यनारायण आमेटा जिला रसद अधिकारी बारां, प्रभाती लाल जाट अतिरिक्त आयुक्त टीएडी जयपुर, कपूर शंकर मान उपायुक्त सीएडी बीकानेर, नंदकिशोर राजोरा सीईओ जिला परिषद कम अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक अजमेर, नरेश सिंह तंवर उपायुक्त नगर निगम हेरिटेज जयपुर, संगीता मीणा उप निदेशक सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, राजेश मेवाड़ा को एडीएम बाली के पद पर लगाया गया है। इसी प्रकार सरोज ढाका उपायुक्त नगर निगम जयपुर हेरिटेज, राजेंद्र सिंह एडीएम अजमेर, दुर्गा शंकर मीणा एडीएम बारां, शिवराम वर्मा एडीएम डीडवाना, प्रमोद सीरवी प्रोटोकॉल अधिकारी सामान्य प्रशासन विभाग जोधपुर, नरेंद्र कुमार मीणा एसडीएम केशोरायपाटन, मनीषा एसडीएम सैंथल दौसा, विकास मोहन भाटी एसडीएम सरवाड़ अजमेर, सुभाष चंद्र हिमानी एसडीएम धंबोला डूंगरपुर, बलबीर सिंह एसडीएम परबतसर, भावना सिंह विशेष अधिकारी नगर विकास न्यास कोटा, पंकज कुमार को एसडीएम मारवाड़ जंक्शन पाली के पद पर लगाया गया है।

राजस्थान : सचिन पायलट का मारवाड़ में शक्ति प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट मारवाड़ क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन करने जा रहे हैं। इसकी शुरुआत आज (16 जनवरी) से हो रही है। विधानसभा चुनाव से पहले पायलट के इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। अपने दौरे में कांग्रेस नेता नागौर, हनुमानगढ़, झुंझुनू, पाली और राजधानी जयपुर में लोगों से मुलाकात करेंगे। पायलट इस दौरान किसान सम्मेलन में भी शामिल होंगे। माना जा रहा है कि पायलट खेमा राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर आलाकमान की देरी से खुश नहीं है और इसलिए एक स्पष्ट संदेश भेजना चाहता है। पायलट पार्टी आलाकमान को समझाने की कोशिश कर रहे थे कि अगर पार्टी को राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करनी है तो जल्द ही बदलाव लाना होगा। अपने दौरे के बारे में बात करते हुए सचिन पायलट ने बताया कि वह राजस्थान के कई जिलों में लोगों और कार्यकर्ताओं के बीच रहेंगे। उनकी सार्वजनिक बैठकों और बातचीत के कार्यक्रम इस प्रकार हैं। पायलट 16 जनवरी को नागौर, 17 जनवरी को हनुमानगढ़, 18 जनवरी को झुंझुनू, 19 जनवरी को पाली, 20 जनवरी को जयपुर के दौरे पर रहेंगे। पायलट ने पिछले साल इंडिया टुडे से बात करते हुए दावा किया था कि वह चाहते हैं कि कांग्रेस पार्टी राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर जल्द फैसला ले। उन्होंने यह भी कहा था कि कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की जो बैठक पिछले साल सितंबर में नहीं हुई थी वह जल्द होनी चाहिए। हालांकि, ऐसा न होने के बाद, पायलट ने घोषणा की थी कि वह इस चुनावी साल में जनसभाओं के जरिए लोगों तक पहुंचेंगे। उनका यह फैसला उनके राजनीतिक भविष्य के लिए अहम माना जा रहा है। बता दें कि सितंबर की बैठक में कथित रूप से राजस्थान सरकार में मंत्रियों सहित पार्टी के कई विधायकों ने राज्य के यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल के आधिकारिक आवास पर एक अलग बैठक की और बाद में आगे बढ़कर विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

दुष्कर्म के 42 प्रतिशत मामले झूठे : डीजीपी

जयपुर (हि.स.)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने सोमवार को जयपुर पुलिस मुख्यालय में साल 2022 के काम का लेखा-जोखा सामने रखा। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान में दुष्कर्म के 42 प्रतिशत मामले झूठे होते हैं। वहीं देश में यह संख्या 8 प्रतिशत पर है। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्य दुष्कर्म जैसे गंभीर मामले में या तो मामला दर्ज नहीं करते या जांच सही से नहीं करते। इसका लाभ कई बार अपराधियों को मिलता है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में पुलिस को स्पष्ट निर्देश है कि मामला दर्ज होने में कोई ढील नहीं होनी चाहिए। झूठा मामला होगा तो एफआर दी जाएगी। झूठा केस दर्ज कराने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। साल 2022 में पिछले साल की तुलना में झूठे मुकदमे करवाने वालों के खिलाफ कार्रवाई में कुल 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के मामले में राजस्थान का 12वां स्थान है। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु हैं। पेंडिंग मामले में राष्ट्रीय एवरेज 24.9 है, जबकि राजस्थान की 10.4 है। सजा प्रतिशत राष्ट्रीय औसत 32.0 है, जबकि राजस्थान की 48.0 है। वहीं महिलाओं के विरुद्ध दर्ज मामलों में वर्ष 2018 में औसत अनुसंधान समय 211 दिन था, वह वर्ष 2022 में मात्र 69 दिन रह गया है। पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म के मामलों में पुलिस ने त्वरित अनुसंधान किया, जिसके परिणामस्वरूप पिछले 4 वर्षों में न्यायालय से आरोपियों को ऐसे 12 प्रकरणों में मृत्युदंड की सजा 466 मामलों में 20 वर्ष के कठोर कारावास से आजीवन कारावास की सजा और 750 मामलों में अन्य सजा कराई गई। वर्ष 2022 में न्यायालय से आरोपियों को ऐसे पांच मामलों में मृत्युदंड की सजा, 200 मामलों में 20 वर्ष के कठोर कारावास से आजीवन कारावास की सजा और 209 मामलों में अन्य सजा कराई गई। वर्ष 2022 में भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत दर्ज मामलों के पंजीकरण में वर्ष 2021 की तुलना में 11.61 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में 31.83 प्रतिशत रहा। जबकि वर्ष 2021 में 30.44 प्रतिशत था।

जेल अनशन : पांच और जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर (हि.स.)। प्रदेश की जेलों में वेतनमान बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले चार दिन से अनशन कर रहे जेल प्रहरियों में अधिकांश की तबीयत अब बिगडने लगी है। सोमवार सुबह तीन प्रहरियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इससे पहले रविवार को भी दो जेल प्रहरी अस्पताल पहुंचे थे। वर्तमान में 5 जेल प्रहरी अस्पताल में भर्ती हैं जबकि 8 जेल प्रहरियों की तबीयत खराब हो चुकी है। जोधपुर सेंट्रल जेल के बाहर अनशन कर रहे जेल प्रहरी लगातार गिरते स्वास्थ्य के कारण अस्पताल पहुंच रहे हैं। वे अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। सोमवार सुबह जेल प्रहरी राजूराम, सवाई राम और जेताराम की तबीयत बिगड़ गई। तीनों को 108 एम्बुलेंस के जरिए महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया। इससे पहले रविवार रात विकास विश्नोई की भी तबीयत खराब हुई थी, जिसे भी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जिनके पूर्वजों ने भारत का विभाजन किया वे भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं : सत्ती

जम्मू। आज वरिष्ठ भाजपा नेता ब्रह्म ज्योत सत्ती ने एक प्रेस बयान जारी कर कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा की आलोचना की। अपने बयान में उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा पर कटाक्ष किया और कहा कि राहुल गांधी की अगुवाई वाली यात्रा मनोरंजन यात्रा और भारतीयों का मनोरंजन करने से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जनता को बेवकूफ बना रहे हैं और नफरत फैला रहे हैं जो कांग्रेस के खून में है। 1947 में राहुल गांधी के दादा, परदादाओं ने भारत को अलग-अलग हिस्सों में विभाजित किया और अब वह भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं जो एक मजाक से ज्यादा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भारत को जोड़ने या (बल्कि) खंडित करने के लिए जो यात्रा निकाली है। 1947 के बाद भारत का विभाजन कभी नहीं हुआ। भारत का विभाजन उनके पूर्वजों के समय हुआ था, जब पाकिस्तान बना था। भारत में लाल बहादुर शास्त्री और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महान नेता थे लेकिन कांग्रेस ने उनके कार्यों को कभी नहीं पहचाना और न ही सराहा क्योंकि ये नेता हमेशा अखंड भारत की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया यानी भारत, भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा पहले ही एकजुट किया जा चुका है, जिन्होंने विभाजन के बाद हैदराबाद और अन्य रियासतों को भारत के साथ जोड़ा। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी अखंड भारत (अविभाजित भारत) के बारे में बोलते हैं, तो उन्हें अपनी यात्रा अक्साई चीन, पीओजेके, ढाका, इस्लामाबाद, पेशावर, रावलपिंडी या कराची आदि से शुरू करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सड़कों के निर्माण और अन्य विकासात्मक प्रयासों के माध्यम से भारत को जोड़ने के लिए वास्तविक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 की आड़ में जम्मू कश्मीर उच्च उग्रवाद और आतंकवादी गतिविधियों से पीड़ित था, लेकिन अगस्त 2019 में भाजपा ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 को निरस्त कर दिया और जेके को भारत का पूर्ण क्षेत्र बना दिया, जो भारत जोड़ो का सच्चा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध के बाद जब 1972 में शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, उस समय सत्तारूढ़ कांग्रेस 90000 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों को रिहा करने के बजाय पीओजेके की मांग कर सकती थी, लेकिन इंदिरा गांधी ने कुछ भी मांग नहीं की क्योंकि कांग्रेस की मानसिकता भारत को विभाजित करने की है न कि भारत को एकजुट करने की।

सिरसा में नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

सिरसा (हि.स.)। फास्ट ट्रेक कोर्ट ने नाबालिग से दुराचार के मामले में दोषी को पोक्सो एक्ट के तहत 20 साल कैद की सजा सुनाई है। आरोपी के खिलाफ ऐलनाबाद थाना में अगस्त 2019 में मामला दर्ज किया गया था। ऐलनाबाद निवासी एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री को नरेंद्र उर्फ मोनू पुत्र महाबीर निवासी वार्ड नंबर-7 ऐलनाबाद बहला फुसलाकर ले गया है। शिकायत में बताया कि आरोपी शादीशुदा है और उसकी बेटी पर बुरी नजर रखता था। आरोपी ने उसकी पुत्री को नशीली दवा दी, रात में उसकी पुत्री ने उनके खाने में नशीली दवा मिला दी, जिसके कारण सारा परिवार सोया रहा। मध्यरात्रि में आरोपी उसकी पुत्री को भगा ले गया। ऐलनाबाद पुलिस ने महिला की शिकायत पर नरेंद्र उर्फ मोनू के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने छानबीन की और दोनों को काबू कर लिया। बरामद नाबालिग का मेडिकल करवाया गया और अदालत में उसके बयान करवाकर उसे परिजनों को सुपुर्द कर दिया। वहीं, नरेंद्र उर्फ मोनू से पुलिस ने पड़ताल की तो उसने स्वीकार किया कि उसने नाबालिग को बहला फुसलाकर उसके साथ उसके ही घर में गलत काम किया। इसके बाद उसने उसे घर से भागने के लिए तैयार किया। घर से भागकर वे दिल्ली गए और वहां पर किराए के मकान में कुछ दिन रहें। उसने यह स्वीकार किया कि इस दौरान उसने नाबालिगा से कई बार गलत काम किया। नाबालिग से दुराचार का यह मामला फास्ट ट्रेक कोर्ट में चला। न्यायाधीश प्रवीण कुमार की अदालत ने पुलिस द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर सजा सुनाई। जिसके तहत पोक्सो एक्ट के तहत नरेंद्र उर्फ मोनू को 20 साल की कैद और 30 हजार रुपए जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में 6 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने भादंसं की धारा 363 व 366 के तहत भी 5-5 साल की कैद और 10-10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

राजस्थान में 33 कैदियों को 26 जनवरी को मिलेगी आजादी

जयपुर (हि.स.)। प्रदेशभर की जेलों में सजा भुगत रहे 33 कैदियों को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 26 जनवरी को रिहा किया जाएगा। अशोक गहलोत सरकार ने इन सभी दोषसिद्ध कैदियों की शेष सजा माफ कर दी है। इस संबंध में गृह विभाग (ग्रुप-12) के उप शासन सचिव गोविंद गुप्ता ने आदेश जारी किए हैं। आईजी जेल जयपुर विक्रम सिंह करणावत ने बताया कि जयपुर केन्द्रीय कारागार से मोहम्मद आसिफ व धन्ना, बीकानेर केन्द्रीय कारागार से दिलीप उर्फ स्वामी समर्पन, सोनू उर्फ लवली, सलीम उर्फ वाहिद, सुनील उर्फ जगदीश को रिहा किया जाएगा। इसी तरह जोधपुर केंद्रीय कारागार से बंदी साहब सिंह उर्फ गोविंद, ताज मोहम्मद उर्फ ताजिया, रूपाराम, भरतपुर केन्द्रीय कारागार से चंद्रप्रकाश, डूंगर सिंह, रामबाबू, केंद्रीय कारागार कोटा से कमल उर्फ कमल्या, भूपेन्द्र सुमन, अब्दुल नईम, धौलपुर से छिद्द उर्फ रामप्रकाश, केंद्रीय कारागार अलवर से बद्रीप्रसाद मीणा, सोनू, संजय समेत प्रदेश की अन्य जेलों से कैदियों को रिहा किया जाएगा। प्रदेश की जेलों में क्षमता से अधिक कैदी बंद हैं।

केंद्रीय संचार ब्यूरो की पांच दिवसीय मल्टी मीडिया प्रदर्शनी, विभिन्न योजनाओं की दी जानकारी

बीकानेर (हि.स.)। केंद्रीय संचार ब्यूरो क्षेत्रीय कार्यालय जोधपुर द्वारा आयोजित पांच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के तीसरे दिन सोमवार को विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया। प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए महिला अधिकारिता विभाग की प्रचेता विजयलक्ष्मी जोशी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा बेटियों के संरक्षण के लिए विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के साथ-साथ राज्य सरकार भी मुख्यमंत्री राजश्री योजना के माध्यम से बेटियों के संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण के लिए उड़ान योजना तथा आई. एम. शक्ति योजना एक मील का पत्थर साबित हो रही है। बेटियों को बोझ ना समझे इस उद्देश्य से राज्य सरकार सामूहिक विवाह योजना आदि के माध्यम से महिला सशक्तीकरण के लिए प्रयासरत है। सहायक विकास अधिकारी चुन्नीलाल ने स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को कहा कि हमें अपनी आदतों में बदलाव लाकर भारत को स्वच्छ बनाना है। इस और आज का युवा धीरे-धीरे जागृत हो रहा है। इस कार्य हेतु शुरुआत हमें अपने घर से करनी चाहिए जिससे अन्य लोगों को एक संदेश जाए। आरसेटी की प्रतिनिधि सना मिर्जा के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार के लिए चलाई जा रही विभिन्न कौशल प्रशिक्षण योजना की जानकारी दी। इस अवसर पर दर्शकों के लिए पुशअप्स प्रतियोगिता, मौखिक प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विजेताओं को अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रदर्शनी में विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा उनकी योजनाओं की जानकारी देने हेतु स्टॉल्स लगाए गए हैं। इनमें महिला व बाल विकास विभाग, महिला अधिकारिता विभाग, कृषि विभाग, जिला अग्रणी बैंक, डाक विभाग, जिला परिषद, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, आयुर्वेदिक विभाग, उद्योग विभाग, आरसेटी, स्वास्थ्य विभाग आदि सम्मिलित हैं। इस मल्टीमीडिया प्रदर्शनी में आजादी के महानायक, राजस्थान के स्वतंत्रता सेनानी एवं प्रमुख घटनाओं के साथ-साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत, महिला सशक्तिकरण, आयुष्मान भारत, भारतीय जनऔषधि परियोजना, स्वच्छ भारत मिशन, फिट इंडिया, अग्निपथ योजना, किसानों से सम्बन्धित योजनाएं, पोषण और मिशन इंद्रधनुष योजना, गतिशक्ति योजना, नयी शिक्षा नीति सहित केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं पर पैनल लगाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इस प्रदर्शनी में विविध योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें वर्चुअल रियलिटी, मोशन गेम्स, ऑनलाइन क्विज, 360 डिग्री कैमेरा, सेल्फी मिरर, विशाल एलईडी स्क्रीन, टीवी आदि के माध्यम से दर्शकों को मनोरंजक और आकर्षक ढंग से विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। यह प्रदर्शनी आमजन के अवलोकनार्थ 18 जनवरी तक सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक निःशुल्क खुली रहेगी।

महाजन सभा तालाब तिल्लों की बैठक आयोजित

जम्मू। महाजन सभा ने शेर ए दुग्गर लाला हंस राज महाजन सभा तालाब तिल्लो के नए पदाधिकारियों की घोषणा की शेर ए दुग्गर लाला हंस राज महाजन सभा तालाब तिल्लो के अध्यक्ष अयोध्या गुप्ता ने सभी समुदाय के सदस्यों की उपस्थिति में तालाब तकलो महाजन सभा के नए पदाधिकारियों की घोषणा करने के लिए एक बैठक आयोजित की। पदाधिकारियों में महाजन सभा तालाब तिल्लो के संयोजक शामिल हैं एडवोकेट ओम प्रकाश गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ राजिंदर गुप्ता, उपाध्यक्षों की घोषणा करें राजेश गुप्ता, बृजेश गुप्ता, राजेश गुप्ता (टीनू) और युद्धवीर गुप्ता, महासचिव राजन गुप्ता और तरसेम गुप्ता और सचिव हैं शांतिस्वरूप गुप्ता, राजेश गुप्ता, भूपिंदर गुप्ता और दविंदर गुप्ता, मीडिया सचिव विकास गुप्ता, कोषाध्यक्ष राकेश गुप्ता अयोध्या गुप्ता ने युवाओं से भाग लेने और समाज के कल्याण का नेतृत्व करने का आह्वान किया उन्होंने यह भी कहा कि महाजन समुदाय के लिए काम करना हमारा प्रमुख कर्तव्य है जिसे सभी ने उपेक्षित किया है और यह हम सभी के लिए अपनी पहचान का दावा करने और स्थापित करने का उच्च समय है जीवन के सभी क्षेत्रों में खुद को और बड़े पैमाने पर समाज और राष्ट्र के लिए मूल्यवान संपत्ति बनें। अयोध्या ने नए पदाधिकारियों को समुदाय को मजबूत करने के लिए अपने पूर्ववर्तियों द्वारा छोड़ी गई परंपरा और पथ का पालन करने की भी सलाह दी।

गृहमंत्री 29 को पंजाब आएंगे

चंडीगढ़(हि.स.)। गृहमंत्री अमित शाह पंजाब दौरे पर आ रहे हैं। गृहमंत्री इस दौरान पटियाला में संगठन की मजबूती तथा लोकसभा चुनाव के मद्देनजर तैयारियों का जायजा लेंगे। पटियाला पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का गृह क्षेत्र है, इसलिए 29 जनवरी को अमित शाह के दौरे के कई राजनीतिक मायने हैं। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद भाजपा हाईकमान पार्टी को पंजाब में खड़ा करने की कवायद में जुटा हुआ है। इस बीच कई पूर्व कांग्रेसी मंत्री भाजपा में शामिल हो चुके हैं। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ भी इस समय भाजपा में हैं। भाजपा ने हाल ही में सुनील जाखड़ समेत कई नेताओं को भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद अमित शाह का पटियाला दौरा पार्टी की मजबूती से भी जो ?कर देखा जा रहा है। शाह इस दौरे में पार्टी के विभिन्न वर्गों से मौजूदा सरकार, विपक्षी दल कांग्रेस के बारे में फीडबैक लेंगे। इसी के आधार पर भाजपा पंजाब में लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करेगी।

जी-20 : योग से शुरू होगा सम्मेलन, परोसे जाएंगे बाजरा से बने स्पेशल व्यंजन

जोधपुर (हि.स.)। मारवाड़ की धरा पर आगामी फरवरी प्रथम सप्ताह में होने वाले जी-20 सम्मेलन को लेकर प्रशासन की तरफ से व्यापक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिला एवं निगम प्रशासन शहर की सूरत निखारने में लगे है। फरवरी का महीना प्रदेश और जोधपुर के लिए बहुत खास रहने वाला है। 2 से 4 फरवरी तक जी-20 सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा और इसके लिए अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। जोधपुर आ रहे शेरपा और डेलीगेट्स के लिए खास तौर पर बाजरा से बने स्पेशल व्यंजन परोसे जाएंगे। विदेशी मेहमानों की सुबह की शुरुआत योगा सेशन से होगी। दरअसल, जोधपुर में फरवरी के पहले सप्ताह में जी-20 सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया, इटली, जापान और चीन समेत 20 देशों से शेरपा और डेलीगेट्स जोधपुर आएंगे। इसको लेकर प्रशासन की ओर से विशेष तैयारी की गई है। शहर के हर चौराहे को राजस्थानी कल्चर और स्पेशल थीम से सजाया जा रहा है। जी-20 सम्मेलन को लेकर सबसे ज्यादा फोकस एयरपोर्ट पर ही किया जा रहा है। एयरपोर्ट पर सभी 20 देशों के झंडे लगाए जाएंगे। इसके साथ ही राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा भी लगाई जाएगी। एयरपोर्ट पर ही जोधपुर के खास प्रोडक्ट हैंडीक्राफ्ट, बाजरा से बने प्रोडक्ट्स, बाजरी के खेत का मॉडल और साफा की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। वहीं, एयरपोर्ट की दीवारों को भी ब्लू सिटी के तर्ज पर कलर किया गया है। इसके अलावा मेहरानगढ़ के एलईडी कट आउट के साथ एक बड़े आकार का साफा का मॉडल भी लगाया जाएगा।योग से होगी शुरुआत, 10 एक्सपर्ट आएंगे। जी-20 सम्मेलन में आने वाले शेरपा योग के दीवाने हैं। इनके लिए शहर की तीन से चार बड़े होटलों को बुक करने का प्लान किया गया है। अभी इंडाना और ताज हरि को इनके लिए बुक कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि सम्मेलन के प्रतिनिधियों की तरफ से यह प्रस्ताव आया था कि होटल में इनके लिए योगा एक्सपर्ट की व्यवस्था की जाए। इसके बाद प्रशासन की ओर से 10 योगा एक्सपर्ट को बुलाया गया है। शेरपा सुबह की शुरुआत योगा से करेंगे। सम्मेलन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। दीवारों को राजस्थानी कल्चर दिखाते हुए रंग-रोगन किया गया है। हर चौराहे को अलग-अलग थीम पर सजाएंगे। शहर के एयरपोर्ट रोड पर भाटी सर्कल पर सभी देश के फ्लैग लगाए जाएंगे। इंडाना होटल रो पर राजस्थानी संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। भैरूजी चौराहे स्थित ताज हरि होटल के बाहर बने ब्रिज के नीचे जी-20 की थीम को डेकोरेट किया जाएगा। इसके अलावा पांच बत्ती सर्किल को बांधनी और रिक्तियां भैरूजी चौराहे को योगा थीम से डेकोरेट किया जाएगा। रातानाड़ा सर्किल सर सेंड ड्यून्स व कैमल थीम व अमृता देवी तिराहा को ब्लैक बक थीम पर सजाया जाएगा। कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने बताया कि इस तीन दिवसीय बैठक में जी-20 सम्मेलन के प्रतिनिधियों के अलावा 9 आमंत्रित राष्ट्र के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। हाल ही में जोधपुर शहर में 5जी लॉन्च किया गया था। मेहमानों को मोबाइल नेटवर्क को लेकर कोई दिक्कत न हो इसके लिए पूरे शहर में 70 से ज्यादा मोबाइल टावर को अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए नए टॉवर भी लगाए गए हैं। सनद रहें कि इस सम्मेलन में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडिया, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, साउथ अफ्रीका, साउथ कोरिया, टर्की, यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका और यूरोपियन यूनियन देश के शेरपा और डेलिगेट्स जोधपुर आएंगे।

प्रोत्साहन राशि पर नहीं चुकानी होगी जीएसटी, भीम यूपीआई व रूपे कार्ड से लेनदेन

नई दिल्ली ।
रूपे डेबिट कार्ड और भीम यूपीआई का उपयोग करने वाले ग्राहकों के लिए राहत भरी बात है। वित्त मंत्रालय ने कहा, इन दोनों के लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए बैंकों को मिलने वाली प्रोत्साहन रकम पर जीएसटी नहीं लगेगा। पिछले हफ्ते ही 2,600 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी गई थी। जीएसटी आयुक्त को जारी सर्कुलर में मंत्रालय ने कहा कि प्रोत्साहन सेवा के मूल्य से जुड़ी सब्सिडी से संबंधित है। यह 2017 के प्रावधानों के तहत लेनदेन के टैक्स मूल्य का हिस्सा नहीं है। रूपे कार्ड से लेनदेन के मूल्य के फीसदी के रूप में और दो हजार से कम मूल्य के भीम यूपीआई लेनदेन पर प्रोत्साहन मिलेगा।

2600 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा चालू वित्त वर्ष में – कुछ खास सेवाओं जैसे डाक विभाग या परिवहन जीएसटी के तहत आती हैं। लेकिन केंद्र या राज्यों या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा कारोबारी संस्थान के अलावा यदि किसी और को कोई सेवा दी जाती है तो वह जीएसटी के दायरे से बाहर है। दिसंबर में यूपीआई से रिकॉर्ड 782.9 करोड़ डिजिटल भुगतान हुए थे। इनका मूल्य 12.82 लाख करोड़ रुपये था।

डीमैट खाते 34प्रतिशत बढ़कर 10.8 करोड़ – शेयर बाजारों से मिल रहे आकर्षक मुनाफे और वित्तीय बचत बढ़ने के कारण डीमैट खातों की संख्या दिसंबर, 2022 में बढ़कर 10.8 करोड़ हो गई। दिसंबर, 2021 में 8.1 करोड़ की तुलना में यह 34 फीसदी अधिक है। डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर में 18 लाख, नवंबर में 20 लाख और दिसंबर, 2022 में 21 लाख नए खाते खुले हैं। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2021-22 में मासिक औसतन 29 लाख खाते खुले थे। इसकी तुलना में पिछले साल कम खाते खुले। यूक्रेन-रूस युद्ध व ब्याज दरों के लगातार बढ़ने के कारण बाजारों में उतार-चढ़ाव से खातों के खुलने की संख्या में गिरावट आई।

न्यूज ब्रीफ

मिडिल क्लास से हूं, उनकी परेशानी जानती हूं.., बजट से पहले वित्त मंत्री ने कही ये बात

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि वह मध्यम वर्ग के दबाव से वाकिफ हैं। उन्होंने यह भी याद किया कि मौजूदा सरकार ने उन पर कोई नया कर (टैक्स) नहीं लगाया है। सीतारमण 1 फरवरी को लोकसभा में 2023-24 के लिए केंद्रीय बजट पेश करेंगी। उम्मीद है कि सरकार आयकर सीमा बढ़ाएगी और मध्यम वर्ग के करदाताओं के अलावा अन्य लोगों को राहत देगी। आरएसएस के मुखपत्र पाञ्चजन्य द्वारा आयोजित एक समारोह में केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, मैं भी मध्यम वर्ग से ताल्लुक रखती हूं, इसलिए मैं मध्यम वर्ग की परेशानियों को समझ सकती हूं। मंत्री ने यहां मौजूद श्रोताओं को याद दिलाया कि मौजूदा केंद्र सरकार ने मध्यम वर्ग पर कोई नया कर नहीं लगाया है। उन्होंने हा कि पांच लाख तक की आय आयकर मुक्त है। उन्होंने कहा, सरकार ने ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देने के लिए 27 शहरों में मेट्रो रेल नेटवर्क विकसित करने और 100 स्मार्ट सिटी बनाने जैसे कई उपाय किए हैं। वित्त मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार मध्यम वर्ग के लिए और अधिक कर सकती है, क्योंकि इसकी आबादी बढ़ रही है और अब यह काफी बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, मैं उनकी (मध्यम वर्ग) समस्याओं को भलीभांति समझती हूं। सरकार ने उनके लिए बहुत कुछ किया है और वह आगे ऐसा करना जारी रखेगी। सीतारमण ने कहा कि सरकार 2020 से प्रत्येक बजट में पूंजीगत व्यय पर परिव्यय बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए इसे 35 फीसदी से बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मारुति की गाड़ियां खरीदना हुआ महंगा: कंपनी ने गाड़ियों की कीमत में से 1.1प्रतिशत का इजाफा किया

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने कारों की कीमतों में बढ़ोतरी की है। सभी मॉडलों की एक्स-शोरूम कीमत में 1.1प्रतिशत का इजाफा किया गया है। हालांकि वैरिएंट और मॉडल के हिसाब से है यानी कि सभी गाड़ियों की कीमतों में अलग-अलग बढ़ोतरी की गई है। कंपनी ने अभी इस बारे में कोई जानकारी साझा नहीं की है कि, किस मॉडल की कीमत में कितना इजाफा किया जाएगा। कंपनी के अनुसार ने इनपुट कोस्ट बढ़ने के कारण गाड़ियों की कीमतों में इजाफा किया गया है। अर्टिका की कीमत में 9 हजार से ज्यादा का इजाफा दिल्ली में इसकी ऑल्टो के बेस मॉडल की एक्स शोरूम कीमत में 3,729 रुपए तक की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं अर्टिका के बेस मॉडल की एक्स शोरूम कीमत में 9,251 रुपए तक की बढ़ोतरी की है। मारुति सुजुकी ने दिसंबर 2022 के अपने ऑटो सेल्स के आंकड़े जारी किए थे। कंपनी ने दिसंबर महीने में टोटल 1,16,662 यूनिट्स की सेल्स की है। इससे पहले नवंबर में कंपनी ने टोटल 1,59,044 यूनिट्स की सेल्स की थी। ऑटो एक्सपो में मारुति ने अपनी ऑफ रोडर जिम्नी को लॉन्च कर दिया। भारत में जिम्नी का 4 व्हील ड्राइव और 5 डोर वर्जन लाया गया है। मारुति ने जिम्नी की बुकिंग भी शुरू कर दी है। कंपनी इसकी बिक्री अपनी प्रीमियम डीलरशिप नेक्सा के जरिए करेगी।

शेयरचैट ने भारतीय कंपनी ने महीने भर में दूसरी बार की छंटनी, 20प्रतिशत कर्मियों को निकाल बोली- 'ये दर्द भरा फैसला'

ShareChat

नई दिल्ली । सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म शेयरचैट ने अपने 20 प्रतिशत कर्मचारियों को बाहर निकालने का फैसला किया है। कंपनी ने अपने इस निर्णय के लिए वैश्विक आर्थिक कारणों को जिम्मेदार बताया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि वह यह कड़ा फैसला अपने खर्चे को नियंत्रण में रखने के लिए ले रहा है। बेंगलुरु स्थिति मोहल्ला टेक प्राइवेट लिमिटेड के स्वामित्व वाली शेयरचैट ने कहा है कि यह निर्णय काफी दर्दभरा है। इसके साथ ही कंपनी ने अपने दूसरे प्लेटफॉर्म मोज में भी 20प्रतिशत कर्मियों को नौकरी से बाहर निकालेगी। कंपनी ने कहा है कि उसने पिछले छह महीनों के दौरान आय बढ़ाने की कई कोशिशें की हैं, अपने खर्चों को कम किया है। कंपनी ने कहा है कि कंपनी को भविष्य के लिए तैयार करने के उद्देश्य से छंटनी का फैसला लिया गया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि अगले साल बाजार में मंदी के आसार हैं, जिस कारण सतर्क रहने की जरूरत है।

कोविड शुरू होने के बाद देश के अमीरों की संपत्ति हर दिन 3608 करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली।
भारत के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, वहीं दूसरी ओर देश की आधी आबादी देश की कुल संपत्ति के महज 3 प्रतिशत में अपना गुजर-बसर कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर 2022 में महामारी शुरू होने के बाद से भारत में अरबपतियों की संपत्ति में वास्तविक रूप से 121 प्रतिशत या हर दिन 3,608 करोड़ रुपये की वृद्धि देखी गई है। हालांकि जीएसटी चुकाने के मामले में भार आम आदमी पर अधिक पड़ा।

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के पहले दिन मानवाधिकार समूह ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने वार्षिक असमानता रिपोर्ट का भारत सप्लीमेंट जारी किया। इस उसने कहा है कि भारत के 10 सबसे अमीर लोगों पर पांच प्रतिशत कर लगाने से बच्चों को स्कूल वापस लाने के अभियान के लिए लिए पूरा पैसा जुटाया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, सिर्फ एक अरबपति गौतम अडाणी पर 2017-2021 के दौरान अवास्तविक लाभ पर एकमुश्त कर से 1.79 लाख करोड़ रुपये जुटाए जा सकते थे। यह राशि एक साल के लिए 50 लाख से अधिक भारतीय प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों को रोजगार देने के लिए पर्याप्त हैं। सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट शीर्षक वाली रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अगर भारत के अरबपतियों पर उनकी पूरी संपत्ति पर दो प्रतिशत की दर से एक बार कर लगाया जाता है तो इससे देश में कुपोषित लोगों के पोषण के लिए अगले तीन साल तक 40,423 करोड़ रुपये की जरूरत को पूरा किया जा सकेगा। इसमें कहा गया है, देश के 10 सबसे अमीर अरबपतियों (1.37 लाख करोड़ रुपये) पर पांच प्रतिशत का एकमुश्त कर स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय (86,200 करोड़ रुपये) और आयुष मंत्रालय (3,050 करोड़ रुपये) की ओर से वर्ष 2022-23 के लिए अनुमानित धन के 1.5 गुना से अधिक है।

पुरुषों को मिलने वाले हर एक रुपये के मुकाबले महिलाओं को महज 63 पैसे ही मिले – लैंगिक असमानता पर रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला श्रमिकों को एक पुरुष श्रमिक को हासिल प्रत्येक 1 रुपये के लिए केवल 63 पैसे मिलते हैं। अनुसूचित जातियों और ग्रामीण श्रमिकों के लिए, अंतर और भी अधिक है- अनुसूचित जातियों ने सामाजिक समूहों की कमाई का 55 प्रतिशत कमाया, और बाद में 2018 और 2019 के बीच शहरी कमाई का केवल आधा हिस्सा उनके पास गया।

रिपोर्ट में कहा गया है, शीर्ष 100 भारतीय अरबपतियों पर 2.5 प्रतिशत कर लगाने या शीर्ष 10 भारतीय अरबपतियों पर पांच प्रतिशत कर लगाने से बच्चों को स्कूल वापस लाने के लिए आवश्यक लगभग पूरी राशि इकट्ठा हो जाएगी।

ऑक्सफैम ने कहा कि यह रिपोर्ट भारत में असमानता के प्रभाव का पता लगाने के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक जानकारी का मिश्रण है। फोर्ब्स और क्रेडिट सुइस जैसे द्वितीयक स्रोतों का उपयोग देश में धन असमानता और अरबपति धन को देखने के लिए किया गया है, जबकि एनएसएस, केंद्रीय बजट दस्तावेजों, संसदीय प्रश्नों आदि जैसे सरकारी स्रोतों का उपयोग रिपोर्ट के माध्यम से किए गए तर्कों की पुष्टि के लिए किया गया है।

देश की कम आमदनी वाली आधी आबादी ने जीएसटी का 64प्रतिशत अदा किया – ऑक्सफैम ने कहा कि नवंबर 2022 में महामारी शुरू होने के बाद से भारत में अरबपतियों की संपत्ति में वास्तविक रूप से 121 प्रतिशत या हर दिन 3,608 करोड़ रुपये की वृद्धि देखी गई है।दूसरी ओर, वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) में कुल 14.83 लाख करोड़ रुपये का लगभग 64 प्रतिशत 2021-22 में नीचे की 50 प्रतिशत आबादी से आया जिसमें शीर्ष 10 प्रतिशत से केवल 3 प्रतिशत जीएसटी आया। ऑक्सफैम ने कहा कि भारत में अरबपतियों की कुल संख्या 2020 में 102 से बढ़कर 2022 में 166 हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की संयुक्त संपत्ति 660 अरब डॉलर (54.12 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गई है।

ऑक्सफैम इंडिया के सीईओ अमिताभ बेहर ने कहा, देश के हाशिए पर पड़े दलित, आदिवासी, मुस्लिम, महिलाएं और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिक एक ऐसी प्रणाली में पीड़ित के रूप में फंसे हुए हैं जिसमें केवल अमीरों का हित हो रहा है। उन्होंने कहा, गरीब लोग अधिक कर का भुगतान कर रहे हैं, अमीरों की तुलना में आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि अमीरों पर कर लगाया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि वे अपने उचित हिस्से का भुगतान करें।

निवेशकों के बीच लोकप्रिय हाइब्रिड फंड, शानदार प्रदर्शन का रिकॉर्ड, इक्विटी और डेट का संगम

नई दिल्ली।
निवेशकों के बीच सबसे लोकप्रिय हाइब्रिड कैटेगरी में से तीन-मल्टी एसेट, अग्रेसिव हाइब्रिड और बैलेंस्ड एडवांटेज फंड हैं। देश के टॉप फंड हाउसों में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड को उसके हाइब्रिड ऑफर्स के लिए जाना जाता है। जैसा कि नाम से पता चलता है कि मल्टी-एसेट कैटेगरी वह है जिसमें एक निवेशक को एक ही फंड के माध्यम से तीन या अधिक संपत्तियों के वर्ग में निवेश का मौका मिलता है।

शानदार प्रदर्शन का श्रेय सोने जैसी परिसंपत्तियों में फंड के अधिक निवेश को दिया जा सकता है। क्योंकि मूल्यांकन महंगा होने से जब बाजार सार्वकालिक स्तर पर पहुंच गया था तो इस दौरान इक्विटी में फंडों ने निवेश कम कर दिया था। इनमें से प्रत्येक कॉल ने फंड के लिए अच्छा प्रदर्शन किया।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड-इक्विटी और डेट का संगम – बैलेंस्ड एडवांटेज फंड ऐसी कैटेगरी है जिसमें पिछले तीन वर्षों में उतार-चढ़ाव के समय में निवेशक अपनी दिलचस्पी दिखाते रहे हैं। इसका एयूएम 1,96,696 करोड़ रुपये है। शीर्ष पांच फंडों के पास कुल एयूएम का लगभग 72प्रतिशत हिस्सा है। इस कैटेगरी का मुख्य आकर्षण यह है कि यहां फंड मैनेजर जब चाहे इक्विटी और डेट में निवेश कर सकता है। इसे आमतौर पर रूढ़िवादी निवेशकों द्वारा पसंद किया जाता है। जब मूल्यांकन आकर्षक हो जाता है तब अधिकांश फंड हाउस इक्विटी में अपना निवेश बढ़ा देते हैं और मूल्यांकन कम होने पर घटा भी देते हैं।

फंड मैनेजर के निवेश की रणनीति – निवेश तय करने के लिए फंड मैनेजर मार्केट मैट्रिक्स, इन-हाउस मॉडल आदि पर भरोसा करते हैं, ताकि मानवीय पूर्वाग्रह को दूर रखा जा सके। फंड आमतौर पर इक्विटी में निवेश का ज्यादा स्तर बनाए रखता है जो बाजार की तेजी के दौरान फंड के प्रदर्शन में मददगार होता है। इक्विटी में कम निवेश को देखते हुए प्रदर्शन के मामले में फंड अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव वाला रहा है।

फंड हाउसों की रणनीति – म्यूचुअल फंड की हाइब्रिड रणनीति देखें तो जो बड़े और बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंड हाउस हैं, उनमें एसबीआई, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, कोटक, टाटा और अन्य हैं।

फिर ऑल टाइम हाई पर सोना: 57 हजार के करीब पहुंचा गोल्ड, चांदी 69 हजार के पार हुई

नई दिल्ली।
इन दिनों सोने की चमक लगातार बढ़ रही है, और इसी का नतीजा है की सोना हर दिन नया हाई बना रहा है। सोने ने फिर नया ऑल टाइम हाई बनाया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 16 जनवरी को सर्राफा बाजार में सोना 352 रुपए महंगा होकर 56 हजार 814 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले 13 जनवरी को सोने ने पिछला हाई बनाया था, जो 56 हजार 462 रुपए था।

चांदी में भी शानदार तेजी

चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में भी शानदार तेजी देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 1,121 रुपए महंगी होकर 69 हजार 236 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। 13 जनवरी को ये 68 हजार 115 हजार पर थी। आर्थिक अनिश्चितता के बीच जैसे दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने का भंडार बढ़ाया है। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, केंद्रीय बैंकों की तरफ सोने की खरीदारी बढ़ना सकारात्मक संकेत है। इससे सोने की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा। अजय केडिया ने कहा कि 2023 में सोना

64,000 रुपए तक पहुंच सकता है। डॉलर में कमजोरी: दिवाली से पहले इस साल अक्टूबर में डॉलर इंडेक्स 114 से ऊपर था। ये अभी गिरकर 102 पर आ गया है। इसके चलते सोने के लिए ज्यादा डॉलर चुकाने पड़ रहे हैं। सेंट्रल बैंकों की खरीदारी: 2022 में अब तक दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने करीब 400 टन सोना खरीदा है। चीन ने नवंबर में 32 टन सोना खरीदकर 2019 के बाद पहली बार गोल्ड रिजर्व बढ़ाया। सप्लाई में आई कमी: दक्षिण अफ्रीका के नेडबैंक के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, अक्टूबर में सोने का उत्पादन 10.4प्रतिशत घटा है। इससे पहले सितंबर में भी गोल्ड माइनिंग 5.1प्रतिशत घटी थी।

पहली लग्जरी हाइब्रिड एसयूवी ...6 सेकेंड में 100 की रफ्तार: लेक्सस की एलएम बन जाएगी आपका ऑफिस, ऑटो एक्सपो की 7 लग्जरी कारें

ग्रेटर नोएडा।
ऑटो एक्सपो 2023 में अफोर्डेबल कारों के साथ लग्जरी कारों को भी शोकेस किया गया है। इसमें खास तौर पर लग्जरी कार बनाने वाली जापान की कंपनी लेक्सस और टोयोटा शामिल हैं। हुंडई ने भी यहां अपनी 45 लाख रुपए की ई-एसयूवी दिखाई है।

लेक्सस ने इलेक्ट्रिक कारों के अपने पोर्टफोलियो को पेश किया है। इसमें लेक्सस शामिल हैं। वहीं टोयोटा ने 2.17 करोड़ रुपए की लग्जरी एसयूवी लैंड क्रूजर 300 को पेश किया। यहां हम एक्सपो में पेश 7 लग्जरी कारों के बारे में बता रहे हैं- दुनिया की पहली लग्जरी हाइब्रिड एसयूवी लेक्सस आरएक्स कंपनी का दावा है कि

लेक्सस आरएक्स दुनिया की पहली लग्जरी हाइब्रिड एसयूवी है। इसे एल्यूरिंग एक्स वर्व डिजाइन कॉन्सेप्ट पर डेवलप किया गया है। आरएक्स में ऑल-व्हील ड्राइव फोर्स सिस्टम मिलेगा। आरएक्स लाइनअप में क्लासिक पेट्रोल और हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ-साथ आरएक्सस्पोर्ट परफॉर्मेंस और आरएक्स 350 प्लग-इन हाइब्रिड वैरिएंट शामिल हैं।

लेक्सस तजुना कॉन्सेप्ट पर बेस्ड है। इसमें दोनों तरफ अट्रैक्टिव डोर, शार्प और फ्यूचरिस्टिक डिजाइन और बड़े कस्टम व्हील हैं। इसमें कांच की छत और एआर-पावर्ड स्काईगेट डिस्प्ले भी हैं। प्रत्येक पहिए पर एक इलेक्ट्रिक मोटर है। इसमें 110 का बैटरी पैक और 500 किमी रेंज का दावा किया गया है। कॉन्सेप्ट को 2025 में लॉन्च किया जाएगा। नेविगेशन और ड्राइव मोड सेलेक्शन जैसे ड्राइवर प्रिफरेंसेज को जानने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करती है। इसमें ऑडियो के लिए नॉइस कैंसिलेशन टेक्नोलॉजी दी गई है। इसकी टॉप स्पीड 200 किमी प्रति घंटा है। सात सीटर लेक्सस एलएम को मॉडर्न, ऑन-द-गो प्रोफेशनल्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें लार्ज कलर डिस्प्ले, रेफ्रिजरेटर और यहां तक कि बारिश के दिनों के लिए अंब्रेला स्टोरेज भी दिया गया है। सेंटर कंसोल पर टच पैनल है। इससे सीट पोजीशन, क्लाइमेट और ऑडियो को कंट्रोल किया जा सकता है।

ललित मोदी कोरोना संक्रमित, बेटे को बनाया उत्तराधिकारी : कहा–

मेरे रिटायर होने और बच्चों के बढ़ने का वक्त, सब उन्हें सौंप रहा हूं

जयपुर।
आईपीएल के पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी लंदन में ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं। उन्हें दो हफ्ते में दूसरी बार कोरोना हो गया है। बीमारी के बीच उन्होंने बड़ा फैसला लिया। अपना सबकुछ बच्चों को सौंप दिया। ललित मोदी को उन्हें तीन दिन पहले ही मेक्सिको सिटी से एयरलिफ्ट करके लंदन के अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। अस्पताल से ही उन्होंने फैमिली ट्रस्ट से इस्तीफा देकर बेटे रुचिर को परिवार की कमान सौंपने का ऐलान किया।

ललित मोदी ने केके मोदी फैमिली ट्रस्ट की ललित कुमार मोदी ब्रांच बेटे रुचिर को सौंप दी। ललित मोदी ट्रस्ट के लाभार्थी नहीं रहेंगे। उन्होंने अपने इस्तीफे का भी ऐलान किया। इस ट्रस्ट को लेकर ललित मोदी की मां बीना और बहन के बीच कानूनी लड़ाई जारी है। इस फैसले पर उनकी मां बीना मोदी ने अभी कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया है।

ललित मोदी ने ट्वीट किया- मैं जिस दौर से गुजरा हूं, उससे यह सबक मिला कि अब रिटायर होने और आगे बढ़ने का वक्त है। यह बच्चों को बढ़ाने का वक्त है, मैं उन्हें सब सौंप रहा हूं।

केके मोदी फेमिली ट्रस्ट को लेकर ललित मोदी ने इसके मेंबर्स को चिट्ठी लिखी है। कहा कि उनकी मां और बहन के बीच काफी लंबे समय से केस चल रहे हैं, समझौते के लिए कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला, इससे बहुत परेशानी हुई है। उन्होंने लिखा कि बेटी आलिया से चर्चा के बाद ही यह फैसला लिया है।

ललित मोदी ने लिखा- मैं कहना चाहता हूं, मेरे दोनों बच्चे समान रूप से लाभार्थी हैं, लेकिन लीडर एक ही हो सकता है। मेरी बेटी बहुत ही स्मार्ट है, लेकिन दुर्भाग्य से वह रोल नहीं चाहती। एक बार चेयरमैन के निर्देश पर उन्हें दफ्तर से बाहर निकालकर ताला लगा दिया गया। दूसरी बार अध्यक्ष ने उसकी कार हटा दी, जब वह डिनर के लिए बाहर गई हुई थीं। वह मेरे पिता की मौत के बाद बनाए गए दुश्मनी के माहौल को नहीं संभाल सकती।

ललित मोदी ने अपनी बहन ओर मां के साथ विवाद को लेकर फैमिली में बंटवारे को लेकर पिता से हुई गलती का जिक्र किया है। ट्वीट में

लिखा- मैं बहुत खुशी महसूस कर रहा हूं, 59 साल की उम्र में यह सही वक्त है, लेकिन मेरे पिताजी के पास अगली पीढ़ी के लिए यह करने का वक्त नहीं था। मैं वह भारी गलती नहीं दोहराना चाहता।

केके मोदी फैमिली ट्रस्ट पर ललित मोदी, उनकी मां बीना मोदी और बहन के बीच चल रही कानूनी लड़ाई पर कोर्ट ने समझौते की पहल की थी। 2022 में ललित मोदी की तरफ से प्रसिद्ध वकील हरीश साल्वे और उनकी मां की तरफ से कपिल सिब्बल सहित अन्य वकीलों ने समझौते पर बातचीत की थी, लेकिन कोई हल नहीं निकल पाया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2019 में ललित मोदी के पिता केके मोदी के निधन के बाद परिवार में झगड़ा बढ़ गया। केके मोदी फैमिली ट्रस्ट की संपत्ति को लेकर यह विवाद है। मोदी ने कोर्ट में दावा किया कि संपत्ति बेचने को लेकर ट्रस्ट के सदस्यों के बीच कोई एक राय नहीं थी। फिर भी संपत्ति बेचना शुरू हुआ और उसका बराबर हिस्सा एक साल के अंदर ट्रस्ट के सदस्यों को नहीं मिला। जबकि ललित की मां बीना मोदी का दावा है कि ट्रस्ट की कोई संपत्ति बेची ही नहीं गई।

ललित मोदी ने आईपीएल की शुरुआत की थी। वो 2005 से 2010 तक बीसीसीआई के वाइस प्रेसिडेंट रहे थे। 2008 से 2010 तक आईपीएल के चेयरमैन और कमिश्नर रहे। 2010 में ललित को धांधली के आरोप में आईपीएल कमिश्नर के पद से सस्पेंड कर दिया गया था। उन्हें बीसीसीआई से भी सस्पेंड कर दिया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपों के बाद 2010 में ललित देश से फरार हो गए थे। ललित मोदी 2022 में सुष्मिता सेन के साथ उनके रिश्ते को लेकर चर्चा में आए थे। उन्होंने सुष्मिता सेन के साथ खास बॉन्ड वाली तस्वीरें शेयर की थीं। पहले कयास लगाए गए कि दोनों ने शादी कर ली है, लेकिन खुद मोदी ने इससे इनकार किया था। भारत से भागने के बाद ललित मोदी लंदन के प्रतिष्ठित 117, स्लोएन स्ट्रीट पर पांच मंजिला मेंशन में रहते हैं। यह 7000 स्क्वायर फीट में फैला है। इस आलीशान बंगले में 8 डबल बेडरूम, 7 बाथरूम, 2 गेस्ट रूम, 4 रिसेप्शन रूम, 2 किचन और एक लिफ्ट है। मोदी ने इसे लीज पर ले रखा है। 2011 में इस घर का किराया हर महीने 12 लाख रुपए था। लंदन एस्टेट एजेंटों के मुताबिक वर्तमान में इसका किराया 20 लाख रुपए प्रति महीने से ज्यादा होगा। ललित मोदी के ट्विटर बायो के मुताबिक वे मोदी इंटरप्राइजेज के प्रेसिडेंट हैं। मोदी इंटरप्राइजेज की कुल नेटवर्थ 12 हजार करोड़ रुपए की है।

शहनाज ने थाई हाई स्लिट डीप नेक गाउन पहनकर दिए पोज

-हाल ही में रिलीज हुआ गाना मून राइज का उपयोग भी किया

मुंबई (ईएमएस)। शहनाज गिल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा है आज का मूड। इसके साथ उन्होंने एक काले दिल की इमोजी भी कमेंट की है। शहनाज गिल का वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो गया है। इसे 1 घंटे में 2 लाख 70 हजार से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। मालूम हो कि शहनाज गिल ने इंस्टाग्राम पर एक रील वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्हें थाई हाई स्लिट डीप नेक गाउन पहनकर अलग-अलग अंदाज में पोज देते हुए देखा जा सकता है। इसके साथ उन्होंने हाल ही में रिलीज हुआ गाना मून राइज का उपयोग भी किया है। दरअसल वह हाल ही में गुरु रंधावा के साथ मून राइज गाने में नजर आई थी। वहीं वीडियो पर कई मजेदार कमेंट भी किए गए हैं। शहनाज गिल के फैंस वीडियो को देखकर दीवाने हुए जा रहे हैं। इस वीडियो पर अब तक साढ़े 5 हजार से ज्यादा कमेंट किए गए हैं।वीडियो में शहनाज गिल को अलग-अलग अंदाज में बोल्ड पोज देते हुए देखा जा सकता है। वह समुद्र किनारे खड़ी है।

वहीं वह समुद्र में डुबकी लगाती हुई भी नजर आ रही हैं। कई फैन ने इस पर कमेंट किया है। एक ने लिखा है शहनाज गॉर्जियस। एक ने लिखा है यह सिद्धार्थ शुक्ला को मिस कर रही है। एक ने पूछा है शहनाज तुम्हारा साउथ में डेब्यू कब होगा। एक ने लिखा है मुझे लगता है शहनाज गिल सिद्धार्थ शुक्ला को फील कर रही है। गौरतलब है कि सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल बिग बॉस 13 में नजर आए थे। दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। सिद्धार्थ शुक्ला ने जहां यह शो जीत लिया था। वहीं शहनाज गिल तीसरे नंबर पर थी।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर में 20 करोड़ का हुआ था नुकसान

-फिल्म मेकर्स करण जौहर ने किया यह शॉकिंग खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म मेकर्स करण जौहर ने अपनी स्टूडेंट ऑफ द ईयर सुपरहिट रही फिल्म को लेकर हैरान करने वाला खुलासा किया। आम तौर माना तो यही जाता है कि जो फिल्म हिट होती हैं उससे फिल्ममेकर्स शानदार कमाई करते हैं। लेकिन करण ने जिस फिल्म से बॉलीवुड को तीन स्टार्स दिए फ्रेश चेहरे उतारे उस फिल्म से उन्हें करीब 15-20 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा था। करण जौहर ने साल 2012 में आलिया भट्ट वरुण धवन सिद्धार्थ मल्होत्रा को फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से लॉन्च किया था। इस फिल्म की सफलता ने तीनों एक्टर्स को खास पहचान दिलाई। इनकी पहली फिल्म से लेकर अब तक के करियर ग्रोथ पर नजर डाली जाए तो तीनों ने ही एक्टर्स ने बॉलीवुड में अपनी खास पहचान बना ली है। करण जौहर ने एक इंटरव्यू में इस फिल्म को लेकर हुए नुकसान के बारे में बताया। करण जौहर ने बताया साल 2012 में जब स्टूडेंट ऑफ द ईयर की तारीफ हो रही थी और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी फिर भी 20 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। करण ने कहा फिल्म ने करीब 70 करोड़ की कमाई की थीस लेकिन इससे अधिक पैसा फिल्म मेकिंग में लग गया था। हमें करीब 15-20 करोड़ का नुकसान झेलना पड़ा था। आलिया वरुण और सिद्धार्थ तीनों को ही तीन फिल्मों के लिए साइन किया था जिसमें हंसी तो फंसी 2 स्टेट्स हम्पटी शर्मा की दुल्हनिया थी। तीनों फिल्में का बजट नपा-तुला रखा गया था। वो तो इन तीनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक परफॉर्मेंस कर लिया तो हमारा 20 करोड़ का नुकसान पूरा हुआ वर्ना अच्छा-खासा चूना लग जाता। करण जौहर लंबे समय बाद रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से फिर निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट रणवीर सिंह धर्मेंद्र शबाना आजमी जया बच्चन जैसे दिग्गज कलाकार हैं। ये फिल्म अप्रैल में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा एक और एक्शन फिल्म का डायरेक्शन भी करण करने वाले हैं। अभी तक यही बताया जाता रहा है कि आलिया भट्ट सिद्धार्थ मल्होत्रा वरुण धवन स्टारर स्टूडेंट ऑफ द ईयर बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी लेकिन असल कहानी तो ठीक इसके उलट निकली।

सन्नी की फिल्म गदर : एक प्रेम कथा फिर से चर्चाओं में

-फिल्म को स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी

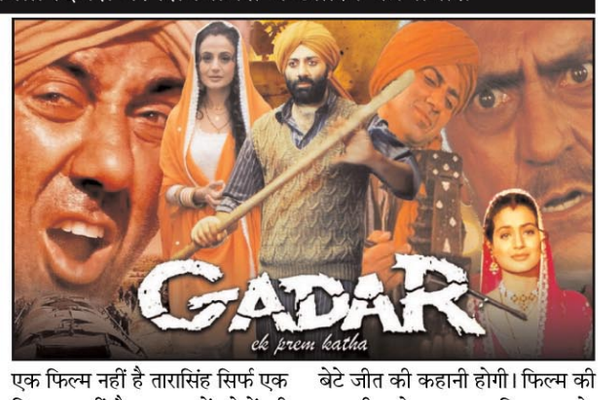

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर सन्नी देओल की गदर : एक प्रेम कथा फिर से चचाओं में है। गदरः एक प्रेम कथा का सीक्वल निमार्णाधीन है जिसे गदर-2 के नाम से प्रचारित किया जा रहा है। यह फिल्म वर्ष 2023 स्वतंत्रता दिवस के सप्ताह में सिनेमाघरों में उतरने की तैयारियों में है। लेकिन इस फिल्म से पहले इसके पहले भाग गदरः एक प्रेम कथा को एक बार फिर से सिनेमाघरों में उतारने की तैयारी की जा रही है। सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म के पहले पार्ट को दोबारा रिलीज करने का फैसला लिया है। फिल्म की प्रोडक्शन कंपनी की तरफ से एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर इस बारे में बताया गया है। ऑफिशियल स्टेटमेंट में बताया गया है कि गदर 2 से पहले गदरः एक प्रेम कथा को रिलीज किया जाएगा। इसे उसी तारीख को रिलीज किया जाएगा जिसमें इसे 2001 में रिलीज किया गया था। फिल्म के मेकर्स ने ये फैसला इसलिए लिया है ताकि दर्शकों को फिल्म की पूरी कहानी एक बार फिर से समझ आ जाए। मेकर्स ने इस फिल्म को 15 जून 2023 को रिलीज करने का फैसला किया है और गदर -2 11 अगस्त को रिलीज होगी। गदर सिर्फ एक फिल्म नहीं है तारासिंह सिर्फ एक किरदार नहीं है यह अरबों लोगों की भावनाएं हैं। भारत से लेकर विदेश तक के लोग गदर 2 को हर रोज ट्रेंड कर रहे हैं। वे तस्वीरें और अपनी भावनाओं को पोस्ट कर रहे हैं। हम उन्हें प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। कृपया थोड़ा और इंतजार करें। मालूम हो कि इस फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ है। फिल्म गदरः एक प्रेम कथा 22 साल पहले रिलीज हुई थी। उस वक्त इस फिल्म ने 250 करोड़ की कमाई की थी। इस फिल्म के सीक्वल को लेकर 15 साल से काम चल रहा है। फिल्म जहाँ पर खत्म हुई थी वहीं से आगे बढ़ेगी। यह सनी देओल (तारा सिंह) अमीषा पटेल (सकीना) और उनके बेटे जीत की कहानी होगी। फिल्म की कहानी को भारत पाकिस्तान के नजरिये से आगे बढ़ाया जाएगा। मालूम हो कि वर्ष 2001 की 15 जून को सिने बॉक्स ऑफिस पर दो बड़े सितारों की दो बड़ी फिल्मों का प्रदर्शन हुआ था। इन दोनों फिल्मों के टकराव को लेकर बॉक्स ऑफिस बहुत चिंतित भी था। यह दो फिल्में थी सन्नी देओल की गदर : एक प्रेम कथा और आमिर खान की लगान–दोनों सितारों के लिए फिल्मों का सफल होना जरूरी था। बॉक्स ऑफिस की समस्त उम्मीदों से परे जाते हुए इन दोनों फिल्मों ने कामयाबी का नया इतिहास रचा। वर्तमान समय में भी इन फिल्मों को ओटीटी चैनलों और यूट्यूब पर बहुत देखा जाता है।

श्रुति हासन ने मेंटल हेल्थ वाली रिपोर्ट का किया खंडन

अभिनेता-राजनेता कमल हासन की बेटी अभिनेत्री श्रुति हासन ने स्पष्ट किया कि उन्हें वायरल बुखार था जिसके कारण उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग नहीं लिया। कई मीडिया रिपोट के सोशल मीडिया पर स्क्रीनशॉट स-झा करते हुए जिसमें दावा किया गया था कि श्रुति हासन को मानसिक समस्याएं हैं और उनका इलाज चल रहा है। अभिनेत्री ने जबाव देते हुए लिखा ठीक है तो यह रही बात इस तरह की गलत सूचना और इस तरह के विषयों का अत्यधिक नाटकीयता या फिलपेंट हैंडलिंग जो लोगों को बनाता है। मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बात करने से डर लगता है क्या? यह काम नहीं करता। आगे अभिनेत्री ने लिखा मैं हमेशा एक मानसिक स्वास्थ्य अधिवक्ता रहूंगी मैं हमेशा सभी पहलुओं में खुद की देखभाल करने को बढ़ावा दूंगी। ओह और मुझे वायरल बुखार था इसलिए अपने आप पर काबू पाने की कोशिश करें और जब तक आप इस पर हों कृपया एक चिकित्सक से बात करें। वास्तव में कृपया ऐसा करें।

मिस यूनिवर्स 2022 के स्टेज पर हमाज संधू ने लारा दत्ता-सुष्मिता सेन को खास अंदाज में दिया ट्रिब्यूट

अमेरिका के न्यू ऑरलियन्स में आयोजित हुई मिस यूनिवर्स 2022 की प्रतियोगिता में यूएसए की आर'बोनी गेब्रियल ने जीत हासिल की। आर'बोनी गेब्रियल को पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू ने ताज पहनाया। मिस यूनिवर्स 2022 का ताज भले ही अमेरिका के सिर पर सजा, लेकिन फिर भी महफिल में सबकी नजरें भारतीय सुंदरी हरनाज संधू पर टिकी रहीं। दरअसल, मिस यूनिवर्स 2022 की ताजपोशी के समय हरनाज स्टेज पर एक ब्लैक गाउन पहनें नजर आई, जो बड़ा ही यूनिक था। इस गाउन की अब पूरे देशभर में चर्चा हो रही है और लोग जमकर हरनाज की तारीफ कर रहे हैं। मिस यूनिवर्स 2022 की ताजपोशी के दौरान पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू स्टेज पर एक ब्लैक कलर के गाउन में नजर आयीं, जिसमें वह काफी खूबसूरत लग रही थीं। सोशल मीडिया पर जैसे ही मिस यूनिवर्स 2022 की प्रतियोगिता से हरनाज का लुक सामने आया, वैसे ही उनके गाउन ने लोगों का ध्यान अपनी और आकर्षित किया। हरनाज के इस गाउन की खास बात यह थीं कि इसमें भारत की पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन और लारा दत्ता की सिर पर मिस यूनिवर्स का ताज पहनें तस्वीरें बनी हुई थीं। हरनाज का इस अनोखे तरीके से भारतीय सुंदरियों को ट्रिब्यूट देना लोगों को इम्प्रेस कर गया। सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर अब बस उन्हीं के चर्चे हो रहे हैं। इतना ही नहीं लारा दत्ता ने भी अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर हरनाज का शुक्रिया अदा किया है। बता दें, हरनाज के इस गाउन को किसी और ने नहीं बल्कि मशहूर डिजाइनर सायशा शिंदे ने डिजाइन किया था। मिस यूनिवर्स के 71 सालों के इतिहास में भारत केवल तीन बार ही इस प्रतियोगिता को जीत पाया है। भारत को पहला मिस यूनिवर्स का खिताब किसी और ने नहीं बल्कि अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने दिलाया था। 1994 में पहली बार किसी भारतीय महिला के सिर मिस यूनिवर्स का ताज सजा था। इसके छह साल बाद अभिनेत्री लारा दत्ता ने मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम किया। फिर लगभग 21 साल तक भारत की तरफ से कोई भी सुंदरी मिस यूनिवर्स का खिताब नहीं जीत पाई। 2021 में, भारत का 21 साल का सूखा खत्म करते हुए हरनाज संधू मिस यूनिवर्स के ताज को वापस देश लेकर आईं। इस साल भारत की तरफ से दिविता राय ने मिस यूनिवर्स 2022 में हिस्सा लिया। वह टॉप 16 में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहीं, लेकिन टॉप 5 में शामिल नहीं हो पाईं।

आरआरआर को सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा की फिल्म, नाटु नाटु को सर्वश्रेष्ठ गीत का अवार्ड

लॉस एंजिलिस। फिल्मकार एस. एस. राजामौली की फिल्म आरआरआर ने विश्व मंच पर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए क्रिटिक्स चॉइस अवाड्र्स (सीसीए) में सर्वश्रेष्ठ विदेशी की फिल्म और नाटु नाटु के लिए सर्वश्रेष्ठ गीत का पुरस्कार अपने नाम कर लिया है। क्रिटिक्स चॉइस अवाड्र्स में आरआरआर सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (राजामौली), सर्वश्रेष्ठ विदेशी की फिल्म, सर्वश्रेष्ठ विजुएल इफेक्ट्स (वी श्रीनिवास मोहन) और सर्वश्रेष्ठ गीत (नाटु नाटु) की श्रेणी में नामित थी। सर्वश्रेष्ठ विदेशी की फिल्म की श्रेणी में फिल्म का मुकाबला ऑल क्वाइट ऑन द वेस्टर्न फ्रंट, अर्जेंटीना 1985, बार्डो, फॉल्स क्रोनिकल ऑफ ए हैंडफुल ऑफ ट्रूथ्स, क्लोज और डिसीजन टू लीव से था। आर-आरआर भारतीय क्रांतिकारियों की एक काल्पनिक कहानी है। फिल्म में राम चरण और जूनियर एनटीआर अहम भूमिका में हैं। यह फिल्म 1920 के दशक के समय पर आधारित है जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था। फिल्म में आलिया भट्ट और अजय देवगन भी हैं। सर्वश्रेष्ठ गीत की श्रेणी में तेलुगु गीत नाटु नाटु ने टेलर स्विफ्ट के गीत कैरोलिना, ग्रेगोरी मान के चाओ पापा, लेडी गागा के होल्ड माय हैंड, फिल्म ब्लैक पैंथरःवकांडा फॉरएवर के गीत लिफ्ट मी अप और व्हाइट नॉइस के न्यू बॉडी रूंभा को मात दी। तेलुगु गीत नाटु नाटु के संगीतकार एम. एम. कीरावानी हैं और इसो स्वर काल भैरव और राहुल सिप्लिगुंज ने दिया है। नाटु नाटु का मतलब होता है नाचना। चार मिनट 35 सेकेंड का यह गीत राम चरण और जूनियर एनटीआर पर फिल्माया गया है, जिसमें उनके जोरदार नृत्य को भी काफी सराहना मिली है। गीत नाटु नाटु ने 14 अन्य गीत के साथ सर्वश्रेष्ठ मूल गीत की श्रेणी में 95वें अकादमी पुरस्कार की शॉर्टलिस्ट में भी जगह बनाई है। अंतिम नामांकन की घोषणा 24 जनवरी को की जाएगी। फिल्म को बाफ्टा की नॉट इन इंग्लिश लैंग्वेज श्रेणी की लॉन्ग लिस्ट में भी शामिल किया गया है।

सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बनी कटपुतली

खतरों के खिलाडी यानि अक्षय कुमार और रकुल प्रीत सिंह की क्राइम थ्रिलर फिल्म कटपुतली 2022 की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार डिजनी प्लस हॉटस्टार ने वर्ष 2022 के लिए सबसे अधिक स्ट्रीम की जाने वाली फिल्मों और श्रृंखलाओं की सूची का नेतृत्व किया जिसमें पूजा एंटरटेनमेंट की कटपुतली का शासन था। ऑरमैक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार ग्राउंड-ब्रेकिंग कंटेंट कि- एशन में पूजा एंटरटेनमेंट जैसे ठोस बैकर्स की मदद से डिज्नी प्लस हॉ-टस्टार 2022 में भारत में हिंदी भाषा के ओटीटी मूल दर्शकों की संख्या का नेतृत्व करने में सक्षम था। प्लेटफॉर्म ने शीर्ष 15 सबसे ज्यादा देखे जाने वाले मूल शो और फिल्मों में से सात को स्ट्रीम किया और कटपुतली सूची में सबसे आगे है। 2023 में पूजा एंटरटेनमेंट के पास गणपथ कैप्सूल गिल बड़े मियां छोटे मियां और कर्ण हैं। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग कटपुतली 26.9 मिलियन व्यूज के साथ सबसे ज्यादा देखी जाने वाली हिंदी फिल्म थी। फिल्म में सरगुन मेहता जोशुआ लेक्लेयर चंद्रचूर सिंह और हर्षिता भट्ट भी हैं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के अभिनेता का निधन, एक्टर लिवर सिरोसिस से थे पीड़ित

टीवी के मशहूर शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से घर-घर में मशहूर हुए सुनील होल्कर का 12 जनवरी को लिवर सिरोसिस के कारण निधन हो गया। वह 40 वर्ष के थे। टीएमकेओसी के अलावा, अभिनेता ने कई हिट मराठी फिल्मों में काम किया है और थिएटर का भी हिस्सा थे। लोकप्रिय टेलीविजन और मराठी अभिनेता सुनील होल्कर का 40 वर्ष की आयु में लीवर सिरोसिस के कारण निधन हो गया। वह तारक मेहता का उल्टा चश्मा में अपनी भूमिका के लिए सबसे प्रसिद्ध थे। टीएमकेओसी टीम ने उनके निधन की पुष्टि की। सुनील के परिवार में माता-पिता, पत्नी और दो बच्चे हैं। सिंटा ने दिवंगत अभिनेता को श्रद्धांजलि दी।

फैन्स के लिए सुनील का आखिरी मैसेज – सुनील होल्कर जिन्हें शायद यह आभास हो गया था कि उनकी तबीयत बिगड़ रही है, उन्होंने अपने मित्र को व्हाट्सएप पर अपना अंतिम संदेश पोस्ट करने के लिए कहा था। उसमें उन्होंने खास तौर पर जिक्र किया था कि यह उनका आखिरी पोस्ट था। मराठी से अनूदित संदेश को पढ़ा जा सकता है, दोस्तों, यह सभी के लिए मेरा आखिरी संदेश है। आपका यह मित्र स्वर्ग में निवास के लिए रवाना हो गया है। अगर मैंने कभी कुछ गलत कहा है या कोई गलती की है तो कृपया मुझे क्षमा करें। अलविदा, मैंने अपने मित्र को मेरी ओर से यह पोस्ट करने के लिए कहा था।"

सुनील होल्कर की विरासत – तारक मेहता का उल्टा चश्मा में सुनील होल्कर एक लोकप्रिय चेहरा थे। इस-के अलावा, वह कई मराठी फिल्मों जैसे मंडली तुमच्यासथी के पान, लाउ का लाठ, सगला करुण भागले और अन्य का हिस्सा थे।

क्रू के लिए पसीना बहा रही हैं करीना

अभिनेत्री करीना कपूर अपनी सेहत का पूरा ख्याल रखती है जिसके चलते वे अक्सर अपना वर्कआउट वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री करीना कपूर की ट्रेनर ने मुंबई वाले घर के अंदर से अभिनेत्री का व्यायाम और योगा सेशन का एक वीडियो शेयर किया है। गत शनिवार को अंशुका योगा द्वारा शेयर की गई क्लिप में करीना को घर में सीढ़ियां चढ़ते हुए दिखाया गया है। वीडियों में करीना ने ब्लैक टॉप ग्रे पैंट और व्हाइट स्नीकर्स पहने हैं। करीना को योग करते हुए भी देखा गया। वीडियो का एंड करीना के मेडिटेशन के साथ हुआ। बैकग्राउंड में सिंगर दिलजीत दोसांझ का गाना बॉर्न टू शाइन बज रहा था। फैंस ने करीना के डेडिकेशन की ता-रीफ की। एक यूजर ने लिखा क्वीन क्रू के लिए तैयार हो रही हैं। एक अन्य व्यक्ति ने कहा अपने व्यायाम पैटर्न से प्यार करो। व्यायाम न केवल आपको आकार में रखता है बल्कि आपको स्वस्थ और सक्रिय भी रखता है।

सूडोकु नवताल- 6315

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6314 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्दजाल - 7062

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	क	गो
न	का	मे	म	इं	भा	र	त	ति	ना	ला
अ	दा	र	रि	मा	ग	अं	द	ह	ड्र	का
फ्रां	स	ल	का	का	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	इ	ट	ली	दे
अ	ना	का	इं	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	डो	अ	ला	र	ची	न	ज
इं	न	भा	र	न	ने	स	रा	न	वि	र्म
क	ग्लैं	बा	अ	लं	का	शि	ह	न	जू	नी
र	का	ड	मा	न	सिं	ब्रा	या	का	प	श
बां	र	ल	प	स्पे	न	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में सर्वाधिक थिएटरों वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए, नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

चीन, अमेरिका, भारत, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, ईंग्लैंड, इटली, कनाडा, इंडोनेशिया

शब्दजाल - 7061 का हल

म	पु	णे	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	य
रा	वि	ली	प्रे	दि	ल्ली	मे	ष	बा	दी	छ
मि	आ	ब	वृ	क	इं	मु	ब	न	को	वा
बै	थु	ल	ना	क	डि	आ	ब	ल	ल	चा
न	ग	न	भ	ग	या	ल	न	ई	का	क
ली	ती	लो	सू	र	पु	सिं	र्नि	ग	ता	न
र	स	बा	र	स	क	र	ऊ	ई	है	ब
क	फ	चो	त	क	रा	म	तु	ला	द	म
स	या	औ	र	आ	क	गॉ	ल	प	रा	जी
कुं	भ	म	प	द	अ	ह	म	दा	बा	द
र्त	चे	न्न	ई	ग	र	ल	स	प	द	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6015

3	5				1	
1	30	2	37	6	31	
	1	6			2	
6	37	3	34	1	25	5
	7		6		2	
	33	4	32	4	30	2
	3		4		6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6014 का हल

6	1	7	4	3	5	2
2	28	4	40	7	35	4
1	2	5	6	4	7	3
5	28	3	38	6	34	1
4	2	6	3	5	1	7
3	31	2	24	1	30	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

पंत की छह हफ्ते में एक और सर्जरी होगी: कम से कम 18 महीने रहेंगे क्रिकेट से दूर

मुंबई।
कार एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल होने वाले भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज रिषभ पंत इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड में भी खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, पंत की पिछले दिनों मुंबई में लिगामेंट रि-कंस्ट्रक्शन सर्जरी हुई थी। अब छह हफ्ते बाद एक और सर्जरी होनी है। वे कम से कम 18 महीने तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पंत का वर्ल्ड कप के लिए फिट होना बहुत कठिन है। वह कब लौटेंगे यह कहना अभी जल्दबाजी होगी।

आईपीएल में भी नजर नहीं आएंगे पंत

ऋषभ पंत आईपीएल के इस साल के सीजन में खेलते हुए नहीं दिखेंगे। इसके बावजूद उन्हें पूरी सैलरी मिलेगी। दिल्ली कैपिटल्स ने पंत को 16 करोड़ रुपए में रिटेन किया था और उन्हें आईपीएल में न खेलने के बाद भी पूरी राशि मिलेगी, हालांकि यह राशि फ्रेंचाइजी नहीं बल्कि बीसीसीआई देगा।

मुंबई में ऋषभ पंत के घुटने की हो चुकी है सर्जरी

कार एक्सीडेंट में चोटिल हुए ऋषभ पंत के घुटने के लिगामेंट की सफल सर्जरी दो हफ्ते पहले हुई थी। वह अभी डॉक्टरों की निगरानी में हैं। पंत का इलाज मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में चल रहा है। पंत का ऑपरेशन अस्पताल के स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड ऑर्थोस्कोपी हेड डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने किया था। ऑपरेशन 3 घंटे तक चला था।

यह बड़े टूर्नामेंट करेंगे मिस

अगर पंत 18 महीने तक बहार रहते है तो कई बड़े टूर्नामेंट मिस करेंगे। इनमें जनवरी-फरवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज, मार्च-अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज, टेस्ट चैंपियनशिप (भारत फाइनल के लिए क्वालिफाई करता है तो), जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के अलावा सितंबर में एशिया कप और वनडे वर्ल्ड कप शामिल हैं। इसके अलावा भी आने वाले टूर्नामेंट में वे नहीं रहेंगे। ऋषभ के अगले साल आईपीएल में वापसी पर भी अभी संशय है। ऋषभ आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान हैं। उनकी जगह ऑस्ट्रेलिया के वॉर्नर कमान संभाल सकते हैं।

पंत का विकल्प बन सकते हैं चार खिलाड़ी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सिलेक्शन कमेटी के पास संजू सैमसन, ईशान किशान और केएस भरत और उपेंद्र कुमार विकल्प के तौर पर मौजूद हैं। भरत और उपेंद्र कुमार भारत ए टीम के सदस्य हैं।

घर जाते वक्त 30 दिसंबर को हुआ था एक्सीडेंट

30 दिसंबर पंत की कार एक हादसे का शिकार हो गई थी। वे दिल्ली से देहरादून अपनी मां से मिलने जा रहे थे। उनकी मर्सिडीज अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई, जिसके बाद उसमें आग लग गई और पलट गई। एक्सीडेंट के बाद पंत जलती हुई कार की खिड़की तोड़कर खुद ही बाहर निकले। लोग बचाने पहुंचे तो बोले- मैं ऋषभ पंत हूं। उन्हें सिर, पीठ और पैर में गंभीर चोटें आई थीं। पुलिस के मुताबिक, झपकी लगने से यह हादसा हुआ था।

न्यूज ब्रीफ

सितारों से सजी लिवरपूल को ब्राइटन ने 3-0 से हराया, हार के साथ जुर्गेन क्लॉप की टीम नौवें स्थान पर खिसकी

लंदन। मोहम्मद सालेह, विश्वकप में नीरदरलैंड के लिए तीन गोल करने वाले कोडी गावपो, कप्तान

जॉर्डन हेंडरसन जैसे सितारों से सजी लिवरपूल को ब्राइटन के हाथों 0-3 से अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ मैनेजर जुर्गेन क्लॉप की टीम इंग्लिश प्रीमियर लीग की अंक तालिका में नौवें स्थान पर खिसक गई है। उसकी अगले वर्ष की चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई करने की उम्मीदों भी ध्वस्त होने को हो गई हैं। क्लॉप ने अपनी टीम के निराशानजक प्रदर्शन के लिए क्लब के प्रशंसकों से माफी मांगी है। इस जीत के साथ ब्राइटन अंक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गया है। उसने तीनों दूसरे हॉफ में किए। सोलेमन मार्श ने 47वें और 53वें मिनट गोल किए, जबकि तीसरा और अंतिम गोल डैनी वेल्बेक ने 81वें मिनट में किया। चैंपियंस लीग के लिए ईपीएल की टॉप चार टीमों को प्रवेश मिलता है। ऐसे में लीग के लिए क्वालीफाई करने को लिवरपूल को यह मैच हर हालत में जीतना था। गत उपविजेता लिवरपूल के 18 मैचों में 26 अंक हैं, जबकि ब्राइटन के 18 मैचों में 30 अंक हैं। मैनचेस्टर यूनाईटेड की मैनचेस्टर सिटी पर 2-1 से जीत के बाद यूनाईटेड के डच मैनेजर एरिक टेन हैग ने टीम के प्रदर्शन पर कहा कि उनके प्रदर्शन में जरूर सुधार हुआ है, लेकिन अभी टीम को लंबा सफर तय करना है। कई क्षेत्रों में हमें अभी सुधार करना है, लेकिन हम आगे बढ़ रहे हैं। सिटी ने जैक गारिलिश के गोल की बदौलत बढ़त ली थी, लेकिन ब्रूनो फर्नांडीस और मार्कस रशफोर्ड के गोल की बदौलत यूनाईटेड ने अक्तूबर में इस क्लब के हाथों मिली 3-6 की हार का बदला ले लिया। इस जीत के साथ यूनाईटेड अंक तालिका में 18 मैचों में 38 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया। सिटी उससे सिर्फ एक अंक आगे है। वहीं नाटिंघम फॉरेस्ट ने लिसेस्टर को 2-0 से हराकर लीग के मुख्य डिवीजन से अपने को बाहर होने से फिल्हाल बचाकर रखा है। एक समय में अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रही नाटिंघम की पिछले छह मैचों में यह पांचवीं जीत है।

ऑस्ट्रेलिया ओपन मे गुम हुआ नडाल का रैकेट: मैच के दौरान ढूंढते रहे, फिर अंपायर से बोले - बॉल बॉय मेरा रैकेट ले गया

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया ओपन में पहले राउंड के मैच शुरू हो गए है। डिफेंडिंग चैंपियन नडाल का पहला

मुकाबला जैक ड्रेपर के खिलाफ था। टूर्नामेंट का अपना पहला मैच खेलने उतरे स्पेन के स्टार प्लेयर राफेल नडाल का रैकेट गुम हो गया। दरअसल वे जिस रैकेट की मरम्मत करना चाहते थे उसकी जगह बॉल बॉय उनका नया रैकेट ले गया। रैकेट को ढूंढते रहे मैच के दौरान चेंजओवर के टाइम नडाल बहुत देर तक रैकेट ढूंढते रहे। बाद में उन्हें समझ आया कि बॉल बॉय गलत रैकेट ले गया। उन्होंने मैच अंपायर से कहा कि, बॉल बॉय मेरा रैकेट ले गया है। मुझे वह वापस चाहिए। हालांकि इसके बाद उन्होंने अपने बैग से दूसरा रैकेट निकाला और मैच खेला। रैकेट न मिलने के बावजूद डिफेंडिंग चैंपियन ने पहला सेट 7-5 से अपने नाम किया। हालांकि, ड्रेपर ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी करते हुए इसे 6-2 से जीत लिया। लेकिन, नडाल ने तीसरा सेट 6-4 से जीतकर 2-1 की बढ़त बना ली और मैच अपने नाम किया।

यूक्रेन की मदद के लिए छोड़ा टेनिस: स्वितोलिना युद्ध-प्रेग्नेंसी के चलते 10 महीने पहले टेनिस से दूर हुईं, अब वापसी को तैयार

क्रिस्टोफर क्लेरी। यूक्रेन की सबसे सफल महिला टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने पिछले 10 महीने

से टेनिस नहीं खेला है। उनकी बेटी स्काई का जन्म पिछले साल अक्टूबर में हुआ। एलिना उन लोगों में शुमार हैं, जो यूक्रेन के खिलाफ चल रहे युद्ध के लिए पैसे जुटाने और जागरूकता बढ़ाने का काम कर रही हैं। स्विट्जरलैंड में पति और फ्रेंच टेनिस स्टार गेल मोंफिल्स के साथ रह रहीं स्वितोलिना ने महसूस किया है कि दुनिया यूक्रेन के संघर्ष में रुचि खो रही है। उन्होंने कहा कि यूरोप में कई बार लोग मेरे पास आए और पूछा कि क्या यूक्रेन में अभी भी युद्ध चल रहा है। यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। यूक्रेन में करीबी दोस्त और परिवार हैं और मुझे पता है कि वे किस हाल में हैं।दादी और यूक्रेन के लोगों को ध्यान में रखते हुए स्वितोलिना देश में बिजली बनाए रखने में मदद कर रही है। यूक्रेन के एक फंड-रेजिंग प्लेटफॉर्म के लिए उन्होंने दिसंबर में मोनाको में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया, जिससे करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए जुटाए।

तीसरे वनडे में बने बड़े रिकॉर्ड

भारत में विराट के नाम सचिन से ज्यादा शतक, पार्टनरशिप में पोंटिंग से आगे निकले

मुंबई।
भारत ने श्रीलंका को तीसरे वनडे में 317 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। विराट कोहली ने करियर का 46वां शतक जड़ते हुए 166 रन की नाबाद पारी खेली। शुभमन गिल ने भी शतक जमाया। पूरे मुकाबले में भारतीय टीम और भारतीय खिलाड़ियों की ओर से कई बड़े रिकॉर्ड्स बने। एक-एक कर तमाम रिकॉर्ड देखते हैं।

1. रोहित ने डिविलियर्स को पीछे छोड़ा - भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने 49 गेंद पर 42 रन की पारी खेली। इसके साथ ही 238 वनडे मैचों में उनके 9596 रन हो गए हैं। सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले प्लेयर में रोहित 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के एबी डिविलियर्स को पीछे छोड़ा। एबी ने 228 वनडे में 9577 रन बनाए थे।

2. भारत में सबसे तेज 7000 रन - रोहित ने भारत में तीनों फॉर्मेट मिलाकर 7009 रन बना लिए हैं। उन्होंने 149 मैच की 157 पारियों में 7000 रन का आंकड़ा पार किया। वह वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ कर ऐसा करने वाले तीसरे सबसे तेज भारतीय बने। उनसे आगे विराट कोहली ने 148 और सचिन तेंदुलकर ने 146 पारियों में ऐसा किया था।

3. बतौर ओपनर रोहित के 150 मैच पूरे - ओपनिंग करते हुए रोहित शर्मा ने 150 वनडे पूरे कर लिए हैं। 150 पारी तक ओपनर के रूप में उनके सबसे ज्यादा 7536 रन, सबसे ज्यादा 56.2 का औसत, सबसे ज्यादा 27 शतक और ज्यादा 232 छक्कों का रिकॉर्ड है।

4. श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के - रोहित शर्मा के श्रीलंका के खिलाफ 45 वनडे छक्के पूरे हो गए हैं। उन्होंने इस मामले में महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी की। धोनी के भी 45 छक्के हैं। धोनी के बाद भारत के लिए सचिन तेंदुलकर ने श्रीलंका के खिलाफ 30 छक्के लगाए हैं।

5. जीत में 12000 से ज्यादा रन - रोहित शर्मा के तीनों फॉर्मेट के दौरान टीम की जीत में 12041 रन हो गए हैं। टीम की जीत में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय प्लेयर्स की लिस्ट में वे तीसरे पर पहुंचे हैं। उनसे आगे विराट कोहली 16,119 और सचिन तेंदुलकर ने 17,113 रन टीम की जीत में बनाए हैं।

6. सचिन से आगे निकले रोहित - कप्तान के रूप में रोहित के 20 वनडे पारियों में 892 रन हो गए। शुरुआती 20 पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान की लिस्ट में उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। 1120 रन के सात विराट टॉप पर हैं।

7. शुभमन गिल ने बाबर को पीछे छोड़ा - भारतीय ओपनर शुभमन गिल ने तीसरे वनडे में 116 रन बनाए। इस पारी के साथ ही उनके 18 वनडे में 894 रन हो गए हैं। शुरुआती 18 वनडे मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने में वह पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम से आगे निकल गए। बाबर ने 18 वनडे में 886 रन बनाए थे। 18 मैचों बाद सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के फखर जमान के नाम है। फखर ने 1065 रन बना लिए थे।

8. रोहित ने कपिल का रिकॉर्ड तोड़ा - रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान श्रीलंका के खिलाफ 13वां वनडे जीता। श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे जीतने वाले भारतीय कप्तानों में उन्होंने कपिल देव को पीछे छोड़ा। कपिल की कप्तानी भारत ने 12 वनडे जीते हैं। पहले नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी हैं। धोनी ने 34 वनडे जीते हैं। धोनी के बाद मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 22 विराट कोहली ने 21 वनडे जिताए हैं।

9. श्रीलंका के खिलाफ तीसरा सबसे बड़ा टोटल - भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 50 ओवर में 390 रन बनाए। श्रीलंका के खिलाफ वनडे में यह तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। पहले से पांचवें तक इस लिस्ट में भारत ही है। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 414, 404, 392, 390 और 384 रन के स्कोर बनाए हैं। छठे नंबर पर साउथ अफ्रीका ने 376 और फिर ऑस्ट्रेलिया ने 375 रन बनाए हैं।

10. सबसे बड़ी जीत - भारत से मिले 391 रन के टारगेट के सामने श्रीलंका महज 73 रन पर ढेर हो गई। 317 रनों जीत वनडे में रन के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। भारत ने न्यूजीलैंड के 15 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। न्यूजीलैंड ने 2008 में आयरलैंड को 290 रन से हराया था।

11. एक टीम के खिलाफ सबसे बड़ी जीत - भारत ने वनडे क्रिकेट में श्रीलंका को 96वीं हराया है। इसके साथ वनडे में किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड टीम इंडिया के नाम हो गया है। पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 95 बार हराया था।

12. विराट ने जयवर्धने को पीछे छोड़ा - सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले प्लेयर्स की लिस्ट में विराट कोहली पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने श्रीलंका के महेला जयवर्धने को पीछे छोड़ा। जयवर्धने ने 448 वनडे में 12650 रन बनाए थे। विराट ने 268 वनडे में 12754 रन बना लिए हैं। सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वालों में सचिन तेंदुलकर टॉप पर हैं। उनके 463 मैचों में 18426 रन हैं।

13. सईद अनवर से आगे निकले विराट - श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा 50 प्लस स्कोर बनाने वाले खिलाड़ियों में विराट ने पाकिस्तान के सईद अनवर को पीछे छोड़ दिया। विराट ने 21 बार श्रीलंका के खिलाफ 50+ स्कोर बनाए।

विश्व कप में इंग्लैंड से दूसरी बार भारत ने खेला ड्रॉ, गोलरहित रहा मुकाबला, इंग्लिश गोलकीपर बने दीवार

राउरकेला।
इंग्लैंड के गोलकीपर डेविड एम्स भारतीय हमलों के आगे दीवार बनकर खड़े हो गए। यह प्लेयर ऑफ द मैच एम्स थे जिन्होंने एक नहीं कई मौकों पर गोल करने के भारतीय मंसूबे पूरे नहीं होने दिए। नतीजा यह निकला कि 21 हजार दर्शकों के भारी समर्थन के बावजूद भारतीय टीम इंग्लैंड को हरा नहीं पाई। उसे गोलरहित (0-0) ड्रॉ खेलने पर मजबूर होना पड़ा। विश्व कप के 52 साल के इतिहास में यह दूसरा मौका था जब भारत और इंग्लैंड ने ड्रॉ खेला, लेकिन यह विश्व कप में पहला मौका था जब दोनों ने गोलरहित ड्रॉ खेला। भारत ने अंतिम बार 1994 में इंग्लैंड को विश्वकप में हराया था। इस ड्रॉ के साथ विश्वकप में 29 साल से इंग्लैंड के खिलाफ भारत की जीत का सूखा जारी है। इस ड्रॉ के बाद भारत की चुनौतियां बढ़ गई हैं। अगर उसे पूल डी में टॉप पर रहकर क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश करना है तो अंतिम मैच में वेल्स को बड़े अंतर से हराना होगा। इंग्लैंड ने वेल्स को 5-0 से और पहले मैच में स्पेन ने वेल्स को 5-1 के अंतर से पराजित किया। भारत भाग्यशाली रहा जो अंतिम क्षणों में उसने गोल नहीं खाया। खेल समाप्त होने में 19 सेकंड रह गए थे जब इंग्लैंड को आठवां पेनाल्टीकार्नर मिला, लेकिन लियाम की फ्लिक को रोहिदास ने शानदार तरीके से बाहर किया। भारत को पूरे मैच में चार पेनाल्टी कॉर्नर मिले। ये सभी पहले हॉफ में मिले थे। पूरे मैच में इंग्लैंड के 23 के मुकाबले भारत ने 31 बार डी को भेदा और इंग्लैंड के आठ के मुकाबले नौ बार गोल पर निशाना साधा। पहले क्वार्टर में इंग्लैंड का दबदबा रहा। सात से नौ मिनट के बीच में उसे पांच पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन सैम वार्ड और अंसेल लियाम इन्हें गोल में नहीं बदल पाए। श्रीजेश ने इस दौरान कुछ बेहतरीन बचाव किए। हालांकि 12वें मिनट में भारत को पहला पेनाल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन हरमनप्रीत गेंद ठीक तरह से डी के अंदर खीच नहीं पाए। भारत इस क्वार्टर में भाग्यशाली रहा जो इंग्लैंड गोल नहीं कर पाया। दूसरे क्वार्टर में भी इंग्लैंड ने तेज शुरुआत की और पहले पांच मिनट में दो पेनाल्टी कॉर्नर अर्जित कर लिए, लेकिन दोनों ही मौकों पर रशर अमित रोहिदास ने लियाम की ड्रैग फ्लिक को बेकार कर दिया। भारतीय टीम इसके बाद हरकत में आई। इस दौरान उसे तीन पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन सभी बेकार गए। हालांकि, भारतीय टीम ने कई प्रभावी हमले बोले।

आर्सेनल के गोलकीपर रैम्सडेल को फैन ने मारी लात: फैन पर स्टेडियम ने आजीवन बैन लगाया, रैम्सडेल की विपक्षी टीम के खिलाड़ी से हुई थी नोकझोक

लंदन।
इंग्लैंड की प्रीमियर लीग में आर्सेनल के गोलकीपर आरोन रैम्सडेल पर एक विपक्षी टीम के फैन ने लात मारी। हालांकि सिक्योरिटी समय पर पहुंच गई और उस फैन को किनारे किया। आर्सेनल का मुकाबला अपनी राइवल टीम टॉटेनहेम से लंदन में स्थित उन्ही के स्टेडियम में हो रहा था।

मैच के ठीक बाद यह घटना हुई। मैच के बाद रैम्सडेल की झड़प टॉटेनहम के रिचारलिसन से हो गई थी। झड़प के बाद गोलकीपर गोलपोस्ट के पीछे गए। इस बीच टॉटेनहम का एक फैन रैम्सडेल को मारने ग्राउंड पर आने लगा। हालांकि वह रैम्सडेल को ज्यादा हानि नहीं पहुंचा सका। टॉटेनहम मैनेजमेंट ने इस घटना की निंदा की और फैन को स्टेडियम से हमेशा के लिए बैन कर दिया।

टॉटेनहम ने अपने ही फैन को निकाला - फैन के लात मारने पर टॉटेनहम मैनेजमेंट ने कहा कि, मैच में आर्सेनल के गोलकीपर पर फैन के हमला करने से हम चकित है। फुटबॉल में हिंसा के लिए किसी भी रूप में कोई जगह नहीं है। हिंसा का इस खेल में कोई स्थान नहीं है।

मैनेजमेंट फैन की पहचान कर रहा है - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी फैन का पता नहीं लग पाया है। टॉटेनहम के स्टेटमेंट में उन्होंने कहा कि, हम उस फैन को ढूंढने के लिए पुलिस कैमरा की मदद ले रहे है। फैन के मिलते ही आर्सेनल और रैम्सडेल के साथ हम उस फैन पर एक्शन लेंगे और उसे बैन भी करेंगे।

दोनों टीम के खिलाड़ियों में मुझे बचाने की कोशिश की - रैम्सडेल - मैच के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान आरोन रैम्सडेल ने कहा कि, यह शर्म की बात है क्योंकि आखिर में यह सिर्फ फुटबॉल का खेल है। दोनों टीम के खिलाडियों ने मुझे बचाने की कोशिश की। शुक्र है कुछ बड़ा नहीं हुआ। यह एक बुरा अनुभव था। लेकिन, हम अब ड्रेसिंग रूम में जाकर अपनी जीत का जश्न मनाएंगे। आर्सेनल ने लीग मैच में अपने राइवल टॉटेनहम को 2 -0 से हराया। टॉटेनहम के गोलकीपर ह्यूगो लोरिस ने पहल गोल ओन गोल किया। इसके बाद दूसरा गोल टीम के कप्तान मरीन ओडेगार्ड ने 36वें मिनट में किया।

गावी की बदौलत बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 3-1 से हराया, 14वीं बार जीता स्पैनिश सुपर कप

रियाद।
बार्सिलोना ने सऊदी अरब में रियल मैड्रिड को 3-1 से हराकर स्पेनिश सुपर कप जीता। कोच जावी हर्नांडीज के इस टीम का पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली ट्रॉफी है। युवा मिडफील्डर गावी ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने खुद स्कोर करने के साथ दो असिस्ट भी किए। रॉबर्ट लेवांदॉस्की और पेड्री गोंजालेज को गोल करने में मदद भी की। काफी समय बाद बार्सिलोना ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया है। बार्सा में एक खिलाड़ी के रूप में सफलता का आनंद लेने के बाद, जावी नवंबर 2021 में टीम के कोच के तौर पर लौटे। एक साल की कड़ी मेहनत के बाद अब प्रतीत हो रहा है कि उनकी टीम सही दिशा में चल रही है। मैच का पहला गोल गावी ने 33वें मिनट में दागा। इसके बाद उनके असिस्ट पर लेवांदॉस्की ने 45वें मिनट में बार्सिलोना के लिए दूसरा गोल किया। गावी के एक बार फिर शानदार पास दिया, जिस पर पेड्री ने 69वें मिनट में गोल दाग अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया। इससे रियल मैड्रिड की टीम उबर नहीं सकी। करीम बेंजेमा ने इंजरी टाइम (90+3वें मिनट) में गोल जरूर दागा, लेकिन

वह अपनी टीम की वापसी नहीं करा सके। इस तरह बार्सिलानो ने 3-1 से जीत दर्ज की। मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोट्टी को 2014 के बाद से किसी भी फाइनल में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, बार्सिलोना ने 14वीं बार स्पैनिश सुपर कप का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना के कप्तान सर्जियो बुस्केट्स ने मैच के बाद कहा- हम जानते थे कि हमारे पास मौका है। हम क्लब और ड्रेसिंग रूम में बदलावों के दौर से गुजरे हैं और यह हमें और अधिक खिताबों के लिए लड़ते रहने के लिए मजबूत करेगा। जावी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- गावी एक बच्चा है जो हम सभी को अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित करता हैष जब आप उसे इस तरह से खेलते हुए देखते हैं, तो वह अपना सबकुछ न्योछावर कर देता है। वह एक ऐसा चरित्र है जो टीम के लिए कुछ भी करने को तैयार है। उसके पास नेतृत्व करने की क्षमता है। यह उसके दिल से आता है, जो कि शानदार है। मैं चाहता हूं कि वह इस क्षमता को कभी कम न होने दे।

वायकॉम 18 ने खरीदा विमेंस आईपीएल का मीडिया राइट

5 सीजन के लिए बीसीसीआई को मिलेंगे 951 करोड़ रुपए, हर मैच की कीमत 7.09 करोड़

मुंबई।
रिलायंस से जुड़ी ब्रॉडकास्ट कंपनी वायकॉम 18 ने विमेंस आईपीएल के पहले 5 साल (2023-27) के मीडिया राइट्स खरीद लिए हैं। इनमें टीवी और डिजिटल दोनों राइट्स शामिल हैं। कंपनी इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड को 951 करोड़ रुपए देगी। यानी विमेंस आईपीएल के एक मैच के राइट्स की कीमत 7.09 करोड़ रुपए होगी। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने ट्वीट कर वायकॉम 18 को बधाई दी है। आठ कंपनियों ने नीलामी में हिस्सा लेने के लिए टेंडर डॉक्यूमेंट्स खरीदे थे लेकिन बोली सिर्फ दो कंपनियों ने लगाई। वायकॉम 18 के अलावा डिज्नी स्टार रेस में शामिल थी। राइट्स की नीलामी क्लोज बिड के जरिए हुई। यानी नीलामी में भाग ले रही कंपनियों को एक दूसरे के प्राइस और बिडिंग अमाउंट के बारे में नहीं पता था। सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी वायकॉम 18 ने बाजी मारी। विमेंस आईपीएल में पांच टीमें हिस्सा लेंगी। टीमों के नाम और शहर का खुलासा

25 जनवरी को होगा। फरवरी में खिलाड़ियों का ऑक्शन होगा। विमेंस आईपीएल का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। लीग के मुकाबले भारत में 2 अलग-अलग वेन्यू पर खेला जाएंगे। बीसीसीआई अब तक विमेंस टी-20 चैलेंज आयोजित करता रहा था। इसके मुकाबले पुरुष आईपीएल सीजन के बीच में होते थे। महिला आईपीएल के मीडिया राइट्स महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे लीग की 5 टीमों का 80 फीसदी रेवेन्यू आना है। बीसीसीआई ने यह स्पष्ट किया है कि, टीमों को पहले पांच साल में कॉमर्शियल रेवेन्यू का 80 फीसदी मिलेगा। इसके बाद 5 साल 60प्रतिशत और उसके बाद 50प्रतिशत हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा, फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लिसेंसिंग राइट्स से प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बीसीसीआई ने पुरुष आईपीएल के अगले पांच सीजन (2023 से 2027) के मीडिया राइट्स की नीलामी 48,390.52 करोड़ रुपए में की थी। डिज्नी स्टार ने भारतीय महाद्वीप के राइट्स को 23,575 करोड़ रुपए में खरीदे थे।

वहीं, वायकॉम 18 ने भारतीय महाद्वीप के डिजिटल राइट्स को 20,500 करोड़ रुपए में और चुनिंदा 98 मैचों के नॉन एक्सक्लूसिव डिजिटल राइट्स को 3,258 करोड़ रुपए में खरीदा था। ब्रॉडकास्ट राइट्स के हिसाब से पुरुष आईपीएल के 1 मैच की कीमत 118 करोड़ रुपए है। महिला आईपीएल कारवां फॉर्मेट में होगा। यानी लीग का पहला स्टेज किसी एक शहर में होगा और फिर नॉकआउट सहित अगला स्टेज दूसरे में होगा। मैचों के लिए शॉर्ट लिस्ट हुए शहरों में दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम), लखनऊ (अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम), कोलकाता (ईडन गार्डन स्टेडियम), बेंगलुरु (एम चिन्नास्वामी स्टेडियम), अहमदाबाद (नरेंद्र मोदी स्टेडियम), चेन्नई (एमए चिदंबरम स्टेडियम), धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम), गुवाहाटी (बारसपारा स्टेडियम), इंदौर (होलकर स्टेडियम) और मुंबई (वानखेड़े, ब्रेबोर्न, डीवाई पाटिल स्टेडियम) शामिल हैं। इस समय ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में विमेंस क्रिकेट का आयोजन होता है। ऑस्ट्रेलिया में विमेंस बिग बैश और इंग्लैंड में विमेंस द हंड्रेड नाम से टूर्नामेंट का आयोजन होता है। हालांकि, ये बोर्ड महिला लीग के मीडिया राइट्स अलग से नहीं बेचते हैं। दोनों ही बोर्ड ओवरऑल मीडिया राइट्स की नीलामी करते हैं इसमें वहां होने वाले पुरुष और महिला इंटरनेशनल क्रिकेट मैचों के साथ-साथ दोनों वर्गों की लीग के मुकाबले भी शामिल होते हैं।

युरिन रोकने के भी होते हैं फायदे

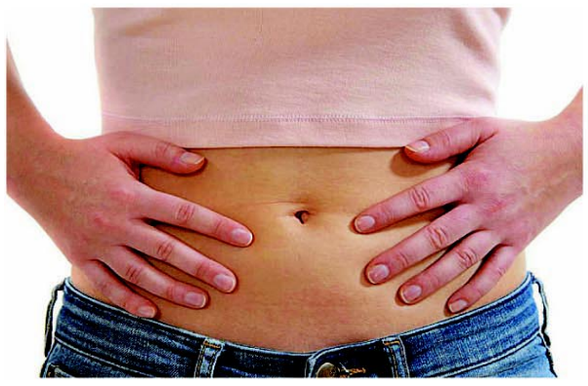

आपने ये तो सुना होगा कि पेशाब रोकने के नुकसान के बारे में तो सुना होगा, लेकिन क्या आपने कभी पेशाब रोककर रखने के फायदे के बारे में सुना है? जी हां, शोधकर्ता आइरिस ब्लैंडों-गितलिं के अनुसार पेशाब रोकने से इच्छा शक्ति बढ़ती है। विज्ञान के अनुसार भी ये ट्रिक काम करती है।

क्या कहता है शोध

पेशाब पर हुए एक अनुसंधान से पता चलता है कि पेशाब को रोककर रखना आपकी इच्छा शक्ति को बढ़ाने में सहायक हो सकता है। कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, फुलरटन में साइकोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर, आइरिस ब्लैंडों-गितलिं के अनुसार इसका संबंध इंपल्स कंट्रोल (आवेग नियंत्रण) से है। प्रोफेसर, आइरिस ब्लैंडों-गितलिं ने ब्लैडर (मूत्राशय) के भरे होने पर दिमाग को होने वाले फायदे पर अनुसंधान किया जिसमें पता चला कि मूत्राशय के भरे होने पर न सिर्फ इच्छा शक्ति बढ़ती है बल्कि अधिक विश्वसनीय तरीके से झूठ बोला जा सकता है।

आवेगों से लड़ने में मदद मिलती है

प्रोफेसर आइरिस कहती हैं कि ऐसा नहीं है कि पेशाब करने से दिमाग का कोई हिस्सा सक्रिय हो जाता है, लेकिन आपको लगता है कि आप आत्म संयम को ट्रिगर कर रहे हैं, जिससे आपको अन्य प्रकार के आवेगों से लड़ने में मदद मिलती है। आवेग को कम प्रभावी करने वाला यह प्रभाव आपको बेहतर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकता है। पेशाब से संबंधित एक और शोध में डच शोधकर्ताओं ने पाया कि भ्रामक मानसिक परीक्षण के दौरान जिन लोगों ने पेशाब किया उनकी तुलना में, पेशाब रोककर रखने वाले लोगों नें ज्यादा स्कोर पाया।

शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने पेशाब को रोककर रखा वे प्रश्नों पर ज्यादा बेहतर तरीके से फोकस कर पाए। बल्कि उन्हें लेजर जैसा फोकस मिला। ब्लैंडों-गितलिं कहती हैं कि इस शोध में उन्होंने लोगों को तब तक पेशाब जानें तक रोका, जब तक कि उन्हें ऐसा करने की इच्छा हो रही थीं। लोगों को तब नहीं रोका गया जबकि वे पेशान रोक ही न पा रहे हों। तो पेशाब को बहुत ज्यादा देर तक नहीं रोकना चाहिए। हालांकि वहीं दूसरी ओर कई शोध और विशेषज्ञ ज्यादा देर तक पेशाब रोककर रखने के गंभीर नुकसानों को साबित कर चुके हैं। ऐसा करने से यूरेन ट्रेक्ट इंफेक्शन हो सकता है।

जमीन से निकाला 300 साल पुराना जहाज

वर्जीनिया के ओल्ड टाउन अलेक्जेंड्रिया में एक नए होटल के कन्सट्रक्शन साइट पर जब खुदाई की गई, तो वहां से करीब 300 साल पुराना एक जहाज के अवशेष बाहर निकले हैं। बताया जा रहा है कि यह जहाज साल 1775 से 1798 के बीच में कभी डूब गया होगा। द वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पुरातत्व वैज्ञानिकों ने 220 एस यूनियन स्ट्रीट से एक जहाज का आंशिक हिस्सा प्राप्त किया है। यह शहर के पोटोमैक रिवर वाटरफ्रंट के अहम रीडैवलैपमेंट का हिस्सा है।

यह वन ब्लॉक साइट पर है, जहां वर्कर्स ने दो महीने पहले 1755 की एक वेयरहाउस की नींव खोजी थी। जिसे शहर की पहली सार्वजनिक बिल्डिंग माना जा रहा है। कंस्ट्रक्शन के समय ऐतिहासिक सबूतों पर निगरानी रखने वाली फर्म, थंडरवर्ल्ड आर्कियॉलॉजी के फील्ड डायरेक्टर डैन बैकी ने बताया कि यह काफी दुर्लभ है। यह लगभग कभी नहीं होता है। पिछले 15 सालों से मैं यह काम कर रहा हूं। मैंने कभी भी एक ऐसे शहरी माहौल में इस तरह का संरक्षण नहीं देखा, जहां बहुत ज्यादा बाधाएं हों। नेवल आकियोलॉजिस्ट्स भी साइट पर स्टाफ से मिल गए। वे इस जहाज के हर हिस्से की जांच कर रहे हैं। इसकी संरचना से पता लगाया जा रहा है कि आखिर यह कहां से चला था और क्या लेकर जा रहा था? आम जनता को मंगलवार से सुबह के 10 बजे से लेकर दोपहर तक इस खोज को देखने के लिए बुलाया गया है। इसके बाद इसे इस जगह से हटा लिया जाएगा।

इस व्यक्ति ने सालभर खाया सिर्फ पिज्जा

एक व्यक्ति ने वर्ष 2015 के पहले दिन एक अजीब संकल्प लिया। उसने सालभर तक सिर्फ पिज्जा खाने का संकल्प लिया। यह व्यक्ति है केल फीनी। केल ने जनवरी 2015 में नव वर्ष का संकल्प लिया कि वे रोजाना सिर्फ पिज्जा ही खाएंगे। साथ ही चैरिटी के लिए पैसे जमा करने का संकल्प लिया था। संकल्प लेने के बाद केल ने रोजाना हर 24 घंटे में एक बार पिज्जा की एक स्लाइस खाते हुए रिकॉर्डिंग की। साथ ही केल ने रोज पिज्जा खाने के नतीजे इंस्टाग्राम पेज तस्वीर डालकर पोस्ट की। केल टमाटर और चीज स्नैक के 365 पिज्जा खाने के बाद भी बीमार नहीं पड़ा। इतना ही नहीं उसने चैरिटी के लिए पैसे भी जमा किए। गो फंड मी पेज पर उसने 6 लाख 80 हजार रूपए जमा किए। केले ने ऑटिज्म स्पीक्स को अपनी पसंद की चैरिटी के रूप में चुना।

लैपटॉप की स्क्रीन को साफ करने से पहले जरा ध्यान दें

अगर आप अपने लैपटॉप या फिर कंप्यूटर को साफ करने की सोच रहें है तो जरा संभल कर ऐसा न हो कही आप की जरा सी चूक की वजह से लैपटॉप या फिर कंप्यूटर की स्क्रीन का भारी नुकसान हो। अक्सर देखा गया है ग्लास या फिर स्क्रीन को साफ करने के लिए पेट्रोल, केमिकल या फिर साधारण पानी का प्रयोग किया जाता है। इसके प्रयोग से स्क्रीन में स्क्रैच के साथ उसकी चमक भी चली जाती है। लैपटॉप या फिर पीसी की स्क्रीन को साफ करने के लिए प्रयोग किया जाने वाला कपड़ा काफी सॉफ्ट और साफ होना चाहिए।

पेट के कैंसर से बचा सकता है बैंगनी आलू

बैंगनी आलू को अपने भोजन में शामिल कर आप पेट के कैंसर से बच सकते हैं। बैंगनी आलू पेट के कैंसर के लिए जिम्मेदार स्टेम कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं तथा इस घातक बीमारी को फैलने से रोकते हैं। अमेरिका की पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में खाद्य विज्ञान के सहायक प्रोफेसर जयराम वानामाला ने बताया कि कैंसर का मुकाबला करने के लिए स्टेम कोशिकाओं पर हमला करना एक प्रभावी तरीका है।

आज अधिकतर लोग यही कहते मिल जाएंगे कि झूठ बोलने में हर्ज ही क्या है। झूठ की शान तब और बढ़ जाती है जब यह कहा जाता है कि कोई काम यदि झूठ बोलने से बनता हो या किसी की जान बचती हो तो झूठ बोलने में कोई हर्ज नहीं। मगर झूठ का मामला यहीं नहीं रुकता। आज यह कारोबार है, जीवनशैली है। हमें अपने इर्दगिर्द तमाम ऐसे लोग मिल जाएंगे जो सुबह से शाम तक कई बार झूठ बोलते हैं। उनके लिए यह सामान्य बात है और यह इस हद तक जा पहुंचता है कि इसमें उन्हें मजा आने लगता है।

अपने झूठ के सहारे किसी दूसरे को चकित या भ्रमित करना उनके लिए ओलंपिक में भाग लेने से कम नहीं है। बहरहाल, ऐसे लोग अपनी इस आदत या शौक के बारे में चाहे जो सोचें लेकिन मनोचिकित्सकों की निगाह में यह एक बीमारी है। उनकी सलाह है कि लोग सावधान हो जाएं। हो सकता है कि सामने वाले पैथोलॉजिकल लायर यानी झूठ बोलने के शिकार हों। ऐसे व्यक्ति अपने हिस्टीरिकल व्यक्तित्व की वजह से चाह कर भी सच नहीं बोल पाते। वे रोजमर्रा के जीवन में बिना हानि-लाभ के भी झूठ बोलते हैं। वे अपनी बात शुरू ही झूठ से करते हैं।

दूसरे, कुछ लोग अपनी ही बात को झूठ साबित करने पर तुले रहते हैं। वे सुबह कुछ कहते हैं और शाम को कुछ और। मगर ऐसे लोगों का झूठ समाज को नुकसान नहीं पहुंचाता। हां, इससे उनसे घर वाले व नजदीक के दूसरे लोग जरूर परेशान होते हैं। घर के माहौल, अतिरिक्त दबाव, भय या आनंद के लिए भी कई दफा बच्चों को झूठ बोलने की आदत पड़ जाती है। वे बात-बात में झूठ बोलते हैं। बड़े होकर यही बच्चों बिना बात साधारण-सी घटना को बढ़ा-चढ़ाकर बताने की आदत पाल लेते हैं। धीरे-धीरे यह झूठ उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाता है और उन्हें अपने झूठ बोलने का अहसास ही नहीं रह जाता। रोजमर्रा से जुड़ी घटनाओं को लें और देखें कि आप झूठ पकड़ने में कितने होशियार हैं।

वे अपने भाई या बेटे से पूछें कि क्या तुम सिगरेट पीते हो या कोई महिला अपने पति से पूछे कि तुम रोजाना देर से क्यों घर आते हों? क्या तुम्हारे ऑफिस में काम बढ़ गया है या तुम मुझसे कुछ छिपा रहे हो? जो भी उत्तर मिलेगा, उससे यह जाना जा सकता है कि वे झूठ बोल रहे हैं या झूठ। सच का पता लगाने के लिए किसी खास प्रशिक्षण की जरूरत नहीं होती। न ही सामने वाले को कोई अपराधी मानने की जरूरत है। बस उनकी आवाज पर ध्यान दें क्योंकि आवाज के सहारे यह पता लगाया जा सकता है कि झूठ बोला जा रहा है या सच। झूठ बोलते हुए आवाज में परिवर्तन आने के वैज्ञानिक प्रमाण मौजूद हैं। यह बात दूसरी है कि हम उस पर ध्यान नहीं देते, खासकर तब जब बोलने वाला थोड़ा चालाक हो। इसलिए प्रश्न पूछने के बाद बोलने वाले की आवाज पर ध्यान देना चाहिए। झूठ बोलते ही बोलने वाले की सामान्य व्यवहार में परिवर्तन आ जाता है।

या तो वह जरूरत से ज्यादा संयमित दिखने की कोशिश करेगा या हाथों का सहज चलना एकाएक बंद हो जाएगा। धोखाधड़ी के मामलों पर अध्ययन कर रहे विशेषज्ञों ने माना है कि मनुष्य में सच-झूठ में अंतर करने की क्षमता निहायत कमजोर होती है। लंबे समय तक शोधकर्ता यही तर्क देते रहे कि झूठ बोलने वाले नजरें मिलाने से कतराते हैं। सच न बोलने वाले सामान्य लोगों से ज्यादा नजरें मिलाकर और दम से बात करते हैं। झूठ बोलने वाला ऐसा इसलिए करता है ताकि अपने चारों तरफ सच का वातावरण तैयार कर सके और यही वह स्थिति है जहां हम धोखा खा जाते हैं।

अब तक शोधकर्ताओं ने झूठ बोलने वाले के बारे में यही कहा है कि झूठ बोलने वाला प्रश्न पूछे जाने पर रुक-रुक कर और सोच-सोचकर बोलता है। उसका वाक्य-विन्यास छोटा होता है। उसकी भाषा में गलतियां होती हैं और पूरी बातचीत के दौरान स्थिर-सा रहता है।

झूठ बोलने वाले को कैसे पहचानें

- झूठ बोलने वाला व्यर्थ की बातों को बढ़ा-चढ़ाकर बताता है।
- इस तरह की सोच वाले हमेशा अपने आपको दूसरों से बेहतर साबित करने में लगे रहते हैं। अगर किसी व्यक्ति को सही-गलत सिखाना चाहेंगे तो वह उलट कर आपको गलत साबित करने की कोशिश करेगा। प्यार और अच्छे मकसद से समझाने पर भी आपकी बात नहीं मानेगा। वह बहस करने लगेगा। वह अपने आप में किसी भी तरह की कमी से इनकार कर देता है।
- इस तरह का व्यक्ति अपने आसपास एक सच्चाई का घेरा बनाकर रखता है लेकिन, वह सच का महत्व नहीं समझता। अगर उसे झूठा बोलोगे तो वह या तो कन्नी काट लेगा या फिर सामने वाले व्यक्ति को बुरा-भला कहकर खुद को सच्च साबित करने में लगा रहेगा। वह जब अपनी बात साबित नहीं कर पाता तो ऐसे दर्शाता है जैसे कुछ भी नहीं हुआ है और सब मिलकर बात का बतंगड़ बना रहे हैं।
- इस तरह के व्यक्ति क्योंकि सच में विश्वास नहीं करते इसलिए वफादार भी नहीं होते। वह व्यक्ति हर समय अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं तथा किसी भी परिस्थिति में अपने जैसे व्यक्ति ढूंढ़ते हैं।
- अगर ऐसे व्यक्ति का झूठ पकड़ा जाता है तो वह सहानुभूति अर्जित करने के लिए अपने आपको बीमार दिखाते हैं तथा अपने आपको किसी भयंकर बीमारी से ग्रस्त बताकर सहानुभूति लेना चाहते हैं। यह उस स्थिति से बचने का हथियार होता है।
- यह व्यक्ति हमेशा अपनी बातों पर टिककर नहीं रह पाता। पल-पल में वाक्य बदलता है, पर ऐसे लोगों की मैमोरी जबरदस्त होती है। वे एक साथ कई झूठ बोलते हैं और यह याद भी रखते हैं कि कहां क्या बोला था। इससे उनका झूठ जल्दी पकड़ा नहीं जाता।

यह है इलाज

आदतन झूठ बोलने वाले को किसी अच्छे मनोचिकित्सक और मनोवैज्ञानिक की सलाह लेकर कुछ सेशन लेने चाहिए।

साइकोथैरेपी: यह एक लम्बी प्रक्रिया है। इसमें रोगी को मनोवैज्ञानिक बल दें। रोगी का ध्यान दूसरी तरफ लगाने की कोशिश करें। नकारात्मक व नैराश्यपूर्ण बातें, मानसिक परेशानियों का कारण बनती हैं। रचनात्मक गतिविधियों में अपनी सक्रियता बढ़ाकर इससे बचा जा सकता है। यह अनुसंधान से साबित हो चुका है। मधुर संगीत आपके तनाव को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है। भजन या फिर शास्त्रीय संगीत का आनंद लें।

संज्ञानात्मक व्यवहारात्मक थैरेपी: यह आपके नकारात्मक विचारों को दूर करने में सहायक होती है। इसके अलावा, जीवन के प्रति आपका सकारात्मक रवैया बनता है।

कब्ज से निजात के लिए करें योगमुद्रासन

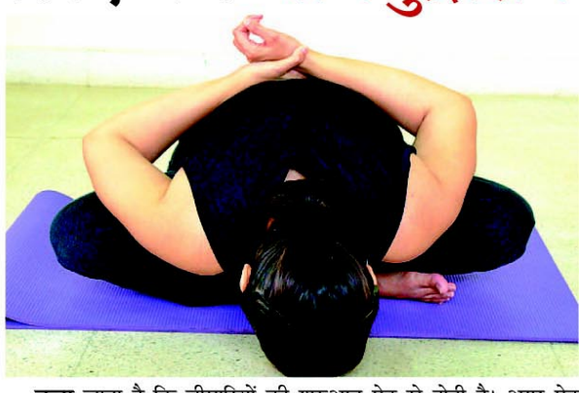

कहा जाता है कि बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है। अगर पेट कब्जियत से मुक्त हो तो उसकी कार्यप्रणाली सुचारु होती है और जब पेट की कार्यप्रणाली सुचारु होती है तो तमाम बीमारियां अपने-आप दूर रहती हैं। स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि पेट को दुरुस्त रखा जाए और इस दृष्टि से योगमुद्रासन का नियमित अभ्यास एक अच्छा उपाय हो सकता है। चूंकि योगमुद्रासन रीढ़ से जुड़ी नसों की कार्यप्रणाली को भी सही करता है, इसीलिए योग की साधनाओं की उपयोगिता बहुत महत्वपूर्ण है।

आसन की विधि

- टांगों को सामने फैला कर बिल्कुल सीधा बैठें।
- अब दाएं घुटने को मोड़कर पांव को बायीं जांघ पर इस तरह रखें कि एड़ी घुटनों के मूल से सटी हो।
- अब बायीं टांग को भी घुटनों से मोड़कर पांव को दाईं जांघ पर वैसे ही रखें जैसे पहले दायें पांव को बाईं पर रख चुके हों।
- वस्तुत- यह पद्मासन है। जो योगमुद्रासन की साधना के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है। अगर पद्मासन मैं बैठना आपके लिए संभव न हो तो आप अपनी सुविधानुसार अर्ध पद्मासन में भी बैठ सकते हैं। इसके लिए आपको घुटने तो दोनों मोड़ने होंगे, लेकिन जांघ पर एक ही पांव रखना होगा। दूसरा पांव आप एक पैर के नीचे रख सकते हैं।
- अब आप अपनी आंखें बंद कर लें। गहरी सांस लें और शरीर को ढ़ीला छोड़ दें।
- दोनों हाथों को पीठ की तरफ पीछे ले जाएं और एक हाथ की कलाई को दूसरे हाथ से पकड़ लें।
- सांस को धीरे-धीरे बाहर की तरफ छोड़ते हुए आगे की तरफ इस तरह झुके कि ललाट फर्श की तरफ हो।
- शरीर को फिर से ढ़ीला छोड़ दें और सामान्य ढंग से सांस लें। जितनी देर तक आसानी से संभव हो इसी मुद्रा में बनी रहें।
- इसके बाद सांस को अंदर की ओर खींचते हुए वापस पहले जैसी अवस्था में आ जाएं।
- बैठने के लिए पद्मासन की मुद्रा में पांवों को आपस में अदल-बदल कर यानी बाएं की जगह दाएं और दाएं की जगह बाएं पैर को रखकर इसी प्रक्रिया को दुहराएं।

इस आसन से लाभ: यह पेट की मांसपेशियों का मसाज करता है। इससे पेट के विभिन्न हिस्सों में होने वाली छोटी-बड़ी बीमारियों का उपचार भी हो जाता है। खास तौर से कब्जियत और अपच के मामले में यह अत्यंत लाभकारी साबित होता है। रीढ़ की हड्डी को भी यह पोषण देता है। रीढ़ से जुड़ी हुई नसों में लोच उत्पन्न करके यह उनकी कार्यप्रणाली को अधिक सुचारु बनाता है और स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

सावधानियां: अगर आपकी आंखों, हृदय या पीठ में लंबे समय से कोई गंभीर रोग हो तो इस आसन का अभ्यास न करें। अगर किसी तरह का ऑपरेशन या प्रसव हुआ हो तो भी कुछ दिन रुक कर स्वास्थ्य सामान्य हो जाने के बाद ही इसका अभ्यास करना चाहिए।

कुछ खास बातें: आसन करते हुए अगर आप पर्याप्त समय तक इसका अभ्यास न कर सकें तो थोड़े-थोड़े समय के लिए दो-तीन बार इसका अभ्यास कर सकती हैं। इस आसन का अभ्यास या तो सुबह नाश्ते के पहले कर लें या फिर दोपहर के भोजन के कम से कम चार घंटे बाद शाम को करें। योगमुद्रासन के बाद कोई ऐसा आसन भी करना चाहिए जिसमें पीठ पीछे की ओर मोड़ी जाती हो।

अपने बच्चों की आंखों पर भी दें ध्यान

आंखें प्रकृति की नियामत हैं। इन्हें सहेज कर रखना हम सबका कर्तव्य है । बचपन से ही बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि आंखों की उचित देखभाल करना कितना जरूरी है ।

क्या करें

- बच्चे की पढ़ाई वाले स्थान पर उचित प्रकाश का होना आवश्यक है ।
- जब बच्चा पढ़ रहा हो तो माता-पिता इस बात पर ध्यान दें कि पुस्तक पर प्रकाश पड़ना चाहिए न कि पुस्तक पर अपनी परछाई।
- कुछ भी खाने से पूर्व बच्चों को सिखाएं कि अपने हाथों को अच्छी तरह धोने के बाद ही भोजन ग्रहण करें।
- बच्चों के नाखूनों को समय-समय पर काटते रहें।
- बच्चों को संतुलित आहार दें। आहार में सूप, मौसमी, हरी सब्जियां, फल, दूध, दही आदि दें।
- बच्चों को कम से कम 8 घंटे की नींद लेने दें।
- सूर्य की तेज किरणों से बच्चों को बचा कर रखें। अधिक गर्मी में उन्हें बाहर न भेजें और न ही खेलने दें।
- बच्चों को समझाएं कि बैठ कर पढ़ाई करें और टी.वी. भी बैठकर देखें। पुस्तक उचित दूरी पर रखें और आंखों के बीच उचित दूरी बना कर रखें।
- टी.वी. देखते समय बीच-बीच में आंखों को आराम दे।
- बच्चों को तेज हवा में बाहर जाने से रोकें।
- बच्चों को आंखों के हल्के-फुल्के व्यायाम सिखाएं। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए दोनों हथेलियों से आंखों को ढ़क कर नेत्रों को चारों ओर धीरे-धीरे घुमाएं।
- बच्चों की कब्ज पर ध्यान दें। कब्ज भी आंखों पर कुप्रभाव डालती है।
- बच्चों को नहलाते समय ध्यान दें कि साबुन वाला पानी या झाग आंखों में न जाए।
- लगातार सिरदर्द की शिकायत होने पर बच्चों की आंखों का चेकअप करवाएं।

क्या न करें

- गंदे पानी से आंखों को न धोने दें।
- दूसरों के रूमाल, तौलिए और ऐनक का प्रयोग न करने दें।
- कम रोशनी में बच्चों को न पढ़ने दें।
- बच्चों को गंदे हाथ आंखों पर न मलने दें।
- बगैर चिकित्सक से परामर्श लिए कोई भी दवा आंखों में न डालें।
- गर्म पानी का शावर सीधा चेहरे पर न डालने दें।
- तेज रसायनयुक्त साबुन, शैम्पू का प्रयोग न करने दें।

रेसिपी

कड़ाला करी

सामग्री

1 कप काला चना, रातभर भिगोकर छाने हुए, 1 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टी-स्पून सौंफ, 5 सूखी लाल मिर्च (पान्डी), टुकड़ो में तोड़ी हुई, 3/4 कप कसा हुआ नारियल, 1 1/2 टेबल-स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर,1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून सरसो, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च, टुकड़ो में तोड़ी हुई, 5 कड़ी पत्ता

विधि

खड़ा धनिया, सौंफ और पान्डी लाल मिर्च को एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मिलाकर मध्यम आंच पर 3 मिनट के लिए भुन लें। मिश्रण को पुरी तरह ठंडा होने दें। ठंडा करने के बाद, नारियल और लगभग 1/2 कप पानी के साथ मिक्सर में पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। चना, नमक और 2 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 4 सीटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पूर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें। एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 3-4 मिनट तक भून लें। टमाटर डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 4 मिनट तक पका ले। तैयार पेस्ट और हल्दी पाउडर पालकर अच्छी तरह मिला ले और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 4 मिनट तक पका लें। पके हुए चने के पानी के साथ चना और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 6 से 8 मिनट तक पका लें।

उसल

सामग्री

1 कप मिले-जुले अंकुरित दानें (मूंग, चना, मटकी आदि), 2 टी-स्पून तेल, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 कप कटा हुआ प्याज, 1 कप कटे हुए टमाटर, 3 टेबल-स्पून तैयार सूखी लहसुन की चटनी, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, सजाने के लिए, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, परोसने के लिए, लेमन वेज

विधि

एक प्रैशर कुकर में तेल गरम करें और जीरा और हींग डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुन लें। टमाटर डालकर, मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। सूखी लहसुन की चटनी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच में एक बार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। मिले-जुले अंकुरित दानें, हल्दी पाउडर, नमक और 11/2 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। प्याज और धनिया से सजाकर, लेमन वेजस् के साथ गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**